ज्ञान स्तंभ

2015-16

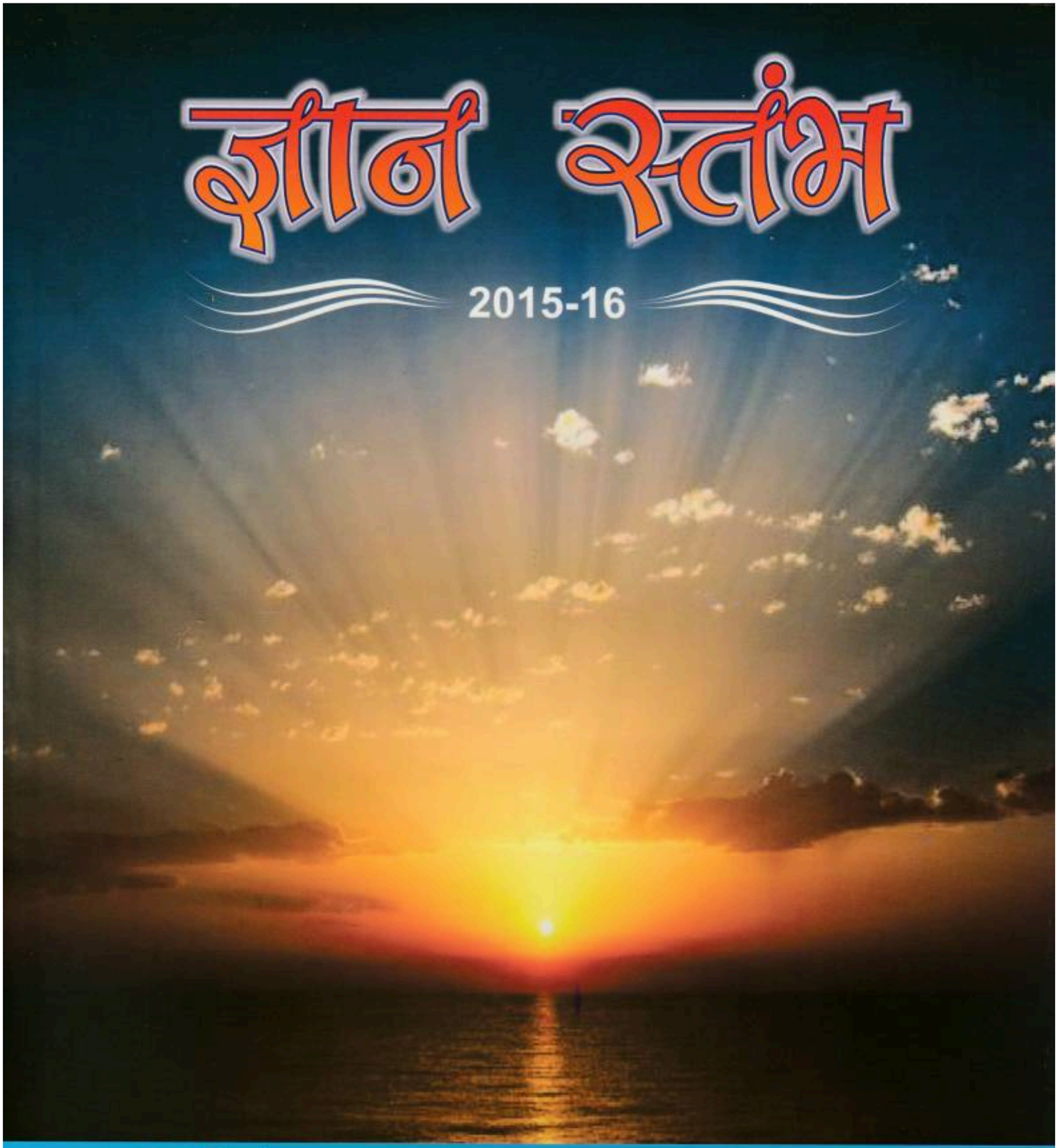

ज्ञानेन अलंक्रियते बुद्धिः

हिन्दू कन्या महाविद्यालय

जीन्द

श्रद्धांजलि

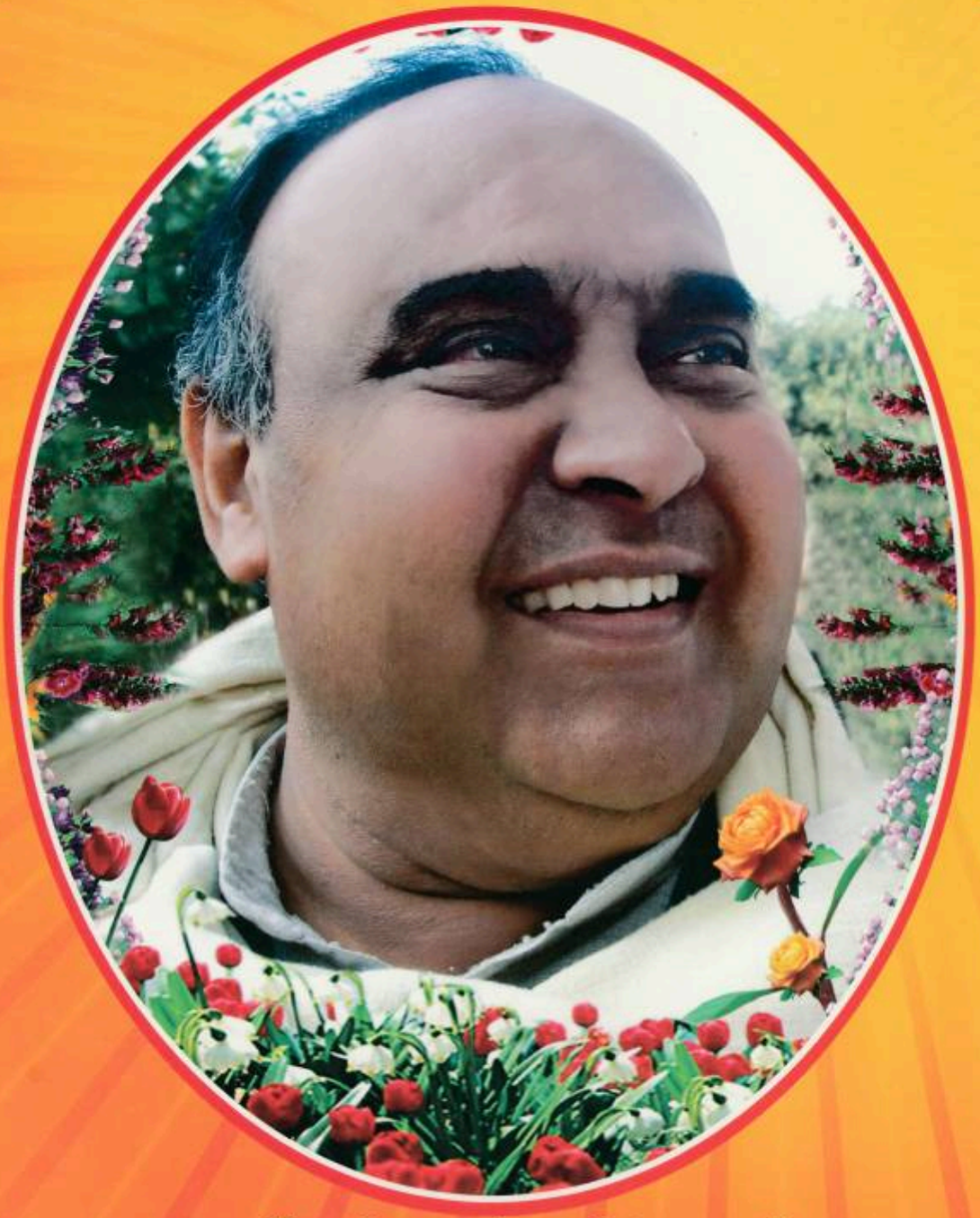

स्वर्गीय श्री बृजमोहन सिंगला जी

हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना कॉलेज परिवार के लिए एक दुखद एतिहासिक घटना है। वे कर्मठ, परिश्रमी, समाज सुधारक, सादा जीवन उच्च विचार के मिलनसार, सबके मददगार, कॉलेज के प्रति समर्पण का भाव रखते थे। दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि।

कॉलेज में कार्यभार संभाला अगस्त 1986 से मई 2016 तक

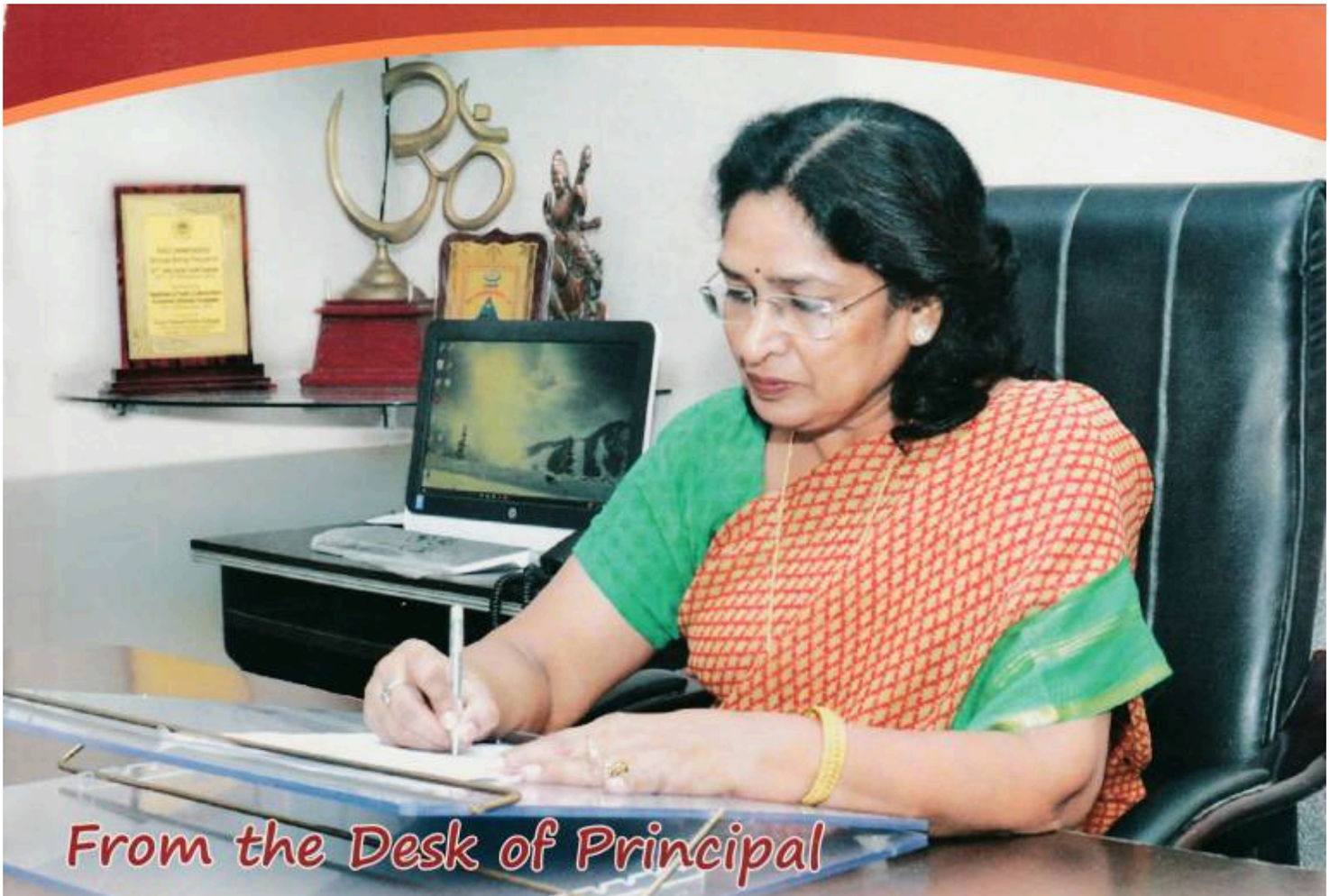

From the Desk of Principal

It gives me immense pleasure to present this issue of 'Gyan Stambh' to you. Education is not an act of acquiring knowledge but learning a skill to lead life and forming one's personality. It is an ennobling process to growth. We try our best to give quality education. Our endeavor is to prepare students to face all hardships of life and to compete globally.

The college conducts a range of events to impart life skills and global competencies. Different activities like NSS, Women Cell, Legal Literacy Cell, Youth Welfare Club etc. inculcate not only the love for social service, discipline, awareness for one's rights and duties, pride for Indian culture and tradition; but also make them good human beings and confident leaders.

The college magazine provides students a platform for creative writing. The college has a distinguished reputation in fields of academics, sports and cultural activities. We emphasize the students to be disciplined & punctual. We try to boost their moral values. Our main motto is to make students better human beings.

With Best Wishes.

Dr. (Mrs.) Alka Gupta

EDITORIAL BOARD

L to R (Sitting)

Mrs. (Dr.) Geeta Gupta (Editor in English)
Ms. (Dr.) Sudha (Editor in Chief)
Mrs. (Dr.) Alka Gupta (Principal)
Mrs. (Dr.) Poonam Mor (Editor in Hindi)
Mrs. Sushma Verma (Editor in Sanskrit)

L to R (Standing) Student Editor

Neetu (Sanskrit)	B.A.-III
Sulekha (English)	B.A.-III
Sonia (Hindi)	B.A.-III

CULTURAL ACTIVITIES

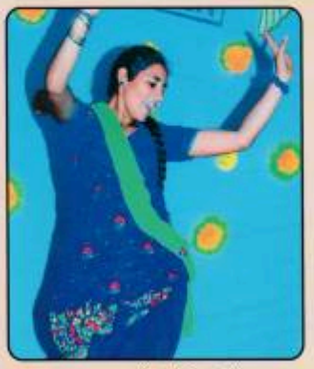

Talent Show में प्रतिभागी छात्रा

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय गान में भाग लेती छात्राएँ

यूथफैस्टिवल भिवानी रोहिल्ला हिसार में प्रथम

Dance Workshop का शुभारम्भ करते हुए

विदाई समारोह में संगीत विभाग की भूमिका

जाट कॉलेज में Running Trophy प्राप्त कर प्रस्तुत करती छात्राएँ

मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में डी.सी. द्वारा सम्मावित होती छात्राएँ

AARTI
P.G.D.C.A.

Achievements

- 1st Prize at district level in Speech competition.
  1st Prize at state level held in kurukshetra.
- Won second prize in speech competition held in P.G. Govt. College Jind.
- 3rd prize in speech competition held in C.R. College Jind.
- First prize in मौलिक कविता on Hindi language held in H.K.M.V. Jind.
- 3rd prize in poem writing competition held in H.K.M.V. Jind.
- First prize in speech competition held in Govt. College Jind under legal cell.
- First prize in speech competition held in Julana.

Group Achievements

- 1st prize in Quiz contest held on Road Safety.
- 2nd position in skit competition held in C.R. College.

LEGAL AWARENESS CELL

National legal service Day advocates Ms. Sarika Gandhi and Sh. Jagmesh Sindhu, Legal Cell Incharge Mrs. Anita Singroha and students in legal Literacy class.

Special legal Literacy camp to celebrate the Women's Day. Advocates Sh. K.K. Kaushik and Ms. Anjali Kaushik, Madam Principal Dr. Alka Gupta, Legal Cell incharge, Staff members and Students.

Mediation Awareness Camp

Advocate Sh. Jai Bhagwan Goel, General Secretory, Managing Committee addressing students, Madam Principal Dr. Alka gupta, Afvocate Kr. Rampal Singh, Legal Cell Incharge Mrs. Anita Singroha and Mrs. Sushma Hooda were also present.

FASHION SHOW

Participants of Fashion Show

Fashion Show winner getting prize from Madam Principal Dr. Alka Gupta

1st Prize winner of Fashio Show

RED CROSS

रक्त जाँच शिविर के दौरान
छात्राओं की जाँच करते हुए

रक्त जाँच शिविर के दौरान इनर व्हील क्लब की प्रधान
डॉ॰ रजनीश जैन छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देती हुई

'Art of Living पर वक्तव्य प्रस्तुत
करती कु॰ गीता

रैड क्रॉस के सौजन्य से करवाई गई स्लोगन व चार्ट मेकिंग
प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्राएँ

एड्स दिवस के अवसर पर छात्राओं को शपथ दिलाते हुए

RED CROSS

रक्त जाँच शिविर में प्राचार्य महोदय
डॉ॰ अलका गुप्ता जाँच करवाते हुए।

रक्त जाँच शिविर के दौरान इनर व्हील क्लब की महिला
सदस्यगण प्राचार्या डॉ॰ अलका गुप्ता व रेड क्रॉस
इंचार्ज डॉ॰ पूनम मोर व अन्य प्राध्यापकों के साथ

रेड क्रॉस के तहत करवाई गई प्रतियोगिताओं
की विजेता छात्राओं का पुरस्कृत करते हुए।

स्वेटर वितरित करते हुए प्राचार्य डॉ॰ अलका गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापिका
श्रीमती मधु खत्री व रेड क्रॉस इंचार्ज डॉ॰ पूनम

N.S.S.

स्टेज–फियर को दूर करने के तरीके बताते डॉ॰ दलबीर शर्मा

'पोषण विज्ञान' पर छात्राओं को जानकारी देते श्री विजय पाल विरोधिया

आत्म–रक्षा पर अपने विचार रखते एस.एस.पी. (जेल) डॉ॰ हरीश कुमार रंगा

एन.एस.एस. कैम्प के दौरान 'आर्ट ऑफ लिविंग' पर अपने विचार प्रस्तुत करते मनोवैज्ञानिक श्री नरेश जागलान

कॉलेज प्रांगण की सफाई करती हुई एन.एस.एस. स्वयं सेविकाएँ

कृष्णा कालोनी में अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोगी बनाना सिखाती एन.एस.एस. छात्राएँ

स्वयं सेविकाओं को योग प्रशिक्षण देती श्रीमती मीना बंसल

एन.एस.एस. दिवस के अवसर पर सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ने की शपथ दिलाती एन.एस.एस. इंचार्ज श्रीमती नीलम

N.S.S.

एन.एस.एस. के सात दिवसीय कैम्प के शुभारंभ समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करती प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता मैडम

एन.एस.एस. स्वयं सेविकाओं को 'सेल्फ एम्प्लोयमेंट' प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण देती प्राध्यापिका श्रीमती हिमांशु गर्ग

सात दिवसीय शिविर में 'कन्या भ्रूण हत्या' विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत करती हुई छात्राएँ

एन.एस.एस. कैम्प के दौरान कराटे का प्रशिक्षण देते श्री प्रमोद मलिक

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करती छात्राएँ

'एड्स डे' के अवसर पर 'रेड रिबन' की श्रृंखला बनाती छात्राएँ

पौधा रोपण प्रोग्राम के तहत पौधे लगाती प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता, एन.एस.एस. इंचार्ज श्रीमती नीलम एवं अन्य स्वयं सेविकाएँ

'लिट्रेसी डे' के अवसर पर श्लोगन राइटिंग कम्पीटीशन में भाग लेती छात्राएँ

मुख्य संपादिका की कलम से ....

डॉ॰ सुधा मल्होत्रा
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

सांस्कृतिक प्रदूषण से बचाव आज की युगीन और महती आवश्यकता है। आज सांस्कृतिक प्रदूषण हमारी वेश-भूषा, खान-पान, आचार-विचार, रीति-रिवाज, भाषा, रहन-सहन, बोली भाषा, परंपराओं, मान्यताओं, सामाजिक मर्यादाओं आदि में देखा गया है। जब छात्राएँ जीन्स, टी शर्ट पहनकर निकलती हैं, और माता-पिता उन पर कोई आपत्ति प्रकट नहीं करते, तो हमारी संस्कृति का ह्रास यहीं से प्रारम्भ होना शुरू हो जाता है, यही कारण है कि महोत्सवों पर कृष्ण, गणेश की मूर्ति को जीन्स पेंट पहनाकर सांस्कृतिक प्रदूषण का नमूना प्रस्तुत किया जाता है। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के स्तर पर शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि छात्राएँ भारतीय वेशभूषा धारण कर अपनी संस्कृति के अनुरूप आचरण करने का प्रयास करें। इससे अनुशासन तो स्थापित होता ही है, साथ ही समरूपता, एकरूपता, एकान्विति का एहसास भी होता है। विद्यार्थियों में संस्कार की अनुभूति भी प्रगाढ़ होती है। विदेशो में हमारी संस्कृति की अनुभूति भी प्रभावशाली होती है। विदेशी संस्कृति का अंधानुकरण करके हम सामाजिक अराजकता, अनुशासनहीनता को बढ़ावा देते हैं।

खान-पान की दृष्टि से जब हम 'जंक फूड' चाऊमीन, डिब्बा बंद संस्कृति, चॉकलेट, चिप्स, पिज्ज़ा, बर्गर, कोक आदि का प्रयोग करते हैं, तो अपने बच्चों के स्वास्थ्य को प्रदूषित करने का दूसरा कदम बढ़ाते हैं। जब माता-पिता एक बार बच्चे को घर की रसोई से बाहर 'फाइव स्टार होटल' बड़े बड़े रेस्टोरेन्ट में लेकर जाते हैं, तो बच्चे की रूचियाँ, स्वभाव, स्वाद सब परिवर्तित होने लगते हैं। उनकी रूचियाँ, जिह्वा का स्वाद, घ्राण शक्ति वही गिर्च मसालों को सूंघने, खाने को लालायित हो जाती हैं और वे सादा भोजन खाना पसंद नहीं करते उन्हें घिया, तोरी, टिंडा, पेठा खाने में अरूचिकर लगते हैं वह धीरे-धीरे शाकाहारी से मांसाहारी और फिर मदिरासेवी भी बन जाते हैं। यह विलासितावादी सभ्यता आखिर भारतीय संस्कृति में परिवर्तित हो रही है। यह पाश्चात्य सभ्यता जो प्रदर्शन, नव्यतम प्रतियोगिता की सभ्यता है, हमारे बच्चें इस संस्कृति को अपना कर सांस्कृतिक प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं।

भारतीय संस्कृति वैश्विक संस्कृति है। यह 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की संस्कृति है। यह सहिष्णुता, समता-ममता की संस्कृति है, उदारता की संस्कृति है, विश्व-बंधुत्व की संस्कृति है। यह व्यापक संस्कृति है, विशाल संस्कृति है। समग्रता संपूर्णता की संस्कृति है। विशालता की संस्कृति है। समग्रता संपूर्णता की संस्कृति है। वह 'स्व' हित की कामना नहीं करती, अपितु 'पर दुःख का तरता' की विश्वासी है। 'विश्व एक नीड़ है' का संदेश देने वाली हमारी भारतीय संस्कृति 'सर्वे भवन्तु-सुखिनः' का मंत्रगान करती है। वह सामाजिक समरसता को ध्येय रखकर जीवनमूल्यों का निर्धारण करने वाली संस्कृति है। मानवीय मूल्यों को स्थापित करने वाली सामंजस्यवादी और समन्वयवादी भारतीय संस्कृति जीवनादर्शो को व्यावहारिकता के फलक पर देखने की आकांक्षी है।

'जैसा खाओगे अन्न वैसा पाओगे मन' भारतीय संस्कृति सात्विक और आस्तिक वृत्ति में विश्वास रखती है ताकि सांस्कृतिक चैतन्यता बनी रहे। उदात्त होने में सुख है। व्यापक होने में आनंद है। 'अल्प' में अर्थात् मैं तक सीमित होना, संकीर्ण होना ही दुख का कारण है। मानव जीवन की सार्थकता इसी में है कि वह ससीम से असीम हो जाए। हम खाने के लिए किसी उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए खाएँ। हम जीने के लिए नहीं, औरों का सुख देने की इच्छा से जीवित रहें। 'व्यक्ति से 'समाज' बन जाएँ। हम केवल अपना भोजन, अपनी सुविधाएँ, अपना व्यक्तित्व बनाने में ही न लगे रहें। हम अपने और केवल अपनों के चिन्तन से ऊपर उठें, दूसरों के सुख दुख में, हँसने और रोने में संवेदनशील रहें। मन-मस्तिष्क को श्रेय (कल्याणकारी) मार्ग की ओर ले चले।

साहित्य के पठन पाठन से मन-मस्तिष्क को स्वस्थ बनाकर मानवता के रास्ते पर चलें। वर्तमान पीढ़ी का रूचि-परिमार्जन करें। आज शिक्षा-जगत् के लिए यह बहुत बड़ा उत्तरदायित्व है और महती आवश्यकता भी युवा वर्ग नई तकनीक में घुस चुका है। चिन्ता का विषय है कि कहीं वे वैब-साइड, ई मेल का दुरुपयोग कर भटक न जाएँ। अश्लील वीडियो, भद्दे, टी.वी. सीरियल कहीं आने वाली पीढ़ी को भटका न दें। इस बात की कसक, दर्द, तड़प प्रत्येक संवेदनशील, विद्वत्, शिक्षक, मार्ग - दर्शक और आचार्य को होनी चाहिए। कहीं हमारी संस्कृति देखते ही देखते विलुप्त न हो जाए। आओ हम सब उसे बचाने का संकल्प करके इस उत्तरदायित्व को निभाने का बीड़ा उठाएँ। सहृदय समाज को इस सांस्कृतिक प्रदूषण से बचा कर उनका रुझान ज्योतित करने की कोशिश करें:-

''रहे मनोरंजन, न क्यों, शिक्षा रहित निबंध ।
है उस कुसुम समान ही जिसमें नहीं सुगंध ।

- मैथिलीशरण गुप्त

Hindu Kanya Mahavidyalya
Jind

GYAN - STAMBH

2015-16

ENGLISH SECTION

As atho Maa Sad Gamaya, Tamaso Maa Jyothir Gamaya
Mrithyor Maa Amritham Gamaya, Om Shanti ... Om Shanti... Shanti...

Staff Editor :
Dr. Geeta Gupta
Assoc. Prof. (Eng Dept.)
H.K.M.V. Ind

Student Editor :
Salma
(B.A. III Roll No. 2181)

CONTENTS

Sr. No.	Title	Writer	Page No.
1.	Editorial	Dr. Geeta Gupta	4
2.	Know The Power of Thought	Mrs. Neelam	5
3.	Goal Setting	Mrs. Kirti Rani	6
4.	To Those Who Fail	Girija Sharma	7
5.	Examinations	Girija Sharma	7
6.	A Journey To My Inner World	Mrs. Anju	8
7.	Faces In The Class Room	Shilpa	9
8.	Be Positive...	Shilpa	9
9.	Technology	Pooja	10
10.	Exploitation of Women	Pooja	10
11.	18 Best Rules For Life	Sakshi Bhardwaj	11
12.	Chemistry	Anisha	11
13.	Amazing Facts	Bhateri	11
14.	Meaning of Friendship	Anisha	12
15.	A Matrimonial Letter	Asha	12
16.	Funny Quotes	Punit	13
17.	Correct Judgement	Anisha	13
18.	English - A Funny Language & Jokes	Anisha	14
	Jokes	Anisha	14
19.	Learn French Language	Anisha	14
20.	Strange Definitations	Anisha	15
21.	Define - Yourself	Sakshi Bhardwaj	15
	A Maths Poem on Friendship	Gayatri	16
22.	The Enigma of English	Monika	16
23.	Status of English At Hindu College	Mrs. Manisha Narwal	17
24.	Nation, Nation And Revolution	Mrs. Manisha Narwal	18
25.	Do You Know?	Sarita	19
26.	First In India	Sonia	19
27.	HIV-AIDS & Early Stage of HIV	Vishoka Bhardwaj	20
28.	Always Be A Student	Sakshi Bhardwaj	21
29.	Fun With A Wedding Card	Renu Duhan	21
30.	Teacher	Renu Duhan	21
31.	Parents	Parvesh Dulat	21
32.	Laughter	Parvesh Dulat	22
33.	Maths	Parvesh Dulat	22
34.	Poem	Diksha	22
35.	Modern Definitions	Parvesh Dulat	23
36.	Silence to Shot	Mrs. Manisha Narwal	23
37.	What is Life?	Ruby	23
38.	Teachers	Diksha	24
39.	These Three Years	Shilpa	24
40.	Life in H.K.M.V ..... A Bliss	Girija Sharma	25
41.	Signs of Good Omen	Nidhi Ahlawat	25

Editorial...

DR. GEETA GUPTA

Dear Students

Addressing you through columns of 'Gyan-stambh' is always a matter of great pleasure. What should I talk to you about? You have your own perspective to problems around you. But one aspect that has become quite common is unhappiness prevailing every where. Saints and sages in every religion command us to 'Be Happy'. It is a simple command yet to most of us it is confusing and frustrating and extremely difficult to follow. Rather we tend to complain, mourn, criticize, judge and indulge in other negative mental pursuits. Majority of people today are not merely not happy, but are acutely unhappy. We prefer to lay the blame on someone or something other than ourselves not realizing that we are free to choose how we react. We tend to want to push away those things we fear or do not want to happen, and grab hold of those things we crave or fear we will not achieve. Fear is also the cause of negative reaction such as anger, depression, and other types of unhappiness. It is said "one's ships come in over a calm sea". Florence scovel-shinn in her classic guide 'The Game of Life and How to play it', says that so long as man resists a situation, he will have it with him. If he runs away from it, it will run after him. It means that if we accept adverse situation is good and are not disturbed by it – it tends to go away automatically.

In any adverse situation. We can pray to God. We can choose any form that we like. With prayers our outlook to life improves. Out look towards one's problems changes. We become more positive, calm, steady and level-headed. Faith gets stronger and thoughts more positive Prayers cushion the impact of misfortunes and infuse one with optimism.

Know The Power of Thoughts

Mrs. Neelam
Asst. Prof. Political Science
Hindu Kanya Mahavidyalya
Jind (Haryana)

The power of thoughts is more often greater than the power of actions. Thoughts certainly do have great power. Thoughts that arise in the mind or are inscribed on paper have great potential. Good and great thoughts create positive vibrations that affect human beings for their welfare. Similarly, unhealthy, bad and negative thoughts emit vibrations that cause harm and damage to human beings. Thoughts move the world; they bring about revolutions and catastrophes in case the thoughts are bad. It is essential that we think positively, because positive thoughts leave good impact on our mental, physical and spiritual health. Negative thoughts are damaging; they give birth to diseases and bring about physical, mental and spiritual downfall. We must thus realise the power of thoughts and inculcate in ourselves a tendency to think positively.

An old woman, with her young daughter, was going to her village. It was getting dark and the way was almost lonely. Naturally the lady was feeling concerned about her daughter. Just then a young man, riding on a horse passed by. The woman stopped him and requested him to give a lift to her daughter and drop her at the turn of the road about a mile ahead. The young man declined to oblige her and galloped away. After a couple of minutes he thought how foolish he had been. He could have easily and safely taken away the damsel with him. He turned back and stood before the old woman in an apologetic manner saying "Let your daughter, my sister, sit with me on the horse's back. I shall drop her at the desired place". The old woman replied calmly, "Dear young man, thank you very much, I wouldn't send her with you now. The angel who advised you to return back, advised me also, not to entrust the daughter to you".

You can well make out the point. The thoughts of the young man did reverberate in the mind of the old woman, and made her aware of the young man's intentions. In turn, we should take the hint that our thoughts often travel ahead of us and create atmosphere accordingly. This fact explains why we feel comfortable in the presence of some people and uneasy at other. Thoughts emit vibrations according to their nature and affect those all around. It is only the change within that can bring about change in the outer world, change within can bring about change in the very outlook towards life.

It is rightly said- 'As you think, so you become'. Do remember these words of Swami Vivekanand. "Thoughts are our chief motivating force. Fill your mind with healthy and higher thoughts, as thoughts are founders of our character, which ultimately form our destiny".

Goal Setting

Mrs. Kirti Rani
Lecturer in Commerce

Knowledge helps you to reach your destination provided your know what the destination is.
A man was travelling and stopped at an intersection. He asked an elderly man, "Where does this road take me?" The elderly person asked, "Where do you want to go?" The man replied, "I don't know." The elderly person said, "Then take any road. What difference does it make?"

How true when we don't know where we are going than every road is good enough.

Even the kids who play cricket on the road, you must have noticed, mark three lines on the walls for stumps as they should know whether the batsman is out or not. In the same way it is impossible to play football without goal posts.

Why Don't People Set Goals?

1. **A Pessimistic Attitude** - always seeing the pitfalls rather than the possibilities.
2. **Fear of Failure -** what if I don't make it? People feel subconsciously that If they don't set goals and if they don't make it, then they haven't failed. But they are failures to being with.
3. **Lack of Ambition -** Our limited thinking prevents us from progress. It is like going to a fountain with a teaspoon when barrels are available. There was a fisherman who every time he caught a big fish would throw it back into the river, keeping only the smaller ones. A man watching this unusual behavior asked the fisherman why he was doing this. The fisherman replised, "Because I have a small frying pan." Most people never make it in life because they are carrying a limited frying pan that is limited thinking.
4. **Fears of Rejection** - If I don't make it, what will other people say?
5. **Procrastination -** "Some day I will set goals. "This ties in with a lack of ambition.
6. **Low Self - Esteem -** Because a person is not internally driven and needs inspiration.
7. **Ignorance of the importance of goals -** Nobody taught them and they never learnt the importance of goal setting.
8. **A Lack of Knowledge About Goal Setting -** People don't know the mechanics of setting goals. They need a step-by-step guide so that they can follow a system.
   Goal setting is a series of steps. Whey you buy a train ticket what does it say?

- Date of Journey
- Station from & station to
- Distance
- Fare

Don't you find all of them are in observable and measurable terms? But if you ask people they give you vague answers such as, "I want to be successful, be happy, make a good living," and that is it. At the best it can be only a dream. They are just wishes.

Goals Must Be Smart :

1. S-Specific For eg, "I want to lose weight, "This is wishful thinking. It becomes a goal when I pin yourself to, "I will lose 5 kg in 90 days."

2. M-Must be measurable. If we cannot measure it, we cannot accomplish it. Measurement is a way of monitoring our progress.
3. A - Must be achievable. Achievable means that it should be out of reach enough to be challenging but it should not be out of sight, otherwise it becomes disheartening.
4. R-Realistic. A person who wants to lose 25 kg in 30 days is being unrealistic.
5. T-Time bound. There should be a starting date and a finishing date.

To Those Who Fail

Girija Sharma
B.Sc III
Roll No. 2829

"All honour to those who shall win the prize",
The world has cried for a thousand years;
But to those who try, and who fail and die,
I give great honor and glory and tears;
Give glory and honor and pitiful tears
To all who fail in their deeds sublime:
Their ghosts are many in the van of years;
They were born with time, in advance of time.
Oh, great is the hero who wins a name,
Some pale-faced fellow who dies in shame,
And lets God finish the thoughts sublime.
And great is the man with a sword undrawn,
And good is the man who refrains from wine;
But the man who fails and yet still fights on,
Lo, he is the twin-born brother of mine

Examination

Girija Sharma
B.Sc III
Roll No. 2829

Examinations are something to fear,
Which all of us have to clear,
They are something which makes us realize,
How much we have learnt and revised,
As the examination approaches near,
All the fun and enjoyment is over,
If in exams we go early to sleep
Then after the results we have to weep,
When the examinations are just ahead,
Let us do our best, instead,
There is no fun, if we fail.
For, in the end, we have to wail,
Sensible students learn by heart,
And prove themselves intelligent and smart
We must acknowledge their importance,
And start before hand preparations.

A Journey To My Inner World

Mrs. Anju
Asst. Professor of Maths

As I try to read emotions, there is happiness and grief as well. What I have learned since childhood is that, to study hard is good. Be honest and work hard. Yes, I learned a lot. And also I got successful in career because of that. But problems they do come. I still have, my share of low and high moments. And at times ; I think about it, the reason or the logic behind it. What does my heart want? Is it money, power, prestige or what? What generates and controls these emotions of mine? Poverty is a problem. But poor are not sad all the time. Money is important but rich are not happier either.

Politicians are powerful. They can satisfy their ego by using that power. But does that guarantee happiness? Or is it social status, fame or prestige which matters to my emotional world? These questions have never been easy to answer. Our education system will not answer it either, neither does the society. You may not, well, find out by going to temples or other religious places. You will have to search your own mind, your own heart. You will have to go to your inner world. How to control emotions? How to understand and win. In usual simple language they say, follow renunciation. Follow detachment. Get rid of your greed. Get rid of your anger. Get rid of your jealousy and ego. The word attachment is important because detachment is derived from it. And they say detachment is important. Detachment from physical world, from money, from loved ones, from ego even. What are you? You are just a small part of this vast universe. And what impact can you really create? And is it really important to spoil your life in hard work to create that little impact? Then what is the way forward? Somebody asked me, is it possible through detachment to come out of day to day problems we face in life? Don't you need physical action to counter those tough situations? Well,I said, you are right. But find out, are they really important to you? It is I who gives importance to so many things as such, howsoever insignificant they may be. And this is called attachment. And this attachment is bad. This attachment takes me to extremes in life, either this way or that way. It keeps my emotional world turbulent, depriving it of the peace it deserves and desires. The flow is never smooth. Somebody has a new car and I feel sad. Alas! The friend has got a very beautiful wife. He is not worthy but still. Life has so many pains for me. I asked myself, can I stop this comparison? Can I come out of jealousy? The answer may be yes or no. It depends upon what my focus is. But the focus has always been on career ,on money, power and prestige. It has never been on emotions, self control, detachment or so called inner world. And the wise said, actually people do want money power and prestige. They want to satisfy their ego. They want to hide their fear. They don't want this complex mental development type things. And they get what they want. Obviously not happiness. Can you believe it? It is the truth. People may not talk about it. They want people under them. They want power to satisfy ego. Yes, it must be I who should decide about the universe, they feel. What is that? That is ego, my friend. Are you getting me? Attachments are actually mental weaknesses we are born with. So detachment can give me relief. Well, it seems true. But what about fear and anxiety? They produce mental trauma. They are silent killers. Can detachment get them out of my mind? The answer is simply no. You will have to face the fear overhead to get rid of it. You will have to face life and its challenges. It is all the part and parcel of so called mental development. And here the focus should be. But alah! It is not so as of now.

Faces In The Classroom

Shilpa
B.Sc III
Roll No. 2828

1. **Attentive Faces :-** They see, hear and follow everything that the teacher speaks or writes on the board and can answer any question put to them.
2. **Pretending Faces :-** They constantly smile when the teacher smiles and nod their heads when the teacher explains as if they have understood and followed everything.
3. **Talkative Faces :-** They only talk and disturb others and when the teacher turns towards the board, they start talking and when the teacher turns towards them, they express as they understand everything.
4. **Desperate Faces :-** Their job is to look desperately for irrelevant activities and to pass comments on other students.
5. **Sleeping Faces :-** Last but not the least comes the sleeping faces. Sleeping in the class should be called an act. Students, rather "Heroes" and "Heroines", take a risk of dozing off with the teacher sitting in front of them. They are not bothered by them. They are not bothered about what is being taught and said in the class and are last in their own dreams. "Art of Sleeping" in the class can't be mastered by everyone, though there are many in this category.

   So, Where do you fit in all among this folks?

Be Positive ...

Shilpa
B.Sc III
Roll No. 2828

There was a time when your mind starts asking some questions when you face some critical situations. You are perplexed and do not get answers to vital questions. This is because you become busy due to your daily routine and changes of life.

We have appended some questions and also given their answers. This question- answer session would help you overcome your problems. That is how you would think positively about your problems.

Q1. What is all this going on?

Ans This is the best part of my life, for I am learning how to survive.

Q2. Why is this happening to me?

Ans This is happening to me because I am a Divine creation of the almighty God, Just like any other human is. He has full trust in me.

Q3. When is it going to stop?

Ans This would be over, once man's life is over.

What we think creates a layer of energy around over body. This energy layer eventually affects our soul. It also affects our actions and life.

Therefore, always feel good about yourself and become a better person in life.

Technology

Pooja

B.Sc II

Roll No. 1365

Today's generation is the generation of technology. Due to technology, so many changes are occurring in the world. Without science and technology, we can't think of our life. At present there is a mobile phone in hands of every human being. With his device, we can now contact our friends and relatives who may be living very far away from us, in only a couple of minutes. Technology has brought about amazing changes in our space, communication and entertainment. To travel thousands of miles which the people could have never thought of earlier, now can be done only in a few hours.

The machine named computer has brought about an amazing changes in the field of education. Technology is a boon for human beings...

Exploitation of Women

Pooja

B.Sc II

Roll No. 1365

The world has always been a male dominated world. Man has treated woman not as an equal partner in life but as mere slave. Woman is for him the weaker vessel. He has given her many beautiful names. A man calls his wife his better - half - Women are known as the fair sex. We call them devis. But all these are mere sugar coated words. Man uses such words as a bait to beguile this beautiful creation of God. He abuses her physically, sexually, morally, economically and also politically. Science has placed in man's hand a new kind of weapon, called ultrasound to detect the sex of the child yet in the womb. If the foetus is a female. It is exterminated. Formerly, woman was subjected to cruelty from birth to death, but now even the defence of the mother's womb is breached. This sinful act is performed by some unscrupulous medical men, but they are not alone to blame. Parents willingly go to them in order to abort the female foetus. This raises a serious social and moral question. One has not to spend more on bringing up a daughter then a son. Then why is the birth of a son a moment of rejoicing while the birth of a daughter is considered a curse? But times are beginning to change now. Women are becoming alive to their rights. Education has gone a long way to improve their lot. But still much remains to be desired and done.

18 Best Rules For Life

Sakshi Bhardwaj
B.Sc III
Roll No. 2827

1) Pursue Achievable Goals
2) Keep Genuine Smiles
3) Share With Others
4) Help The Neighbors
5) Maintain A Youthful Spirit
6) Get Along With The Rich, The Poor. The Beautiful & The Ugly.
7) Keep Coal Under Pressure
8) Lighten The Atmosphere With Humor
9) Forgive The Annoyance of Others
10. Have A Few Pals
11) Cooperate And Reap Great Rewards
12) Treasure Every Moment With Your Love Ones
13) Have High Confidence In Yourself
14) Respect The Disadvantaged
15) Indulge Yourself Occasionally
16) Surf The Net At Leisure
17) Take Calculated Risks
18) Understand "Money Isn't Everything"

Chemistry

Anisha
B.Sc II

Chemistry! Chemistry! Chemistry!
Chemistry causes diffloruciency
The topic of 'Matter'
It makes a class scatter
Matter has weight
Learning chemistry is our fate?
When our teacher tells us our chemistry course,
We wish her voice would get hoarse,
Agreed! Aluminum is white,
But wew'd rather prefer a sleepy night,
Oh! remember that puring of fuel,
It produces a lot of heat,
And makes me tremble in my seat,
When the teacher gives us a lecture
On 'compounds' and mixtures;
I think I have on my head a dangerous fracture.
The largest endless molecular space,
Its knowledge puts us in a daze.
The chemistry, I keep on my left hand,
For in it, teacher, nothing I understand

Amazing Facts

Bhateri
B.Sc I
Roll No. 2600

- There are no crows in Singapore.
- There are no mosquitoes in France.
- If you are right handed, then your right finger nails grow faster.
- Gul Mohammad was the shortest person. He was 2 feet 3 inches tall.
- The opposite sides of a dice cube always adds upto seven.
- Phoenix is a bird which burns itself to ashes and after 500 years is again born from it's ashes.
- Hummingbirds are the only birds which can fly backwards.

Meaning of Friendship

Anisha
B.Sc II
Roll No. 2746

"Friendship is a single soul dwelling in the two bodies." This is an appropriate saying of Aristotle. A man who has many friends has no real friend. Only two can become good friends. Friendship is a rare gift of human being from God. A person who has a real friend is the luckiest man of the world. Those who can't understand the meaning of friendship hardly progress in life. They are unlucky. A thing about friendship - "Friendship is like a chewing - gum which never ends, until you throw it."

When someone says to other." Do you want to develop friendship with me?" Then I want to ask him, " Do you know the deep meaning of friendship?'

In friendship a friend multiplies his friend's joy and reduces his sorrows. If we want to make someone our friend. We must be ready to sacrifice something. It is well tested fact that sacrifice is the foundation of friendship. Each word of friendship has its own independent meaning:

F	:	Faithful
R	:	Rare
I	:	Immortal
E	:	Emotional
N	:	Nurturing
D	:	Dear
S	:	Sacrifice
H	:	Happiness
I	:	Indefinite
P	:	Pious in habits

A Matrimonial Letter

Asha
B.Sc I
Roll No. 2539

Mr. Mathematician
Calculus campus
Statistical Street, Dynamics

My soluble geometry,

with due respect, I seek your opinion about the rational with your irrational daughter miss infinity. I have already consulted miss Trigonometry. She has promised a deferential and integral marriage. You know their love is so intense that they are prepared to die for each other, the proof is given below:

Any digit/zero = Infinity

Zero/Any Digit = Zero

It is all true that each of them possesses a weakness. Though my son is a lovable chap, he is enemy of many good students. But he is such a person that in spite of his multiplication by great no., he yields nothing but himself.

Your daughter is not too beautiful, I think that Mr. Zero is quite a suitable match for her. Kindly tell me after consulting logarithm tables, the appropriate day for the matrimonial ceremony. I hope your two sisters miss solid geometry and miss no theory will have no objection to the marriage.

Wishing you Binomial Expansion

Your correctly

Algebra

Funny Quotes

Punit
B.Sc I
Roll No. 2503

- It's amazing that the amount of news that happens in the world every day always just exactly fits the newspapers.

  - Jerry Sanfeld

- Tell a men there are 300 billion stars in the universe and he'll believe you. Tell him a bench has wet paint on it and he'll have to touch it to be sure.

  - Anonymous

- The human brain is a wonderful thing. It starts working the moment you are born and never stops until you stand up to speak in public.

  - Jerry Seinfeld

- A bank is a place that will lend you money, if you can prove you don't need it.

  - Bob Hipe

- The best way to lie is to tell truth ....., carefully edited truth.

  - Anonymous

- One advantage of talking to yourself is that you know at least somebody's listening.

  - Franklin P. Jones

- Always remember that you are absolutely unique, just as everyone else.

  - Margaret Mead

- It's true hard work never killed anybody, but I figure why take the chance?

  - Ronald Reagan

- To err is human, to blame it on somebody else shows management potential.

  - Anonymous

- Expert : a man who makes three correct guesses consecutively.

  - Havrence J. Peter

Correct Judgement

Anisha
B.Sc II
Roll No. 2746

If You Want To Judge A Home,
See It's Kitchen.
If You Want To Judge A Woman,
See Her Feet.
If You Want To Judge A Soldier,
See His Bravery.
If You Want To Judge A Country,
See It's Citizens.
If You Want To Judge A Library,
See It's Issue Register.
If You Want To Judge An Office,
See It's Filing System.
If You Want To Judge A Student
See His Politeness.
If You Want To Judge A Teacher,
See His Ability To Teach.

English A Funny Language

Anisha
B.Sc II
Roll No. 2746

We'll begin with box and the plural is boxes, But the plural of ox is oxen, not oxes, The plural of mouse is mice, But the plural of house is houses, not hice. If 'I' speak of foot and you show me your feet, pair And 'I' give you a boot, would a pair be called beet. Then the masculine pronouns are he, his and him. but imagine the feminine are she, s his and s him.

So, English, I imagine, you will agree,
Is the funniest language you ever did see.

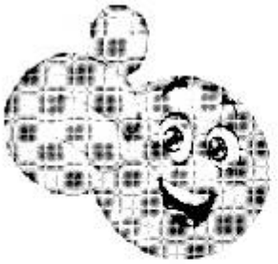

Jokes

Anisha
B.Sc II
Roll No. 2746

1) **Teacher :** What is the formula of water?
   Student : H, I, J, K, L, M, N, O
   Teacher : Nonsense! What is this?
   Student : But sir, you told me yesterday that formula of water is H_2O (H to O)
2) **Ramu :** Why have you cut a hole in your umbrella?
   Hari : So that I can see when it stops raining.
3) **Teacher :** "If I lay one egg on this chair and two on the table, how many will I have, in all."
   Student : "Personally, I don't believe you can do it."
4) **Principal:** "I have power to fine you. I have power to suspend you, I have power to expel you from school. Do you know where are you?
   Student : "In the Power-House, Sir."

Learn French Language

Good Morning	:	Bon Jour	(बोंजू)
Mr.	:	Monsieur	(मस्यू)
Miss	:	Madammessoile	(मादामजाल)
Happy Birthday	:	Bom Fete	(बौ. फैट)
Good Affternoon	:	Bon Apre's Midi	(बौ. आपे मिदि)
Happy New Year	:	Bonne Anne	(बोन अने)
Thank You	:	Merci	(मरसी)

Strange Definitions

Anisha
B.Sc II
Roll No. 2746

Television	:	A civilised way of wasting time and finance.
Home	:	Girl's prison and a woman's work-house.
Cinema hall	:	A classroom for modern youth.
Bathroom	:	A place for singing alone.
Wife	:	A boss in the house.
Examination	:	A lottery result.
Astronomer	:	A night watch man.
Mathematics	:	A battle between chalk and duster on black board.
Advice	:	A thing which every one needs and every one gives but no one takes.
Jail	:	The house without any rent.
Marriage	:	Whole life punishment without any fault.
Job	:	Two eyes for a blind man.
Bus	:	An air conditioned house.
Good Manners	:	Noise you don't make while taking tea.

Define Yourself

Sakshi Bhardwaj
B.Sc III
Roll No. 2827

You are a part of all that surrounds you. celebrate your connection to life as you, step into future.

Your abilities can take you to that but it is your character that will keep you there.

Build your character well for it is the foundation of your being. The adversities you will face will not build your character, they will reveal it. Unlock your potential. Every moment has a hidden gift. Discover Dream You will create you tomorrow by what... Your dream today, Dreams are the touchstones of your character. Imagine the unimaginable. This is your time. This is your life. Life is your canvas and no one can paint it, but you.

Inside you is the key to everything you can imagine and more.

"Learn from yesterday, live for today. You are hope for tomorrow".

A Maths Poem on Friendship

Gayatri
B.A. III
Roll No. 2146

- How 2 + 2 = 5
  We take -20 = -20
  16-36 = 25-45

$16-36+\frac{81}{4}=25-45+\frac{81}{4}$ (To make square by adding $\left(\frac{9}{2}\right)^2$ on)

$(4)^2+\left(\frac{9}{2}\right)^2-2.4.\frac{9}{2}=(5)^2+\left(\frac{9}{2}\right)^2-2.5.\frac{9}{2}$

$\left(4-\frac{9}{2}\right)^2=\left(5-\frac{9}{2}\right)^2$

Taking square root on both sides

$\sqrt{\left(4-\frac{9}{2}\right)^2}=\sqrt{\left(5-\frac{9}{2}\right)^2}$

$4-\frac{9}{2}=5-\frac{9}{2}$

4 = 5 → 2 + 2 = 5

Hence, proved

- ***Full Form of Mathematics***

M	=	Memory
A	=	Accuracy
T	=	Talent
H	=	Hard Work
E	=	Enthusiastic
M	=	Mind
A	=	Attention
T	=	Toil
I	=	Intelligence
C	=	Cleverness
S	=	Smile

- To Prove $x^0 = 1$
  We can write o = m - m, m E R,

  Then L.H.S. = $x^0 = x^{m-m}$ $x^m.x^{-m}=\frac{x^m}{x^m}=1=R.H.S$

  Hence, Proved

The Enigma of English

Monika
B.Sc I
Roll No. 2592

English is all about imagination
I must say, It's a great fascination.
People have used it since the olden age.
But remember, It's not just any language.
On it, today everthing depends
Without it, nothing begins or ends
Speaking English adds to the grace
Without it, you can't leave your trace.
English actually reflects one's persona
It can rightly be called an Enigma
For some, English speaking is a terror
But, it is because of their own error.
They are actually not aware of the reality
Speaking English is a great necessity.

Status Of English At Hindu College

Manisha Narwal
Lect. in English

Hindu college has a rich culture & colourful environment, as it is the girls' college situated in the heart of city Jind where, Ranitalab is the famous heritage spot for sight seeing.

Our students also think like princess or queens to express boldly themselves. Although errors are there but learning prevails with an active charm to learn. Imitation of any native speaker's language needs an open view to his culture to understand his expressions better in situations. Expressions are always marked in active communication, as man is a social being. I appreciate the way they wish to rectify themselves but God knows if we are failing to provide them basic technological demands of the time. Another issue that he heralds their way to learning is other subjects thats mostly they opt in their mother tongue. Practice they need to improve lacks situations in such conditions. My personal view is if other facilities can't be provided then there should be full size mirror access for each and every student atleast in each classroom. English movies and reading newspapers will naturally help you out to seek areas for your spoken as well as written language development. Other problem solving practical methods to be used are:

- Word making games/puzzles.
- Friends vocab. Quiz competitions.
- Basic words highlighting in newspapers.
- Picaresque story books for students.
- Spoken apps. added dictionaries on mobile phones.
- Attending workshops.
- Writing for college magazine.
- Friends help to boost self confidence by wishing in eng. always.
- Attending seminars.
- Listening & imitating your favourite teachers.
- Participating in various co-scholastic activities of college.

Worries and tensions are always there in life, we cannot stop them from coming in our ways. So, people will laugh at you in your journey to learn this language but who moves against the wind with challenge will always learn it wholeheartedly like our dialects. Marks my words there will be always two roads; the way you make, only you know is the best way for you.

Nation Notion & Revolution

Mrs. Manisha Narwal
Lect. in English

'Rome was not built in a day'; the famous proverb always halts my brain whenever I think of our motherland. We have our own system, beliefs, conventions, ideals and trends to mark our presence in today's changing scenarios of global markets and international treaties among nations. But change in all things is sweet. PM thought going to Pakistan will bring change in their attitude towards us, his thoughts were drained by Pathankot incident.

Today is the era of scientific and technological development, the country which laggards in it will definitely loose the grounds of legendary armours of gallantry to raise its head with struggle to survive among others. Seasons change, our human body goes on changing from infancy to old age, hence we should change our nation, notion as well to become more competent in our existence. The question is leaders once appointed can't be proliferated in the middle of their tenure by judging their potential in situations that arises during their exposure to ground realities. 'Haryana' was burning in the fire of revolt but the government representatives couldn't spare some time out to speak to its commoners. it is disgusting to common people. My opinion is why should they abide to all the laws when 'Supreme Court' has to intervene in each and every minute issue, to solve the mutual co-ordination problems among states & capital. It is highly alarming situation that administration appoints just panels always to sort out its way after each and every tragedy. In workshops and marketing advertisements. Political says politics 'Sidhi' Maan Ki Baat PM Ke Saath', or 'M.s' Window' to explain your grievances without delay in happening India.

Communial riots like 1947 situation was there in Haryana and leading International newspapers were mentioning it, at that time our honourable politicians was silent puppets. All political parties are blaming each other for reasons to blame, who was responsible for such a disastrous situation. Some MLA's are giving open statements on the name of democracy to spread of communalriots, then why they appoint spokesman for them. 'Reserve Quota' politics is responsible backbone of all our fuss created by our ancestors according to their times and need of the society. Today such kind or type of scenario no longer prevails as carlyle write:

"Today is not yesterday, we ourselves change. How then can our words and thoughts if they are always to be the fittest, continue always the same-change, indeed, is painful yet ever needful".

Do You Know?

Sarita
B.A. I
Roll No. 337

1. 'China Tea' is sometime called as Green Tea.
2. The 'Corner Books' in Canada is lumbering town.
3. Agra, Kanpur and Batanagar are the principal cities of footwear industry.
4. 'Wall Maps are small scale maps.
5. 'Terra Rossa' is a soil type found in mediterranean.
6. India's climate is characterized as Tropical monsoon.
7. 'Blue Whales' are mainly found in Antarctic.
8. The Namcha Barwa is located in North-East of India.
9. 'This world's Hunger' is written by French person.
10. The highest temperature in India is recorded during April-May.

First in India

Sonia
B.A. I
Roll No. 547

First President of India.
- Dr. Rajendra Prasad

First Woman Prime Minister.
- Indira Gandhi

First Man To Climb Mount Everest.
- Tenzing Norgay

First Woman To Climb Mount Everest.
- Bachendri Pal

First Man To Get Nobel Prize.
- Rabindranath Tagore

First Woman To Get Nobel Prize
- Mother Teresa

First Man To Go Into The Space
- Rakesh Sharma

First Woman To Go Into The Space
- Kalpana Chawla

First Emperor Of Mughal Dynasty
- Babar

First Woman To Win Miss Universe Title
- Sushmita Sen

First Woman To Win Miss World Title
- Rita Faria

First Woman Ips Officer
-kiran Bedi

First Film
- Raja Harish Chandra

First Talkie Film
-Alam Aara

First Newspaper
- Bengal Gazzette

HIV / AIDS

Vishoka Bhardwaj
B.A. I
Roll No. 112

HIV/AIDS was first found in India among commercial sex workers of Chennai in 1986. The same year an American patient was diagnosed with the virus in CMC, Vellore. The story of HIV/AIDS in the country is the story of many pioneering protocols in testing, counselling, campaigns and government intiatives", writes Papri Sri Raman. HIV stands for human immunodeficiency virus, if left untreated, HIV can lead to the disease AIDS (acquired immunodeficiency Syndrone)

HIV attacks the body's immune system, specifically the CDH cells (T cells) which help immune system light off injections. AIDS is the stage of injection that occurs when your immune system is badly damaged and you become vulnerable to opportunistic infections. When the number of your CD4 cells falls below 200 cells per cubic millimeter of blood (200 cells/mn3). You are considered to have progressed to AIDS. (Normal Cd4 counts are between 500 and 1600 cells/mw/)

Same people may experience a flu like illness within 2-4 weeks after HIV infection. But some people may not feel sick during this stage Flu like symptoms can include:

- Fever
- chills
- Rashes
- Night Sweats
- Muscle Aches
- Sore Throat
- Fatigue
- Swollen Lymph Nodes
- Mouth Ulcers

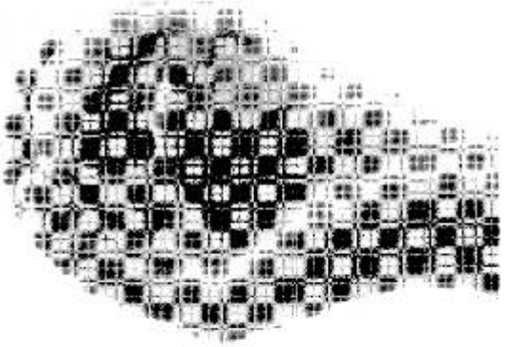

PROGRESSION TO AIDS:

If you have HIV and you are not an ART, eventually the virus will weaken your body's immune system and you will progress to AIDS, the late stage of HIV infection symptoms can include.

- Rapid weight loss
- Recurring fever or profuse night sweats
- Extreme and unexplained tiredness
- Prolonged swelling of the lumbh glands in the armphits, grain or neck.
- Diarrohea that lasts for more then a week.
- Sores of the mouth, genitals
- Pneumonia
- Red, Brown, Pink or Purplish blotches on or under the skin or inside the mouth, nose or eyelids.
- Memory loss, depression and other neurologic disorders.

Always Be A Student

Sakshi Bhardwaj
B.Sc III
Roll No. 2827

Keep on learning, Though you graduations done; Your whole life's an education that has only just begun. Your diploma is the first big step. For knowledge is the special key to winning-what you want in life. And being who you want to be. If you'll always be a student you'll find the secrets to success. And travel on the golden road to peace and happiness.

Fun With A Wedding Card

Renu Duhan
B.Sc III
Roll No. 2212

Smt. & Sh. Sada Dosa
Request the honour of your presence
on the occasion of the marriage
of their loving son
MASALA DOSSA
WITH
PANI PURI
(D/o Smt. & Sh. Bhel Puri)
Gulab Jamun Hal!
Rasmalai Nagar
With Relatives and friends
Pizza, Chowmin
Burger, Hot Dog
Khoey Ki Barfi
Shahi Paneer
Gol Gappa

Teacher

Renu Duhan
B.Sc III
Roll No. 2212

T : Talents
: Techniques
: Trust
E : Educated
: Examine
: Enrich
A : Acceptance, Adjustability, Appreciation
C : Character, Capacity, Care
H : Head, Heart, Hand
E : Energetic, Enthusiastic, Encouraging
R : Responsible, Resourceful, Reliable

Parents

Parvesh Dulat
B.Sc (N.M)
Roll No. 2707

Parents are a special gift,
Given by God.
Parents are the only ones,
Who can make sacrifice.
Parents are our best friends,
We should be their pride.
And guide us to the right path.
If you want to pray,
Pray for your parents.
We can only progress
With the blessings of our parents

Laughter

Parvesh Dulat
B.Sc (N.M)
Roll No. 2707

1. A person (to another) - Are you fifty years old?
   Other-yes, how do you know that?
   First person-my brother is twenty five year old and he is half mad.
2. Man : If I cut across your fields, will I be able to catch the 6:30 bus?
   Farmer : If my bulls see you, you will be able to catch the 6:15 instead.
3. Mrs. Sharma : What a beautiful Sari! It must be very costly. Has your husband changed his job?
   Mrs. Malti : Oh, no! I have changed my husband.
4. Teacher : What do you know about the 18th century scientists?
   Parvesh : That they all are dead.
5. History Teacher : Parvesh, you tell me which important event took place in 1869.
   Parvesh : sir! Mahatma Gandhi was born in 1869.
   Teacher : well, now tell me what happened in 1872.
   Parvesh : sir, Gandhi Ji was three years old.

Maths

Parvesh Dulat
B.Sc (N.M)
Roll No. 2707

Oh! Maths! how tickling you are?
You have neither aim nor art.
After learning circles,
My brain does miracles,
Your formulas are so easy,
Yet they make so crazy.
Your variation and applications,
Stop my blood circulations,
Your equations and algebra.
Pushes me into a state of coma.
Oh! Math, you are indeed a brain-eating subject,
And will never leave any one's mind perfect.
You have neither charm nor grace,
You are a sure destroyer of mind's peace.
You have impeded mind's prosperity,
And looted its peace and annuity.

Poem

Diksha
B.A. I
Roll No. 186

It is no time to waste,
Use it according to your taste
If you sleep in the winter,
You will weep in summer
No body will feed your need,
Read, my dear read.
If you want to pass,
You must attend your class.
If you want to make your life,
Attend your class without strike
And always do good deeds,
Read, my dear read.
Don't be careless in class,
Without labour you can't pass

Modern Definitions

Parvesh Dulat
B.Sc (N.M)
Roll No. 2707

1.	Atom Bomb	:	An invention to end all inventions.
2.	Doctor	:	A person who kills your ills with pill and kills you by his bills.
3.	Dowry	:	The price of bridegroom
4.	College	:	A place where father pays and the child plays
5.	Father	:	A bank provided by nature
6.	Mother	:	A hostess brought by father
7.	Theatre	:	Students Temple
8.	Bride	:	An article of decoration in a marriage
9.	Platform	:	A place where luggage and money get lost
10.	Degrees	:	Just an addition in personality

Silence to Shot

Mrs. Manisha Narwal
Lect. in English

Silence is gold, but give it a shot.
it is the language, that now no one understands.
Which not a teacher can teach and world thinks you are immature.
Silence is a virtue of wise, that tortures you always inside.
Who remains in the background, like the skies that has no dialogue to express.
Silence is intense, when our brains are active.
Action always speaks louder than words.
Silence is fine, but one shot always coins the divine difference of life.

What is Life

Ruby
B.Sc I
Roll No. 2558

* A rich man burst into laughter and said, "Money is Life".
* A poor man trembling with cold said, "Life is Struggle".
* A lazy man dreaming in his sleep said, "Life is a bed of roses".
* A youngster enjoying his time in full measure said, "Life is Pleasure".
* A saint in his speech said, "Life is a way of Divine".
* A lover waiting anxiously for his beloved said, "Love is life".
* But I said, "Life is an unsolved mystery".

Teacher

Diksha
B.A. I
Roll No. 186

Teacher are the builders of nature helping the others to reach the destination. They are like the light house in dark ocean guiding unexperinced students in usteady emotion.
Present in every school and college. They are ones who spread the light of knowledge. They are spring of minds which are dry. They provide us with wings to fly.

These Three Year...

Shilpa
B.Sc III
Roll No. 2828

These three years will be remembered...
Because this time gave us the experience
The moments will stay golden ... In thoughts for a lifetime...
For the chums hair always together made us fly high...
These three years... the time incorrigible...
Even If we try to do so... will always stay impeccable...
A time that's simply the best... full of frolic leaving out all the rest...
A lot of new experience... moving out of the boundaries... that freaked us out... different at extreme...
Being in college we learn a lot...
To face the people...
To hold the smile...
That may be fake sometimes... untrue despise. Conditions do change too soon...
As we learn to move through...
These three years are ganna surely make us cry...
coz this unforgettable fun is soon gonna die. 2/3 done ... just a 1/3rd left... after that a new life... new goals might be set... these three years are gonna be missed... every time we'll be lonely... eyes might too get wet...

Never does the times stays...
Never does the people too...
Just hope when we get though...
Utopia doesn't get skewed...

Life in H.K.M.V... A Bliss

Girija Sharma
B.Sc-III
Roll No. 2829

I still remember the time when I first visited H.K.M.V. As any youngester would be... I was anxious to know where life would take me and then came the day when I took admission here... nobody knows what future holds for them... neither did I...

Admission in this college happened by chance and soon I started realizing that I was destined to be here...

There's one very famous phrase which I thoroughly believe in "whatever happend... happens for good"... which is perfectly applicable to my being in this college... I started believing in myself from being an introvert to a self-assured person all together... was the after effect of joining this college...

The first day in this college was a very special day for me where I met my friends and seniors for the first time... I was an absolute introvert and was too shy to talk to anyone... and that was where my friends and my seniors especially helped me out... they made me a totally different person...

Apart from giving me the knowledge required for sustaining myself in the ever growing rat race in the outside world it also taught me how to fight back against all adds... At this moment when I try n think about all the good things that have happened to me till now... joining H.K.M.V is certainly one of them.

Signs of Good Omen

Nidhi Ahlawat
B.Sc. - I
Roll No. 2602

1. A pitcher full of water :- If a water carrier is spotted and she has a pitcher full of water. Then it is deemed a good omen.
2. Gau Darshan :- If a cow is spotted in the morning, then it deemed a good omen.
3. Curd or Silver Coin : If any one of these is spotted, then this is a sign of good omen.
4. Deer Spotting :- If a deer comes from left to right of the person while he is going on a foreign tour, then it is good for that person.
5. Scratching on the palm :- If there is irritation / scratching on the left palm of the woman or the right palm of the man, then it is sign of possibility of receiving money.
6. Pulsation of an Eye :- If the right eye of the male or the left eye of the female is pulsating, then it is deemed a good omen.
7. Bending of the Chapati :- It is also a premonition of the arrival of guest.
8. Bathing of sparrow in sand :- This indicates that rains are about to arrive in the area.
9. A Sleeper / Shoe on another : - This indicates that the owner of those sleepers/shoes may have to undertake a long journey.
10. Scratching of foot :- It also indicates that the concerned person may have to travel.

ज्ञानेन अलंक्रियते बुद्धिः

हिन्दू कन्या महाविद्यालय

जीन्द

ज्ञान स्तंभ

2015-16

हिन्दी विभाग

या कुन्देन्दु तुषार हार धवला या शुभ्रवस्त्रावृता ।
या वीणावरदंड मंडितकरा या श्वेतपद्मासना ॥

सम्पादिका
डॉ॰ पूनम मोर

छात्रा सम्पादिका
सोनिया
तृतीय वर्ष

अनुक्रमणिका

क्रं०	विषय	नाम	पृष्ट संख्या
1.	सम्पादकीय	डॉ0 पूनम मोर	30
2.	मूल्य आधरित शिक्षा	डॉ0 पूनम मोर	31
3.	भारतीय संगीत द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ती संभावनाएं	डॉ0 क्यूटी	32
4.	बुआ को समर्पित	पूनम मित्तल	33
5.	माँ	नीरम	33
6.	क्या आप जानते हैं?	रीतू वशिष्ठ	33
7.	Saugit U/s Wakt	प्रवीम	34
8.	शायरी	प्रवीम	34
9.	इंसान	सुदेश	34
10.	शायरी	प्रियंका जैन	35
11.	अजन्मी बेटी का अपनो के नाम पैगाम	अनुराधा गौतम	35
12.	ढूँढते रह जाएँगे	सुनीता	35
13.	बोध कथा	निशा	36
14.	मेरा कॉलेज	प्रवेश ढुल्ट	37
15.	गौ माता की कहानी	सुनीता	37
16.	अनमोल वचन	प्रवेश ढुल	38
17.	एक दिन दरवाजा खोलेगी बेटी	निशा	38
18.	वक्त	सुनीता	39
19.	हास्य शायरी	सुमित यादव	39
20.	विरोधाभासी तथ्य	ननीषा	39
21.	राजनेताओं की कहानी	पूजा	40
22.	याद रखने योग्य बातें	सोनिया रुहिल	41
23.	जीवन के पाँच नकारात्मक तथ्य	उपासना	41
24.	माँ	सोनिया रूहिल	42
25.	हिन्दी	मनीषा	42
26.	बेटियाँ	सुनीता	42
27.	साथ सब ना चल सकेंगे	शिल्पा	43
28.	गज़ल	सोनिया रूहिल	43
29.	सवाल	सोनिया रुहिल	43
30.	गणितीय विवाह	अन्नू	44
31.	स्वागत करने के तरीके	रीतू वशिष्ठ	44

क्रं०	विषय	नाम	पृष्ट संख्या
32.	घरेलू स्वास्थ्यवर्धक नुस्खे	उपासना	45
33.	तथ्य	दीक्षा	45
34.	पहेलियाँ	प्रियंका	45
35.	तथ्य	एकता	46
36.	Student का महत्त्व	अनिशा	46
37.	हरियाणवी स्पीकिंग कोर्स	मनीषा	47
38.	पति का सुपर रिप्लाई	मनीषा	47
39.	कटु सत्य	मनीषा	48
40.	गौमाता की पुकार	दीक्षा	48
41.	वतन का सौदा	कविता चहल	48
42.	भारत के बारे में सामान्य जानकारी	निशा लाठर	49
43.	मीठी बोली	सोनिया	49
44.	पहेलियाँ	प्रियंका मेहरा	50
45.	जीवन मंत्र	निशा लाठर	50
46.	ज्ञान गंगा	रेनू दूहन	50
47.	कॉलेज की यादें	अन्नू	51
48.	आज के विद्यार्थी	सुमित यादव	51
49.	जीवन	सुमित यादव	51
50.	माँ	सुमित यादव	52
51.	सुखी जीवन जीने के टिप्स	सुमित यादव	52
52.	इंसान बनाने का काढ़ा	रेनू दूहन	53
53.	18 भाषाओं में नया साल मुबारक	रेनू दूहन	53
54.	जीवन के शाश्वत सत्य	अनिशा	54
55.	हँसगुल्ले	जयन्ती	54
56.	बेटी... बोझ नहीं है!!!	शिल्पा	54
57.	नयी सदी	सोनिया	55
58.	अभिलाषा	सोनिया	55
59.	अनमोल रत्न (माता–पिता)	जयन्ती जागलान	56
60.	शायरी	जयन्ती जागलान	56
61.	स्मरणीय बातें	दिव्या दलाल	57
62.	बापू तेरे देश में	प्रीति	57
63.	शायरी	अंजलि सिहाग	58
64.	गुदगुदी	निशा लाठर	58

क्रं०	विषय	नाम	पृष्ट संख्या
65.	अनमोल वचन	बाली	59
66.	धन से	बाली	59
67.	महंगाई	कविता चहल	59
68.	चुटकुले	प्रमिला आर्य	59
69.	भविष्य	पिंकी	60
70.	माँ–बेटी	मोनिका	61
71.	माँ को समर्पित एक कविता	प्रियंका जैन	61
72.	गजल – आँसुओं की दुकान	प्रमिला आर्य	62
73.	प्राणवान पंक्तियाँ	अंजलि सिहाग	62
74.	इंसानियत का रूप	प्रमिला आर्य	62
75.	सुख	राजबाला शर्मा	63
76.	शायरी	प्रमिला आर्य	64
77.	कम नहीं होती...	ज्योति रेढू	64
78.	ईश्वर की माया	दिव्या दलाल	65
79.	बेटियाँ	गायत्री	65
80.	शायरी	प्रियंका जैन	66
81.	साथी	सुमन रेढू	66
82.	कीमत	सुमन रेढू	66
83.	शायरी	किरण खटकड	67
84.	गाँव और शहर		68
85.	महंगाई	मोनिका महरोलिया	68
86.	सच्ची बात	पिंकी	69
87.	आखिर क्यों?	मोनिका यादव	69
88.	10 महत्त्वपूर्ण बिन्दू	रिंवूफ चहल	70
89.	बेटी की रक्षा	मौसम	70
90	मैं भी कुछ बनना चाहती हूँ	अनिशा	70
91.	मैं गया सुसरैड	मोनिका महरोलिया	71
92.	कुछ बातें	दिव्या दलाल	71
93.	शायरी	ललिता नैहरा	72
94.	आज का संदेश	सोनिया	72
95.	तथ्य	मीना	73
96	चुटकुले	एकता मलिक	73

सम्पादकीय...

डॉ॰ पूनम मोर
(असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग)

सुसंस्कृत मानव निश्चय ही श्रेष्ठ समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होते हैं। यह सत्य है कि उत्कृष्ट जीवन मूल्यों का निर्वहन व्यक्ति विशेष को श्रेष्ठता के उस सोपान पर ले जाता है जहाँ वह सामान्य से विशिष्ट बन जाता है, लेकिन विडम्बना यह है कि आज का मानव हमारे महान सांस्कृतिक मूल्यों को विस्मृत कर अज्ञानता रूपी अंधेरी कन्दराओं में भटक रहा है। ऐसी स्थिति में इस बात की महती आवश्यकता है कि हम अपनी वास्तविक स्थिति का विश्लेषण करें व अपनी क्षमताओं एव सामर्थ्य को पहचान कर राष्ट्र हित में अग्रसर हों। यह नितान्त सत्य है कि राष्ट्र को उच्चता के शिखर पर ले जाने का लक्ष्य आज की युवा शक्ति के बल पर ही सम्भव हो सकता है। उत्साह, उमंग, जोश एवं शक्ति से भरपूर युवा निश्चय ही राष्ट्र के निर्माता है, परन्तु यह अत्यन्त चिन्तनीय है कि आज का युवा पाश्चात्य संस्कृति के अन्धानुकण में ही जीवन का आनन्द खोज रहा है। युवाओं को अपने सामर्थ्य को पहचानना होगा, दिशा निर्धारण करना होगा, विवेकवान बनना होगा। ऐसा केवल शिक्षित होने से ही सम्भव हो सकता है, क्योंकि शिक्षा हमारा मानसिक परिष्कार कर हमें अपने वातावरण के प्रति संवेदनशील भी बनाती है। इस सम्बन्ध में स्वामी विवेकानन्द के विचार उल्लेखनीय हैं –''शिक्षा केवल कोरा शैक्षिक ज्ञान ही नही, अपितु अच्छा आचरण, अच्छाई का पक्ष लेने तथा बुराई से लड़ने की दृढ़ता, स्वतन्त्र विचार, निष्पक्ष निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करती है।

आशा है कि आपके ज्ञान–वर्द्धन एवं मनोरंजन हेतु इस पत्रिका में संकलित रचनाएँ आपको रूचिकर प्रतीत होंगी। इसी विश्वास के साथ प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं की अनेक सुन्दर रचनाओं को समाहित किए हुए यह अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है।

शुभकामनाओं सहित !

मूल्य आधारित शिक्षा

डॉ॰ पूनम मोर
(असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग)

विश्व की प्राचीनतम व महानतम भारतीय संस्कृति का मूलाधार प्रेम, दया, करूणा, सहानुभूति, परोपकार आदि नैतिक मूल्य ही है, लेकिन यह अत्यन्त खेद का विषय है कि आज पाश्चात्य संस्कृति के प्रभावस्वरूप हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों की अनदेखी कर प्रतिस्पर्धा की अन्धी दौड़ में शामिल हैं। किसी ने अत्यन्त उचित कहा है कि यदि धन गया, तो कुछ नहीं गया। यदि स्वास्थ्य गया, तो समझो कुछ खो गया और यदि चरित्र चला गया, तो सब कुछ चला गया। इस तथ्य को आज के भारतीय समाज के सन्दर्भ में देखने-समझने की अवश्यकता है। नैतिक मूल्यों की पतनावस्था निश्चित ही समाज व राष्ट्र को अवनति की ओर ले जा रही है। आज निश्चय ही मूल्य आधारित शिक्षा की महती आवश्यकता है जो विद्यार्थियों में हमारे प्राचीन सांस्कृति मूल्यों को स्थापित कर उनके व्यक्तित्व को निखार सके। आधुनिक युग में हम अपने चतुर्दिक परिवेश में बड़ी सहजता से देख सकते हैं कि आज के बालक दिशाहीन होते जा रहे हैं। इस दिशाहीनता को रोकने में परिवार, समाज व विद्यालयों शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। भारत के सन्दर्भ में देखें, तो हम पाएँगे कि सरकार द्वारा संचालित विद्यालयों का स्तर प्राय: निम्न पाया जाता है। आज इस बात की महता आवश्यकता है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली में सुधार करें। शिक्षा का मूल भूत ढाँचा निर्मित करते समय उसमें नैतिक मूल्यों का समावेश कर विद्यार्थियों को भावनात्मक व बौद्धिक रूप से सामर्थ्यवान बनाएँ। निश्चित रूप से आज की पीढ़ी अपनी पिछली पीढ़ी से अधिक जागरूक है, परन्तु यह भी सत्य है कि वे अपने जीवन में आने वाले तनावों का सामना करने में उतने समर्थ प्रतीत नहीं होते। यह भी सत्य है कि एक बच्चे के बालपन में उसके व्यक्तित्व में जो नैतिक मूल्य विकसित किए जाते हैं, वे उसके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अंग बन जाते है। निश्चित रूप से एक बालक की पहली शिक्षिका उसकी माँ ही होती है, लेकिन आज के सन्दर्भ में देखें, जहाँ महिलाएँ कामकाजी हैं, बालक को 3 या 4 साल की उम्र में ही स्कूल में दाखिल करवा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में एक शिक्षिका को माँ का रोल भी निभाना पड़ता है। इसके साथ-साथ विद्यालयी परिवेश का भी नैतिक मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। विद्यालय के प्रार्थना समय के बेहतर उपयोग से नैतिक मूल्यों को प्रसारित किया जाना चाहिए। आध्यात्मिकता, देशभक्ति, मानवतावाद, योग, ध्यान आदि भाव चरित्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। विद्यालयी और महाविद्यालयी स्तर पर एन.सी.सी., एन.एस.एस. जैसी शाखाओं में भागीदारी से बालकों में सहयोग, अनुशासन व जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। मूल्य आधारित शिक्षा का प्रारम्भ स्कूल स्तर से प्रारम्भ करके कॉलेज व विश्वविद्यालय प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य है। हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए कि श्रेष्ठ नागरिक ही श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं और मूल्य आधारित शिक्षा किसी भी राष्ट्र की चौतरफा प्रगति की ओर पहला कदम है।

भारतीय संगीत द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ती संभावनाएं

डॉ० क्यूटी
असिस्टेंट प्रोफेसर
संगीत विभाग

आधुनिक समय में चिकित्सा क्षेत्र में दवाइयाँ, भले ही वह अंग्रेजी हों या देशी, का प्रयोग कम से कम किया जाने का प्रयास जारी है। प्राकृतिक चिकित्साओं, आयुर्वेदिक दवाओं को प्रयोग में लाने की ओर चिकित्सक भी अग्रसर हो रहे हैं। अब ऐसे में यदि प्राचीन समय की चिकित्सा पद्धतियों की ओर यदि नजर डाली जाए, तो मंत्र साधना, योगसाधना, नाद साधना अथवा संगीत साधना का ही रूप है। वैसे भी संगीत से अधिक प्राकृतिक, स्पष्ट, शुद्ध एवं ईश्वरीय और क्या होगा?

सृष्टि में आत्म चिंतन एवं विवेचन और भावों की सहज अभिव्यक्ति का सरल साधन संगीत से श्रेष्ठ और क्या हो सकता है। संगीत मानव हृदय में तरंगति होने वाले भावों से ही उत्पन्न होकर पुन: मानव मस्तिष्क को संतुष्ट करता है। निश्चित रूप से ही संगीत मानव वृत्तियों व शक्तियों को प्रभावित करता है। इन्हीं क्षमताओं को मद्दे नजर रखते हुए अर्वाचीन काल में योगियों तथा ज्ञानियों ने संगीत को ध्यान योग व साधना क्षेत्र में स्थान दिया। लौकिक से पारलौकिक तन्मयता की स्थिति तक पहुँचाने में सक्षम संगीत का प्रयोग तत्पश्चात औषधात्मक रूप से होने लगा। संगीत द्वारा मानसिक रोगों का उपचार संभव होने लगा। मनोवैज्ञानिकों ने तो मन को हमारे व्यवहार के 80% भाग को प्रभावित करने वाली अवचेतन परत कहा है। साथ ही हमारे सकारात्मक व नकारात्मक विचारों को नियंत्रित भी इसी के द्वारा ही किया जाता है। मानव मन के भाव शुद्ध होगें, तभी मन शुद्ध होगा और भाव शुद्धि में सबसे सहायक तत्व संगीत है जो मानव मन पर उसके अनुकूल प्रभाव डालता है और मानव को आनंदानुभूति होती है। इसी आधार पर संगीत को आरामदेही चिकित्सा (Relaxation Therapy) का नाम भी दिया गया है। व्यक्ति जब मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह शारीरिक रुप से स्वत: ही स्वस्थ होने लगता है। संगीत द्वारा शारीरिक व मानसिक संतुलन स्थापित करने की प्रक्रिया ही नाद चिकित्सा या संगीत चिकित्सा कहलाती है।

भारतीय चिकित्सा की यह पद्धिति विदेशों में इतनी सार्थक बन पड़ी है। अमेरिका में BSMT (British Society For Music Therapy) AAMT (America Association of Music Therepy) नाम से ऐसी कई संस्थाएं है जो संगीत द्वारा रोगियों का उपचार करती है। उनका मानना यह है कि दवाओं की अपेक्षा ध्वनि तरंगें अपना प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से शीघ्रता से छोड़ती हैं। इनका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं रहता।

ध्वनि का विशेष संघात रासायनिक परिवर्तन पैदा करता है। अमेरिका विश्वविद्यालय में एक अध्ययन के अंतर्गत संगीत की मधुर लहरियों में मूड को बनाने वाले सभी रासायन जैसे- नोरजीनक्रीम, एमिनक्रीन और सेलटोनिन रक्त में सक्रिय हो जाते है और मन प्रभावित होने लगता है। जिसके द्वारा विषाद, अवसाद, थकान, चिंता, बाध्यता, मनोग्रस्तता तथा रक्तचाप आदि का उपचार संभव हो सका है। अलग-अलग स्वर लहरियां तथा भारतीय संगीत के रागों द्वारा भिन्न-2 रोगों से पीड़ितों की चिकित्सा की जाती है। रोगी मनुष्य दो प्रकार से प्रभावित होता है-

1) अधिक शोर तथा तीव्र गति वाला संगीत रक्तचाप, धड़कन कथा रक्त शर्करा आदि को और बढ़ाता है।

2) इसके विपरीत कोमल स्वरो, धीमी व मध्य गति का संगीत रोगी को तनाव से मुक्त कराता है।

वास्तव मे संगीत चिकित्सा मानव शरीर व आत्मा से संबंधित है। आत्मा अजर, अमर व शाश्वत है। यह किसी भी प्रकार के रोगों से ग्रस्त नहीं होती, लेकिन मानव शरीर रोगों से जकड़ा जाता है। इसे नादतत्व के उचित प्रयोग से ही ठीक किया जा सकता है जो कि स्पष्ट रूप से स्वर, लय और ताल पर आधारित है। मानव शरीर पंच तत्वों से निर्मित है। उन पंच तत्वों में संतुलन बनाए रखने के लिए स्वर व लय का जोड़ ही सटीक प्रतीत होता है और चमत्कार उत्पन्न करता है। ऊपरलिखित तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि संगीत अथवा नाद रूप चिकित्सा मानव शरीर में मौजूद तत्वों तथा घटकों को उचित नियंत्रण में रखते हुए इनमे संतुलन बनाए रखती है। फलस्वरूप मानव मानसिक व शरीरिक व्याधियों से अपने आप को बचा सकता है। वर्तमान भौतिक परिप्रेक्ष्य में जहाँ समस्त वातावरण तनावग्रस्त है उस को परिवर्तित करने में संगीत की यह प्रभावशाली लहरें इतनी क्षमता रखती हैं कि कैसे स्वयं को उस माहौल से बचाएँ और उसका कोई प्रभाव आप पर न पड़े।

बुआ को समर्पित

पूनम मित्तल
होम साईंस विभाग

बुआ-बुआ होती है चाहे सगी या चचेरी-ममेरी हो।
पापा की बहन होती है बुआ।
दादी की बेटी होती है बुआ।
दादा की लाडली होती है बुआ।
हमारी बैस्ट फ्रैंड होती है बुआ।
घर की रौनक होती है बुआ।
पापा का मान होती है बुआ।
त्योहारों की रौनक होती है बुआ।
बर्थडे पार्टी की शान होती है बुआ।
माँ का अभिमान होती है बुआ।
हमारी ढ़ाल होती है बुआ।
खुशियों का थाल होती है बुआ
कलाई का धागा होती है बुआ।
रस गुल्ला लाती है बुआ।
राखी का त्योहार होती है बुआ।।
भाई दूज का त्योहार होती है बुआ।
वीकेशन का फन होती है बुआ।
जिनकी बड़ी बहन नही होती।
उनका होने का एहसास होती है बुआ।
इसलिए सबका प्यार होती है बुआ।

माँ

नीरम
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं0 123

दो शब्दों का लफ्ज है माँ,
निभाने वालों के लिए सबसे बड़ा फर्ज है माँ।
समझदार के लिए समझ है माँ,
मकसद हीन के लिए जीने का मकसद है माँ।
दुख को सुख में बदलने वाली दुआ है माँ,
इस दुनिया को बदलने वाली बेहतरीन फिज़ा है माँ।
गर्मी में सुकून देने वाली हवा है माँ,
पतझड़ में मिलने वाली बहार है माँ।
सितारों की तरह रोशन होती है माँ,
धरती पर जन्नत का मजा है माँ।
नासमझों के लिए कुछ भी नहीं है माँ,
लेकिन समझने वालों के लिए भगवान है माँ।
हर वक्त के साथ प्यार देने वाली है माँ,
हर जिंदगी की तरह बेमोल है माँ।
आँख में खुशी की वजह है माँ,
दुख में भी हँसाने की वजह है माँ।
अहसान चुकाना बड़ा मुश्किल है माँ,
आप साथ दो तो ये भी आसान है माँ।

क्या आप जानते हैं?

रीतू वशिष्ठ
बी०एस०सी०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2738

1. यदि मेंढक का मुँह लगातार खुला रह जाए, तो वह मर जाएगा।
2. हवाई दीप नामक देश में एक भी सर्प नहीं है।
3. फ्रांस में मच्छर नहीं होते।
4. भालू और ऊँट चलते समय दोनों पैर एक साथ उठाते हैं।
5. कुत्ते के पूरे शरीर में केवल नाक पर पसीना आता है।
6. हरीयल पक्षी कभी जमीन पर पैर नहीं रखता।
7. सर्वप्रथम कागज का नोट-स्टॉक होम वेक्रेवे 1661 में छपा।
8. अंतरिक्ष में एक घंटे भ्रमण करने का व्यय 3 लाख डॉलर है।
9. स्पेन एक ऐसा देश है जहाँ कपड़े का अखबार निकलता है।
10. तिब्बत की उरुत्सो झील प्रत्येक 12 वर्ष बाद मीठे व खारे पानी में बदलती है।

Saugit U/s Wakt

प्रवीम
संगीत विभाग तबला वादक

मेरे देश का संगीत, ना जाने कहाँ खो गया
हमारे पूर्वजों का गौरव, आज मिट्टी में खो गया।

मैंने जब वक्त से कहा, तू कुछ पल के लिए थम जा
ये सुनकर वक्त भी, मेरी राह में खड़ा हो गया।

वक्त को ना रूकता देख, म्यूजिक भी Western हो गया
मेरे देश का संगीत, ना जाने कहाँ खो गया।

जख्मी भारतीय संगीत, एक बार फिर से खड़ा हो गया
विश्व भर में रंग बिखराने से, तिरंगे का सिर ऊँचा हो गया।

मेरे देश का मधुर संगीत कहीं बिकता नहीं,
इस बात पर मेरा वक्त से झगड़ा हो गया।

आज भी छुपा है इसमें वो तेज़
जिसे सुनकर मेरा देश जगमग हो गया।

मेरा मन भी इसे सुनकर मदमस्त हो गया
मेरे देश का संगीत, ना जाने कहाँ खो गया।

शायरी

वक्त बदल जाता है,
तो बसन्त में भी पतझड़ नज़र आता है।
दोस्त बिछुड़ जाते हैं,
तो सूरज की रोशनी में भी अन्धेरा नज़र आता है।

दोस्ती गज़ल है,
गुनगुनाने के लिए।
दोस्ती नगमा है,
सुनाने के लिए।
ये वो जज़्बा है,
जो हर एक को मिलता नहीं।
क्योंकि हौंसला चाहिए,
उसे निभाने के लिए।

इंसान

सुदेश
बी०एस०सी०-प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक नं० : 2632

एक था भगवान। ...

एक था शैतान। ...

दोनों में जब झगड़ा हुआ, तो बहुत हुआ नुकसान।

दोनों ने मिलकर समस्या का निकाला एक समाधान।

एक खिलौना बनाया और उसका नाम रखा इंसान।

शैतान ने अपनी ताकत दी।...

क्रोध, घमंड और जलन।...

भगवान ने अपने अंश दिए...

प्यार, दया और सम्मान।

भगवान से मुस्कराकर बोला फिर शैतान...

न तेरा नुकसान...

न मेरा नुकसान ...

तू जीते या मैं जीतूं,

हारेगा इंसान।

और इसलिए कहते हैं

कोई टूटे, तो उसे सजाना सीखो।

कोई रूठे, तो उसे मनाना सीखो,

रिश्ते तो मिलते हैं मुकद्दर से।

बस उनको खूबसूरती से मनाना सीखो।

शायरी

प्रियंका जैन
बी०ए० द्वितीय वर्ष
रोल नं. 1124

इतनी सी बात हवाओं को बताएं रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना।
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाए रखना।

हर शाम किसी के लिए सुहानी नहीं होती,
चाहत के पीछे कोई कहानी नहीं होती।
कुछ तो असर होता है दो दिलों के मेल का
वरना गोरी राधा साँवले श्याम की दीवानी नहीं होती।

ये दुनिया है तेज धूप, पर वो तो बस छाँव होती है,
स्नेह से सजी ममता से भरी, माँ तो बस माँ होती है।

अभी तो चिंगारी उठी है,
अंगार बनना बाकी है।
वतन को जला रहे हैं जो,
जलनी मशाल बाकी है,
जला दे उन्हें,
उठनी वो आग बाकी है।

मैंने खुदा से एक दुआ माँगी,
दुआ मैं अपनी, मौत माँगी,
खुदा ने कहा मौत तो तुझे दे दूँ,
पर उसका क्या जिसने, हर दुआ में
तेरी जिंदगी माँगी।

छोटी सी जिंदगी, हर बात मे खुश रहो
जो चेहनें पास न हो, उसकी आवाज में खुश रहो,
कोई रोता हो तुमसे, उसके इस अंदाज मे खुश रहो
जो लौट के नहीं आने वाले, उन लम्हों की याद में खुश रहो...
कल किसने देखा है, अपने आज मे खुश रहो...
खुशियों का अंतजार किसलिए, दूसरों की मुस्कान मे खुश रहो...
क्यो तड़पते हो हर पल, किसी के साथ के लिए,
कभी तो अपने आप मे खुश रहो...
छोटी-सी जिंदगी है हर बात मे खुश रहो।

अजन्मी बेटी का अपनो के नाम पैगाम

अनुराधा गौतम
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1191

नन्ही-सी, प्यारी-सी एक जान थी,
अपने-परायों से अनजान थी,
जन्म अभी मेरा होना था,
बसेरा मेरी माँ के अंग का एक कोना था
खुशियों की लहर छाई थी घर में
प्यार उमड़ रहा था मम्मी-पापा के दिल में,
दादा-दादी फूले नहीं समा रहे थे,
गीत खुशी के सभी गा रहे थे,
आखिर एक दिन ऐसा भी आया
डॉक्टर ने जब यह समाचार सुनाया,
यह तो लड़की है, यह तो लड़की है।।
आसमान टूट पड़ा, बिजली कड़क उठी
धरती जैसे फट गई
खुशियाँ दो जालिम हाथों के नीचे दब कर रह गई।
मां-बाप की बेरहमी-समाज के दस्तूर ने
मुझे मार डाला, मुझे मार डाला
भला क्या था मेरा कसूर?
भला क्या था मेरा कसूर?

ढूँढते रह जाएँगे

सुनीता
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2175

21वीं सदी में हम कुछ चीज़ों को ढूँढते रह जाएँगे
आँखों में पानी, दादी की कहानी,
नल में जल, प्यार के दो पल,
तराजू में बट्टा, लड़कियों का दुपट्टा,
परोपकारी बंदे, अर्थी को कंधे,
ऐसे बाप जो समझाए, ऐसा बेटा जो समझ जाए,
संस्कृति का सम्मान और दिलों में ममता का स्थान,
ढूँढते रह जाएंगे।

बोध कथा

निशा
बी०ए० द्वितीय वर्ष
रोल नं. 1120

एक राजा था, जिसका नाम राजा वीर विक्रमजीत था। एक दिन राजा के मन मे आया कि मै किन कारणों से राजा बना हूँ। राजा अपने वजीर से पूछते हैं कि मै किन कारणों से राजा बना हूँ। राजा ने वजीर से कहा कि अगर तुमने कल सुबह तक मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया, तो मैं तुम्हारे पूरे परिवार को मौत की सजा दे दूँगा। वजीर परेशान हो जाता है क्योंकि उसे नहीं पता होता कि राजा विक्रमजीत किन कारणों से राजा बना है। वजीर अपने घर चला जाता है। वजीर की लड़की खाना लेकर आती है। वजीर खाना नहीं खाता। लड़की अपने पिता को परेशान देखती है और परेशानी का कारण पूछती है। वजीर अपनी बेटी को बता देता है कि राजा ने उससे पूछा है कि मैं किन कारणों से राजा बना हूँ। मुझे इस प्रश्न का उत्तर नहीं पता। इसलिए राजा कल सुबह पूरे परिवार को मौत की सजा दे देगा। लड़की अपने पिता की पूरी बात सुनती है और कहती है कि पिता जी आप भोजन कर लो। अगर सुबह राजा आपसे पूछे, तो कह देना कि इस प्रश्न का उत्तर तो मेरी बेटी भी दे सकती है। सुबह वजीर राजा के पास जाता है, तो राजा वजीर से अपने प्रश्न का उत्तर पूछता है। वजीर वैसा ही कहता है जैसा उसकी लड़की ने उससे कहने के लिए कहा था। राजा ने वजीर की लड़की को दरबार में बुलाया। लड़की दरबार में आ जाती है। राजा उसे बैठने के लिए कहता है और वह बैठ जाती है। राजा लड़की से पूछता है कि बताओ मैं किन कारणों से राजा बना। लड़की कहती है कि महाराज अगर आप दरबार में आते ही मुझसे ये प्रश्न पूछते, तो मैं इसका उत्तर आपको बता देती, मगर अब नहीं बता सकती। अब आपको राज्य से दो मील की दूरी पर एक व्यक्ति मिलेगा, जो खाख (राख) को पानी में घोल कर पी रहा होगा। वो आपके प्रश्न का उत्तर देगा। राजा को प्रश्न का उत्तर चाहिए था। इसलिए राजा उस व्यक्ति के पास चला गया। व्यक्ति राजा को देखते ही कहता है आ भाई राजा वीर विक्रमजीत और पूछता है कि कुछ काम आए हो क्या? राजा शुरू में तो मना कर देता है। फिर थोड़ी देर बाद राजा अपने प्रश्न का उत्तर पूछता है। व्यक्ति राजा से कहता है कि अगर आप आते ही मुझसे अपना प्रश्न पूछते, तो मैं उसका उत्तर बता देता। लेकिन अब आपको यहाँ से दो मील की दूरी पर एक और व्यक्ति मिलेगा, जो धूने में से आग निकालकर खा रहा होगा, वो आपके प्रश्न का उत्तर देगा। राजा अपने प्रश्न का उत्तर जानने के लिए दूसरे व्यक्ति के पास चला जाता है। पहले व्यक्ति की तरह, दूसरे व्यक्ति ने भी राजा का स्वागत किया और पूछा कि कुछ काम आए थे। राजा शुरू में तो मना कर देता है लेकिन बाद में अपने प्रश्न का उत्तर पूछता है। दूसरा व्यक्ति भी मना कर देता है और कहता है कि अगर आते ही प्रश्न पूछते, तो मै इसका उत्तर देता। मगर अब आपको यहाँ से दो मील की दूरी पर एक गाँव मिलेगा। वहाँ पर एक ब्राह्मण परिवार में एक लड़का पैदा होगा, जो जन्म लेते ही मर जाएगा। आप वहाँ चले जाओ, वो बच्चा आपके प्रश्न का उत्तर देगा। दूसरा व्यक्ति कहता है कि आप उससे पहले ही अपने प्रश्न का उत्तर पूछ लेना, क्योंकि वो कुछ समय ही जीवित रहेगा और उसके बाद वह मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा। राजा उस नगर में चला जाता है जहाँ बच्चा तभी पैदा हुआ था। राजा बच्चे को अपने पास मँगवा लेता है और उससे अपने प्रश्न का उत्तर पूछता है। तब बच्चा बताता है कि हम चार भाई थे और हम काशी से शिक्षा प्राप्त करके घर लौट रहे थे। आते-आते रास्ते में रात हो गई और सुबह से पैदल चल कर आ रहे थे । इसलिए थक भी गए थे और भूख भी जोर से लगी हुई थी। तभी एक लड़की पास के गाँव से काम करके लौट रही थी। उसके पास कुछ रोटी थी। हमने उस लड़की से रोटी माँगी। उसने रोटी देने से मना कर दिया और लड़की ने कहा कि मैं तुम्हारे लिए गाँव से चून ले आती हूँ तुम अपनी रोटी बनाकर खा लेना। लड़की चून ले आती है और उन्हें देकर चली जाती है। फिर हम चारों भाइयों ने रोटी बनाई और आपस में बाँटकर खाने ही वाले थे कि तभी एक भूखा व्यक्ति वहाँ पर आ गया और हमसे रोटी माँगी। आप चारों भाइयों में बड़े थे। इसलिए आपने कहा कि हम अपनी-अपनी रोटियों में से

दो-दो इसे भी दे देते हैं। तीनों भाइयों ने रोटी देने से मना कर दिया। मैंने कहा था कि मैं के मरूँ, इसलिए मैं बार-बार जन्म लेता हूँ और मर जाता हूँ। मुझसे बड़े ने कहा था कि मैं के आग खाऊँ, वो आग ही खा रहा है। और तीसरे ने कहा था कि मैं के खाख (राख) खाऊँ, वो राख ही खा रहा है। हम तीनों भाइयों ने रोटी देने से मना कर दिया था, जिसके कारण हम तीनों ने जैसा किया, वैसा ही भोग रहे हैं लेकिन तुमने अपनी चारों रोटी उस भूखे व्यक्ति को दे दी। और उस रात आप भूखे ही सो गए थे जिसके कारण आप इस जन्म में राजा वीर विक्रमजीत बने हो और जिस लड़की ने हमें आटा लाकर दिया था वो वजीर के घर में पैदा हो गई। इतना कहकर वो लड़का मृत्यु को प्राप्त हो जाता है और अंत में राजा को अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाता है।

शिक्षा- जो जैसा कर्म करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है।

मेरा कॉलेज

प्रवेश ढुल
बी०एस०सी०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2707

हिन्दू कॉलेज मेरा, है यह ज्ञान की खान,
चमक रहा चारों ओर, बन कर विद्या की आन।

हर क्षेत्र में बनाया है इसने स्थान,
इसलिए है इसकी अनोखी शान।
हमारे कॉलेज ने पाए हैं कई पुरस्कार,
जो हैं इसकी मेहनत के उपहार।

हमारा कॉलेज बन गया है, एक सुन्दर बगीचा,
जिसे प्रिंसीपल महोदया, प्राध्यापक-गण और
विद्यार्थियों ने है सींचा।

हमारा कॉलेज देता है जरूरतमंदों को सहारा,
चमका देता है उनकी किस्मत का सितारा।
हर मुश्किल काम के लिए है तैयार,
तभी तो होती है इसकी जय जयकार।

हमारा कॉलेज सबसे न्यारा, लगता है सबको प्यारा,
दिखाएँगे दुनिया को कितना है अच्छा कॉलेज हमारा।

यहाँ के टीचर करते हैं बच्चों से प्यार,
तभी यहाँ विद्यार्थी पढ़ते ढ़ाई हज़ार
है 'प्रवेश' की प्रार्थना, कॉलेज की होती रहे सराहना,
हमें कॉलेज में रहकर कुछ बनकर है दिखलाना।

गौ माता की कहानी

सुनीता
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1187

ऐ हिन्द देश के लोगों ! सुन लो मेरी दर्द कहानी,
क्यों दया-धर्म बिसराया, क्यों हुई दुनिया वीरानी।
जब सबको दूध पिलाया मैं गऊ माता कहलाई,
क्या है अपराध हमारा जो काटे आज कसाई।

बस भीख प्राण की दे दो मैं द्वार तिहारे आई,
मैं सबसे निर्बल प्राणी मत करो आज मनमानी ।
जब क्षण मौत का आया मैं हाय-हाय चिल्लाती,
कोई साथ न देता मेरा यहाँ सबकी करी पहचानी!

उस समदर्शी ईश्वर ने क्यों हमको मूक बनाया,
न हाथ दिए लड़ने को, हिंदू भी हुआ पराया।
कोई मोहन बन जाओ रे, जिसने मोहे कंठ लगाया,
माँ बन दूध पिलाऊँ रे, फर्ज माँ का निभाऊँ रे।

मैं माँ बन सबको दूध पिलाती, तुम माँ के माँस को खाते,
क्यों जननी के चमड़े से पैसे आज कमाते!
मेरे बछड़े अन्न उपजाते, पर तुम दया न ला पाते।
गौ सेवा कर पुण्य कमा लो, गऊ हत्या बंद करो,
रहने दो वंश निशानी रे।

हे हिन्द देश के लोगों! सुन लो मेरी दर्द कहानी,
क्यों दया धर्म बिसराया, क्यों हुई दुनिया वीरानी!

अनमोल वचन

प्रवेश डुल्ट
बी०एस०सी०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2707

1. गुरू की डाँट पिता के प्यार से अच्छी है।
2. विद्यार्थी की सच्ची सुंदरता उसके गुणों और योग्यता में है, न कि बाहरी फैशन में।
3. सच्चा मनुष्य वही है जो बुराई का बदला भलाई से दे।
4. सत्य की सुन्दरता मीठे वचनों से है।
5. शिक्षा के बिना मानव पशु के समान है।
6. मनुष्य का महत्व उसके कपड़ों से नहीं, अपितु उसके आचरण से है।
7. सम्पन्नता से मित्रता बढ़ती है, विपदा उसकी परख करती है।
8. अंधा वह नहीं जिसकी आँखें नहीं, अंधा वह है जो अपने दोषों को ढँकता है।
9. दूसरों के सुख के लिए अपने सुख का त्याग करना सच्ची सेवा है।
10. आलसी ही किस्मत पर भरोसा करते हैं।
11. मनुष्य को बोलना कम चाहिए और सुनना अधिक चाहिए। इसलिए ईश्वर ने हमें एक जिह्वा और दो कान दिए हैं।
12. नम्रता से देवता भी मनुष्य के वश में हो जाते हैं।
13. मुस्कुराहट वह सुन्दर चाबी है जो हर दरवाजे का रास्ता खोल देती है।
14. समय और सागर की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती।
15. आत्मविश्वास में वह शक्ति है, जो हजारों विपत्तियों का सामना कर, उन पर विजय प्राप्त कर सकती है।

एक दिन दरवाजा खोलेगी बेटी

निशा
बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 1120

अपनी शादी से पहले दिन पति और पत्नी के बीच शर्त रखी जाती है कि किसी के लिए भी दरवाजा नहीं खोला जाएगा। उसी दिन उस लड़के के माता पिता आए और अन्दर जाने के लिए दरवाजा खटखटाया। पति पत्नी एक-दूसरे की तरफ देखते हैं। पति अपने माता-पिता के लिए दरवाजा खोलना चाहता है, लेकिन उसे शर्त याद आ जाती है। वह दरवाजा नहीं खोलता है और उसके माता-पिता चले जाते हैं। कुछ समय के बाद उसी दिन लड़की के माता-पिता आते हैं और अन्दर जाने के लिए दरवाजा खटखटाते हैं। पति पत्नी फिर एक-दूसरे की तरफ देखते हैं और उस समय भी वो शर्त याद करते हैं।

पत्नी की आँखों में आँसू आ जाते हैं। वो अपने आँसू पोंछते हुए कहती है कि मैं अपने माता-पिता के लिए ऐसा नहीं कर सकती और दरवाजा खोल देती है। पति कुछ नहीं कहता है। कुछ समय के बाद उनके दो पुत्र जन्म लेते हैं। उसके बाद उनको तीसरा बच्चा होता है जो एक बेटी होती है। वह पति अपनी पुत्री के जन्म लेने के अवसर पर एक बहुत बड़ी और शानदार पार्टी का आयोजन करता है और अपने सभी दोस्तों ओर रिश्तेदारों को बुलाता है। उसकी पत्नी उससे पूछती है कि क्या कारण था, जो उसने बेटी के जन्म पर इतनी बड़ी पार्टी का आयोजन किया, जबकि इससे पहले दोनों बेटों के जन्म पर ऐसा कुछ नहीं किया। पति अपने साधारण से शब्दों में बड़े प्यार से उत्तर देता है। कि यही वो है जो एक दिन मेरे लिए दरवाजा खोलेगी। बेटियाँ बहुत स्पेशल होती हैं। आपकी बेटी भले ही आपके साथ कुछ समय के लिए ही रहे, लेकिन उसका दिल और प्यार जीवनभर अपने माता-पिता के लिए रहता है।

राजनेताओं की कहानी

पूजा
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1215

ऐ मेरे वतन के लोगों, ज़रा आँख में भर लो पानी,
जो शहीद हुए हैं उनकी ज़रा याद करो कुर्बानी।
ज़रा सुनो आज के राजनेताओं की कहानी,
ऐ मेरे वतन के लोगों, ज़रा...।।

विकास कार्य के पैसे खुद डकार जाते हैं
और जेब अपनों की भरते हैं, बैंक एकाऊंट दूसरों का चेक करवाते हैं।
ज़रा सुनो इनकी कहानी...।।
सरहद पर खाते शहीद गोलियां,
खुद ए.सी. के कमरों में आराम फरमाते हैं।
जनता खाती धक्के सड़कों पर,
खुद आरामदायक ए.सी. कारों में सैर पर जाते हैं।
ज़रा आगे सुनो...।।

स्वतंत्रता दिवस पर फहराते हैं झंडा,
लाठियाँ खूब जनता पर फिर बरसाते हैं और
चुनाव के समय लौट कर जनता के जख्मों पर मरहम लगाते हैं।
ज़रा आगे सुनें इनकी महान कहानी।

बेईमानी की मिसाल खुद बने,
सी.बी.आई. के हाथ बाँधकर जाँच विपक्ष की करवाते हैं।
उठते हैं जो हाथ जनता की आवाज़ बनकर,
उस आवाज़ को हमेशा के लिए मिटा देते हैं।
ज़रा आगे सुनो...।।

सरहद पर खड़े सिपाही झेलें गोली,
दुश्मन सिर काट शहीदों के साथ ले जाते हैं और
नेता देश के बातचीत में काम चलाते हैं।
ज़रा सुनें...।।

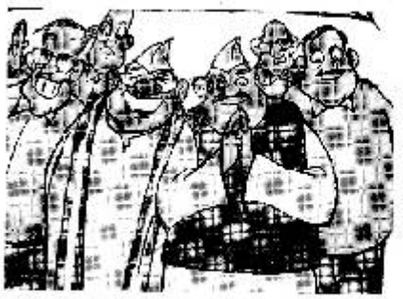

सड़ता है अनाज गोदामों में, भंडार करके अनाज का महँगाई खुद बढ़ाते हैं,
कसूर गरीब किसानों का बताते हैं
महँगाई और बढ़ जाती है कर्ज़ के कारण आत्महत्या किसान करते हैं,
नेता झूठे आँसू बहाकर अपना काम कर जाते हैं।
ऐ मेरे वतन के लोगों ! ज़रा आँख में भर लो पानी,
जो शहीद हुए हैं उनकी, ज़रा याद करो कुर्बानी।

वक्त

सुनीता
बी॰एससी॰ तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2175

सब कुछ है लोगों के दामन में,
पर हँसी के लिए वक्त नहीं।
दिन-रात भागते फिरते,
पर जीने के लिए वक्त नहीं।
माँ की लोरी का अहसास है,
पर माँ को माँ कहने का वक्त नहीं।
सब रिश्ते हम मार चुके,
पर दफनाने के लिए वक्त नहीं।
सब के नाम मोबाइल पर
दोस्ती के लिए वक्त नहीं।
गैरों की क्या बात करें,
अपनों के लिए वक्त नहीं।
आँखों में है नींद भरी,
पर सोने के लिए वक्त नहीं।
दिल गमों से भरा है,
पर रोने के लिए वक्त नहीं।
पैसों के पीछे ऐसे भागे,
पर रुकने के लिए वक्त नहीं।
परायों की क्या बात करें,
अपनों को ही वक्त नहीं।

हास्य शायरी

सुमित यादव
बी॰ए॰-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1319

तुझ से प्यार करके मेरी किस्मत जाग गई।
मैंने तुझे इतने लैटर पोस्ट किए।
तू डाकिये के साथ भाग गई।।
तेरी गली के चक्कर लगाते-लगाते,
कुत्तों के यार हो गए,
तेरे तो कुछ न बन पाए,
मगर कुत्तों के सरदार हो गए।।
अब तो बदल गया जमाना,
नहीं नहाए तो क्या शर्माना।
आपके पास है रेडिमेड बहाना,
दो टब पानी रोजाना है बचाना।।
कॉलेज की गलियों में जब कोई खेल होता है,
क्लास के बहाने दिलों का मेल होता है।
नोट्स की जगह लव मेल होता,
इसलिए तो तू हर साल फेल होता।।

विरोधाभासी तथ्य

मनीषा
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2762

1. हमारी राष्ट्रीय भाषा हिंदी है, परंतु फिर भी हम अंग्रेज़ी बोलने में गर्व महसूस करते हैं न कि हिंदी बोलने में।
2. आर्य का अर्थ होता है- श्रेष्ठ। किंतु आज हमें बताया जाता है कि आर्य लोग माँस खाते थे और यज्ञ-हवन में बलि देते थे। इतने श्रेष्ठ और उत्तम लोग ऐसा कार्य कभी नहीं कर सकते थे।
3. राष्ट्रीय गान (वास्तव में जो अंग्रेज़ों की प्रशंसा में बना है) को जितना सम्मान देते हैं, उतना राष्ट्रीय गीत को क्यों नहीं देते।
4. यदि पौराणिक समाज भी पुरुष प्रधान होता, तो सीता जैसी स्त्रियों का स्वयंवर कैसे संभव होता?
5. आज संसार में भारत के अलावा कोई ऐसा देश नहीं है, जिसका हिंदी व अंग्रेज़ी में अलग-अलग नाम है।
6. आज हम गर्व से कहते हैं, 'जो जीता, वही सिकंदर'। किंतु उस सिकंदर को तो हमारे महान देशभक्त सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने हराया था।

याद रखने योग्य बातें

सोनिया रुहिल
बी०एस०सी०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1253

1.	तीन चीज़े मनुष्य को एक बार मिलती हैं	►	माता-पिता, जीवन, सौंदर्य
2.	तीन चीज़ें कभी छोटी नहीं होती हैं	►	दुश्मन, फर्ज, बीमारी
3.	तीन चीज़ें सच्ची मित्र हैं	►	वृद्धा पत्नी, साहस, पास का धन
4.	मनुष्य के तीन अच्छे गुण हैं	►	आशा, विश्वास, दान देना।
5.	तीन चीज़ें हमेशा याद रखो	►	सच्चाई, मौत, फर्ज
6.	तीन चीज़ें किसी का इंतज़ार नहीं करतीं	►	ग्राहक, मृत्यु, समय
7.	तीन चीज़ें मनुष्य को उद्देश्य से दूर ले जाती हैं	►	लालच, गुस्सा, बदचलनी
8.	तीन चीज़ें निकल कर वापिस नहीं आती हैं	►	बात जुबान से, तीर कमान से, प्राण शरीर से
9.	तीन चीज़ें मनुष्य में वास करती हैं	►	मनुष्यता, दिव्यता, पशुता

पक्षी अपने पाँव के कारण जाल में फंसते हैं।
लेकिन मनुष्य अपनी जुबान के कारण फँसता है।।

1) हर तरफ पढ़ाई का साया है।
हर पेपर में जीरो आया है।
हम तो यूँ ही चले जाते पेपर में
बिना मुहँ धोए एग्जाम देने के लिए
और लोग कहते हैं कि नालायक
रात भर पढ़ कर आया है।

2) किसी को दु:ख देकर,
मुझसे अपने सुख की इच्छा मत करना।
लेकिन अगर किसी को एक पल का भी सुख दिया,
तो अपने दु:ख की चिन्ता मत करना।

जीवन के पाँच नकारात्मक तथ्य

उपासना
बी०ए० प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-110

तथ्य - 1. मैं नहीं कर सकता।
उपाय- अपनी क्षमता को पहचान कर तथा आत्मविश्वास को जगाकर कार्य करें।

तथ्य - 2 मैं अकेला क्या कर सकता हूँ?
उपाय - पहल अकेला ही करता है। साथी जुड़ेंगे जरूर। दशरथ मांझी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

तथ्य - 3 इसमें मेरा क्या लाभ?
उपाय - मैं भी समाज का हिस्सा हूँ। समाज का भला मेरा भला है।

तथ्य - 4 दूसरे तो नहीं कर रहे।
उपाय - स्वयं के प्रति जवाबदेह बनें। क्या आपने अपना फर्ज पूरा किया?

तथ्य 5 आज नहीं कल देखेंगे।
उपाय - कल कैसा होगा? हम अनजान हैं। हो सकता है कल की परिस्थितियाँ हमारे वश में न हों। आज हम सक्षम हैं। इसे आज ही करें।

माँ

सोनिया रूहिल
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1253

तलाशो तो हीरा मिलता है,
मगर माँ का प्यार नहीं।
माँ खुदा का तोहफा है,
इसके लगते बाज़ार नहीं।
खून पिलाकर पाला जिसने,
क्या उसके अरमान नहीं?
सारे मंत्री पीछे हैं सब कुछ
इनसे लगती पार नहीं
माँ का कर्ज़ चुकाना पहले
इससे बढ़कर मार नहीं।
तलाशो तो हीरा मिलता है,
मगर माँ का प्यार नहीं।
अपना जीवन देकर पाला,
ऐसी पालनहार नहीं।
क्या कहूँ इसके बारे में,
इसका कोई विस्तार नहीं।
तलाशो तो हीरा मिलता है,
मगर माँ का प्यार नहीं।।

माँ भूखी रहती है, हमें खाना खिलाने के लिए।
मेहनत मज़दूरी करती है, हमें पढ़ाने के लिए।
खुद सादगी में रहती है, हमें अच्छा पहनाने के लिए।
लाल-पीली होती है माँ, हमें अच्छी राह दिखाने के लिए।

हिन्दी

मनीषा
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1175

हिन्दी हिन्द की भाषा है,
सब मिलकर हिन्दी अपनाएँ,
यह हमारी अभिलाषा है।
आजकल सब बच्चों को,
अंग्रेजी में शिक्षा दिलाते हैं।
हिन्दी में वो बात करने से,
कुछ अधिक कतराते हैं।
बोले शब्द अंग्रेजी के,
लाट साहब कहलाते हैं।
बात करे जो हिन्दी में,
गँवार उसे बतलाते हैं।
आज हम कसम खाएं,
हिन्दी का हम मान बढ़ाएं।
दूसरे की माँ को अपना मानें,
क्या अपनी माँ सह पाएगी।
कुछ हिन्दी प्रेमियों के कारण,
राह अभी तक जिन्दा है।

बेटियाँ

सुनीता
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1187

1. मैं अतीत हूँ, वर्तमान हूँ, भविष्य हूँ
पाप नहीं हूँ, अभिशाप नहीं हूँ
संताप नहीं हूँ, धरती हूँ
आकाश हूँ, नदी हूँ, चाँद हूँ, सूरज हूँ
मैं सृष्टि हूँ, तुम्हारी संवेदना हूँ
मुझे बचाओ।
2. घर की पहचान हैं बेटियाँ
रिश्तों की जबान हैं बेटियाँ
ये तो किताब हैं हर सच्चाई की
गीता और कुरान हैं बेटियाँ

साथ सब ना चल सकेंगे

शिल्पा
बी०एससी० तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2828

साथ सब ना चल सकेंगे, ये तो हम भी जानते हैं
लोग रास्ते में रूकेंगे, ये तो हम भी मानते हैं।
दूसरों के आँसू अपनी आँखों से जो भी बहाये
वो हमारे साथ आए, भीड़ चाहे लौट जाए।

दूसरों को जानते हैं, खुद को पहचाना नहीं है
बात है छोटी पर सबने इसे माना नहीं है।
बौने किरदारों को अकसर होता है कद का गुमां।
कद किसी का नापने का भी पैमाना नहीं है।
हम तो बस उस आदमी के साथ चलना चाहते हैं।
जो अकेले में कभी ना, आइने से मुँह चुराये
वो हमारे साथ आए भीड़ चाहे लौट जाए।

आवरण भाने लगे तो सादगी का अर्थ भूले,
अर्थ की चाहत में पल-पल जिन्दगी का अर्थ भूले।
छोटी खुशियाँ द्वार पर दस्तक तो लाई लेकिन,
हम बड़ी खुशियों में छोटी हर खुशी का अर्थ भूले
दूसरों की खुशी में जो ढूंढकर अपनी खुशी को
भोली-सी मुस्कान हरदम अपने होठों पर सजाए
वो हमारे साथ आए, भीड़ चाहे लौट जाए।

हर किसी को भ्रम है, साथ है दुनिया का मेला
पर हकीकत में सभी को होना है, इक दिन अकेला
ज़िन्दगी में मुस्कुराकर बस गले उसको लगाया
जिसने भी जिन्दादिली से जिन्दगी का खेल खेला
दुनिया में उसको सभी मौसम सुहाने लगते हैं,
हमारे साथ आए,
मौत की खिलती कली पर,
भँवरा बन जो गुनगुनाएं
वो हमारे साथ आए, भीड़ चाहे लौट जाए।

ग़ज़ल

सोनिया रूहिल
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1253

गम और खुशियों को साथ चलते देखा है।
अपनों को पल-भर में रंग बदलते देखा है।
देखने को बाकी कुछ न रहा जहां में
हमने सच-झूठ को संग चलते देखा है।
इन्सान तो फिर भी इन्सान है ए दोस्त!
हमने तो खुदा को भी मचलते देखा है।
गर्व बड़ा करते थे जिन पर
उसी हकीकत को सपना बनते देखा है।
गरीब तो फिर भी गरीब है ए दोस्त!
हमने तो अमीरों को भी मिट्टी में मिलते देखा है।
कविता तो फिर भी कविता है ए दोस्त!
हमने तो ग़ज़लों को भी अखबारों में छपते देखा है।

अगर रास्ता खूबसूरत है। तो पता कीजिए कि वह रास्ता किस मंजिल तक जाता है? लेकिन अगर मंजिल खूबसूरत है, तो रास्ते की परवाह मत कीजिए।

सवाल

सोनिया रूहिल
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1253

1. क्यों अल्ट्रासाऊंड की रिपोर्ट आते ही
   जन्म से पहले ही मार दी जाती हैं लड़कियाँ?
2. क्यों कोख में जन्म लेते ही
   दिल का बोझ बन जाती हैं लड़कियाँ?
3. क्यों समाज खामोश है
   जब इस कदर खत्म हो रही हैं लड़कियाँ?
4. दोस्तो, कहीं ऐसा ना हो कि इन हालातों में कहीं
   जुबानों पर ही ना रहें लड़कियाँ?
5. आने वाले पूछें कि कोई तो बताओ
   कैसी होती हैं लड़कियाँ?

मत सता लड़की को तुझे पाप पड़ेगा।
अरे एक दिन तू भी तो लड़की का बाप बनेगा॥

गणितीय विवाह

अन्नू
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2702

प्रिय ट्रिगनोमैट्री,

मधुर स्मृति!

बहुत जोड़-घटा करने के पश्चात् मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि यदि मेरे बेटे जीरो के साथ Infinity की शादी हो जाए, तो कितना अच्छा रहे, क्योंकि Mr. Zero और Miss. Infinity दोनों का युगों का साथ है और आपको भी मालूम है कि दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। इसका प्रमाण है-

1. Any digit/Infinity = Zero
2. Any digit/Zero = Infinity

वैसे दोनों में कुछ बुराइयां भी हैं, मेरा पुत्र विद्यार्थियों का शत्रु है और विद्यार्थी उसे अंडा कहकर पुकारते हैं। जब किसी उच्च पद को जीरो के साथ गुणा किया जाता है, तो जीत हमेशा Zero की ही होती है। यह सभी संख्याओं को खा जाता है और अकेले ही राज्य करता है। दूसरी तरफ, तुम्हारी पुत्री Miss. Infinity भी कोई ब्यूटी क्वीन तो है नहीं। चाल-ढाल भी अलग है। जब चलना प्रारंभ करती है, तो तारों से आगे चलने के बाद भी उसका अंत नहीं होता। बड़ी जिद्दी भी है क्योंकि कई बार उसे चेक करने का प्रयत्न किया गया है किन्तु सफलता किसी को नहीं मिलती। वह अपने मन की रानी है।

दोनों की उपरोक्त विशेषताओं को देखते हुए मैंने सोचा कि यह जोड़ा अद्वितीय होगा। तुम शीघ्र अपने पति Mr. Formula और उसके भाई Mr. Logarithm से सहमति लेकर मुझे सूचित करो, ताकि शादी की तारीख परीक्षक नामक पंडित से पूछकर निश्चित की जा सके और University के दफ्तर में रजिस्टर कराई जा सके, जिससे प्रमाण पत्र में आसानी हो। अपनी पुत्रियों Miss. Infinity, Miss Solid Geometry और Miss Co-ordinate Geometry को मेरी तरफ से तथा मेरी पत्नी Statistics की तरफ से मधुर प्यार कहना। Mr. Arithmetic और Mr. Graph को मेरा नमस्कार कहना।

पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में-

Mr. Algebra
Calculation Colony, 90° Angle Crossing,
Dynamic Street, Mathematics

स्वागत करने के तरीके

रीतू वशिष्ठ
बी०एस०सी०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2738

1. तिब्बत - तिब्बत के लोग जीभ निकाल कर एक-दूसरे का स्वागत करते हैं।
2. जापान - जापान के निवासी मिलते समय अपने जूते खोल देते हैं।
3. इंग्लैंड - इंग्लैंड के निवासी एक दूसरे का स्वागत हाथ मिलाकर करते हैं।
4. अरब - अरब के लोग मिलते समय एक-दूसरे के पाँव चूमते हैं।
5. नाइजीरिया - नाइजीरिया के निवासी एक-दूसरे का स्वागत मुक्का दिखाकर करते हैं।
6. न्यूजीलैण्ड - न्यूजीलैण्ड के लोग मिलते समय एक-दूसरे की नाक से नाक रगड़ते हैं।
7. दक्षिण द्वीप - दक्षिण द्वीप के निवासी सिर पर पानी डालकर एक-दूसरे का स्वागत करते हैं।
8. भारत - सबसे अनोखा ढंग भारत का है जहाँ हाथ जोड़कर एक-दूसरे का स्वागत करते हैं।

घरेलू स्वास्थ्यवर्धक नुस्खे

उपासना
बी०ए० प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-110

1. जिगर के बल पे इंसान है जीता,
   कमजोर है जिगर तो खा ले पपीता।
2. जो दुखता है गला दर्द के मारे,
   तो नमकीन पानी के कर ले गरारे।
3. थकावट से है अगर अंग ढीले,
   तो गर्मागर्म दूध तू पी ले।
4. अगर खून है कम बलगम है ज्यादा,
   तो खाया कर चुकुंदर, शलगम, गाजर ज्यादा।
5. दिल की कमजोरी का है अगर अहसास,
   खाया कर सेब, आँवला और अनानास।
6. दाँतों के दर्द से है अगर व्याकुल,
   नमक, सरसों का तेल मिलाकर मल।
7. दिमाग में नहीं चाहिए कोई खोट,
   तो सुबह उठकर खाया कर बादाम व अखरोट।
8. सौ साल तक चाहता है अगर करना दौड़,
   हरि व हरड़ को कभी न छोड़।

तथ्य

दीक्षा
बी०ए० प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-170

1. गुस्से में आदमी बेकार की बात तो करता है, परंतु कई बार दिल की बात भी कह जाता है।
2. ना कर फिक्र कि जमाना सोचेगा क्या, जमाने को अपनी ही फिक्र से फुरसत कहाँ।
3. इंसान जिंदगी में गलतियाँ करके उतना दुःखी नहीं होता, जितना कि वह बार-बार उन गलतियों के बारे में सोच कर होता है।

पहेलियाँ

प्रियंका
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1152

1. बूझो बच्चो एक पहेली,
   ये है हम सब की सहेली,
   व्याकरण में पहले आती
   सबका नाम ये कहलाती,
2. संज्ञा बार-बार जब ये आए,
   वाक्यों को नीरस ये बनाए,
   उसे हटा मैं वाक्य में आता,
   बोलो बच्चों! क्या कहलाता,
3. ये है लाल वो है काला,
   ये मीठा वो है रस वाला,
   भाँति-भाँति के गुण बताता,
   बोलो बच्चो! क्या कहलाता,
4. काम करो भई काम करो,
   लाती हूँ मैं ये पैगाम,
   सबकी हलचल देखूँ मैं,
   बूझो तो अब मेरा नाम?
5. सीधा अर्थ न मुझको आता,
   उल्टा काम ही मुझको भाता,
   उलट फेर ही मेरा काम,
   बूझो तो सब मेरा नाम,
6. चंदा एक तारे अनेक,
   फूल एक भँवरे अनेक,
   एक अनेक का ज्ञान कराऊँ,
   बोलो तो मैं क्या कहलाऊँ,
7. एक जानवर ऐसा जिसकी दुम में पैसा
   सर पे उसके ताज है, बादशाह के जैसा
   बादल देखे छम-छम नाचे अलबेला मस्ताना।

उत्तर- 1. संज्ञा, 2. विशेषण, 3. विलोम, 4. सर्वनाम, 5. क्रिया, 6. वचन, 7. मोर

तथ्य

एकता
बी०ए० प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक–134

1. मानव के शरीर में 0.2 मिलीग्राम सोने का अंग पाया जाता है, जो बॉडी को माइंड के सिग्नल देने में मदद करता है।
2. पृथ्वी पर 11 करोड़ 70 लाख से ज्यादा झीलें हैं।
3. यूएस डॉलर कॉटन और लिनेन फैब्रिक को मिलाकर तैयार किए जाते हैं।
4. नेपाल विश्व का एक मात्र हिंदू राष्ट्र है।
5. 'हाइड्रोजन' शब्द ग्रीक भाषा के दो शब्दों से लिया है जिसका अर्थ है पानी निर्माता।
6. दिल के बंद होने पर छह मिनट के बाद भी दिमाग जीवित रह सकता है क्योंकि तब तक उसे रक्त का प्रवाह मिलता रहता है।
7. एक व्यक्ति अपनी पूरी जिंदगी में साँसों के जरिये करीब 21 किलो धूल खा जाता है।
8. इरेजर (रबड़) के आविष्कार से पहले पेंसिल की लिखावट को मिटाने के लिए ब्रेड का इस्तेमाल किया जाता था।
9. प्रशान्त महासागर का नामकरण स्पेन निवासी मैगलन ने किया था।
10. दुनिया की कुल जनसंख्या से ज्यादा बैक्टीरिया हमारे मुँह में पाए जाते हैं।
11. शाम की तुलना में, सुबह मनुष्य की लंबाई 1 सेंटीमीटर ज्यादा होती है। रात में सोते वक्त रीढ़ की हड्डी के बीच तरल पदार्थ फैल जाता है, जिससे लंबाई बढ़ जाती है। दिनभर चलने-फिरने से इस पर दबाव पड़ता है और यह सिकुड़ जाता है।
12. राइट हैंडी लोग औसत या 9 साल ज्यादा जीते हैं बजाय लेफ्ट हैंडी लोगों के।

Student का महत्त्व

अनिशा
बी०ए०–द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक–2746

1. Student शब्द का पहला वर्ण है 'S' और 'S' से बनता है Social Worker. प्रत्येक विद्यार्थी का कर्त्तव्य है कि वह Social Worker हो। वह अपने समाज की भलाई के लिए अधिक-से-अधिक कार्य करे।
2. Student शब्द का दूसरा वर्ण है 'T' और 'T' से बनता है Truth विद्यार्थी में यह गुण होना अति आवश्यक है। उसे प्रत्येक कार्य सच्चाई के साथ करना चाहिए, तभी वह सच्चा विद्यार्थी कहलाएगा।
3. Student शब्द का तीसरा वर्ण है 'U' और 'U' से बनता है Understanding प्रत्येक विद्यार्थी के अन्दर समझदारी होनी चाहिए।
4. Student शब्द का चौथा वर्ण है 'D' और 'D' से बनता है Discipline, जिसका अर्थ है 'अनुशासन'। अनुशासन विद्यार्थी के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है, 'क्योंकि इससे दो संस्थाओं पर प्रभाव पड़ता हैं'। पहले तो उसके कुटुम्ब पर और दूसरे जिस संस्था में वह शिक्षा प्राप्त करता है।
5. Student शब्द का पांचवां वर्ण है 'E' और 'E' से बनता है Educated. प्रत्येक विद्यार्थी को योग्य होना चाहिए। विद्यार्थी का अर्थ है– विद्या ग्रहण करने वाला।
6. Student शब्द का छठा वर्ण है 'N' और 'N' से बनता है Natural. प्रत्येक विद्यार्थी को अपने साथियों के साथ निष्पक्ष रहना चाहिए।
7. Student शब्द का सातवां वर्ण है 'T' और 'T' से बनता है Try. प्रत्येक विद्यार्थी को सदैव प्रयत्नशील होना चाहिए।
अगर विद्यार्थी में ये सात गुण विद्यमान हैं, तो वह वास्तव में श्रेष्ठ विद्यार्थी होता है।

हरियाणवी स्पीकिंग कोर्स

मनीषा
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2762

Eyes	-	दीदे
Face	-	थोबड़ा
Finger	-	आंगली
Knee	-	गोड्डा
Hairs	-	लटूर
Nose	-	नाष्टी
Come here	-	उरैन आ
Go	-	लिकड़
Go there	-	भाज ले
Go in	-	बड़ ज्या
Get out	-	लिकड़ ज्या
Here	-	आड़ै
There	-	उड़ै
Smooth	-	मलाई बरगा
Let him go	-	जान दे साले नै
Let's go	-	चालै नै इब
Fast	-	सैड़-सैड़
Solved	-	निपट गे
Slapping	-	खींच कै रहपटा
Excuse me	-	सुनै है के
Bed	-	पिलंग
Gate	-	किवाड़
Raining	-	मींह
Sunlight	-	घाम
Very	-	निरा
Wife	-	घरआली
Who	-	कुण
I said	-	मखाँ

पति का सुपर रिप्लाई

मेरी नज़र में...

मनीषा
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2762

पत्नी मायके जाती है और मजे लेने के लिए पति को मैसेज भेजती है:-

''मेरी मोहब्बत को अपने दिल में ढूंढ लेना,
और हाँ, आटे को अच्छी तरह गूँथ लेना,
मिल जाए अगर प्यार तो खोना नहीं,
प्याज काटते वक्त बिल्कुल रोना नहीं।
मुझसे रूठ जाने का बहाना अच्छा है,
थोड़ी देर और पकाओ आलू अभी कच्चा है।
मिलकर फिर खुशियों को बाँटना है।
टमाटर जरा बारीक ही काटना है।
लोग हमारी मोहब्बत से जल न जाएँ,
चावल टाइम पे देख लेना कहीं गल न जाएँ।
कैसी लगी हमारी गजल बता देना,
नमक कम लगे तो और मिला लेना।''

पति का सुपर रिप्लाई-

''तुम्हारी यही अदा तो दिल को भा गई,
तुम्हारे जाते ही, पड़ोसन खाना पकाने आ गई।।''

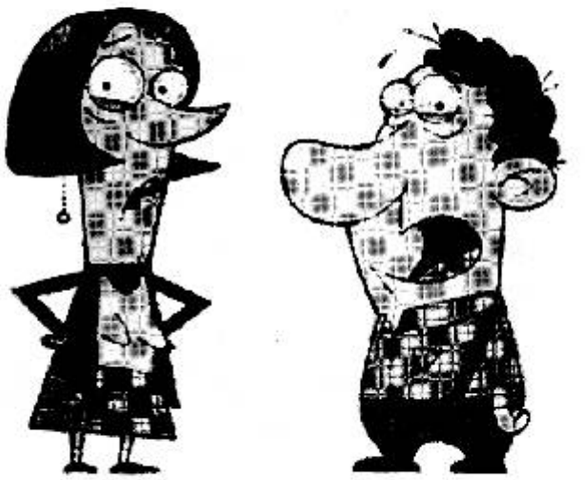

कटु सत्य

मेरी नज़र में...

मनीषा
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2762

एक तरफ तो हर चुनाव के दौरान पार्टियाँ जातिवाद को जड़ से खत्म करने का वादा करती हैं, वहीं दूसरी ओर सत्ता में आने पर आरक्षण का आधार जाति को बनाकर खुद जातिवाद को बढ़ावा देती हैं। जातिगत आरक्षण से देश की एकता को घुन-सा लग गया है। यह घुन अदृश्य रूप से राष्ट्रीय एकता को अंदर ही-अंदर खाए जा रहा है।

यदि सरकार राष्ट्रीय एकता को बनाए रखकर सामूहिक विकास चाहती है तो उन्हें जातिगत आरक्षण को समाप्त करके आर्थिक आधार पर आरक्षण देना चाहिए, ताकि उचित लोग आरक्षण का लाभ उठा सकें। दूसरा, आर्थिक आधार पर आरक्षण भी बच्चों को केवल पढ़ते वक्त देना चाहिए। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्हें अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी मिले। इस प्रकार के आरक्षण से हमें तीन लाभ होंगे।

1. सभी बच्चों में पढ़ने की ललक पैदा होगी और सर्व शिक्षा अभियान सफल होगा। नारी साक्षरता में भी उन्नति होगी।
2. जातिगत भेदभाव खत्म होगा और राष्ट्रीय एकता स्थापित होगी।
3. देश के युवा दूसरों पर निर्भर न रहकर अपने बलबूते पर जीवन जीना सीखेंगे। पढ़ाई के महत्व को भी लोग भलीभाँति समझेंगे।

गौमाता की पुकार

दीक्षा
बी०ए०-प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक 170

एक दर्द भरी चीत्कार, चली गर्दन पर कटार
दिल न दहला मानवता का देख गौमाता पर वार,
जाने क्या हो गया, आज के इस इंसान को,
अपनी क्रूर कटार से, धोखा दे रहा भगवान् को,
हर तरफ है रक्त रंजित, धरती पर सिसकारियाँ,
भारत माँ चीत्कार रही, इंसान की देख हैवानियां,
जिस देश में गौमाता को आदर से पूजा जाता था,
आज उसी भूमि पर उनको बेदर्दी से मारा जाता है,
न जाने इंसान में क्यों, इतनी दानवता भर गई,
पशुओं से तुलना क्या करे, सबकी मानवता मर गई,
'कन्हैया' कहते हैं जिसको माता अपनी,
आज वो ही कचरे को टिटोलती है भूख मिटाने को अपनी,
मूक बेकसूर पशुओं पर, कोई कटार चलाए ना,
सबको हक है जीने का, ये बात कोई भुलाए ना।

वतन का सौदा

कविता चहल
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1270

हर चीज़ का सौदा कर लेना, पर वतन का सौदा मत करना।
जुल्म कोई भी कर लेना, पर वतन से धोखा मत करना।।
इस धरती माँ की ही गोद में हमारा बचपन बीता है,
ये भूल मत जाना तू माँ के दूध के कारण जीता है।
कोई भी सौदा करना, पर इस दूध का सौदा मत करना,
हर चीज़ का सौदा कर लेना, पर वतन का सौदा मत करना।
धोखा करेगा इससे तो जीवन में धोखा खाएगा,
गद्दारी करके वतन से प्यारे मौत बुरी पाएगा।
यहाँ कब्रिस्तान न बिकाऊ है, कब्र का सौदा मत करना,
हर चीज़ का सौदा कर लेना, पर वतन का सौदा मत करना।।
नेहरू गांधी ने मिलकर इस देश की नींव रखी है
लाला लाजपतराय ने लाठियां खाकर भी इसकी लाज रखी है।
कोई बेशर्मी कर लेना, पर लाज का सौदा मत करना,
हर चीज़ का सौदा कर लेना, पर वतन का सौदा मत करना।।

भारत के बारे में सामान्य जानकारी

निशा लाठर
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1120

1.	भारत की राष्ट्रीय मिठाई	-	जलेबी
2.	भारत का राष्ट्रीय ध्वज गीत	-	हिंद देश का प्यारा झंडा
3.	भारत का राष्ट्रीय ध्वज	-	तिरंगा
4.	भारत का राष्ट्रीय वाक्य	-	सत्यमेव जयते
5.	भारत का राष्ट्रीय गीत	-	वन्दे मातरम्
6.	भारत का राष्ट्रीय चिह्न	-	अशोक स्तम्भ
7.	भारत की राष्ट्रीय मुद्रा	-	रुपया
8.	भारत का राष्ट्रीय फूल	-	कमल
9.	भारत की राष्ट्रीयता	-	भारतीयता
10.	भारत की राष्ट्र भाषा	-	हिंदी
11.	भारत की राष्ट्रीय लिपि	-	देवनागरी
12.	भारत का राष्ट्रीय नारा	-	श्रमेव जयते
13.	भारत की राष्ट्रीय विदेश नीति	-	गुट निरपेक्षता
14.	भारत का राष्ट्रीय पुरस्कार	-	भारत रत्न
15.	भारत का राष्ट्रीय गान	-	जन-गन-मन
16.	भारत का राष्ट्रीय सूचना पत्र	-	श्वेत पत्र
17.	भारत का राष्ट्रीय वृक्ष	-	बरगद
18.	भारत की राष्ट्रीय नदी	-	गंगा
19.	भारत का राष्ट्रीय पक्षी	-	मोर
20.	भारत का राष्ट्रीय पशु	-	बाघ
21.	भारत का राष्ट्रीय फल	-	आम
22.	भारत का राष्ट्रीय खेल	-	हॉकी
23.	भारत के राष्ट्रीय पर्व		26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस) और 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस)
24.	भारत की राष्ट्रीय योजना	-	पंच वर्षीय योजना
25.	भारत का राष्ट्रीय पंचांग	-	विक्रमी संवत

मीठी बोली

सोनिया
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1262

सबसे बोलो मीठी बोली,
कभी न बोलो कड़वे बोल।
आदर-मान मिलेगा सबसे,
बोलोगे यदि मीठे बोल!!

कड़वे बोल बोलकर कौवा,
कहीं न आदर पाता है।
जहाँ बोलता जहाँ बैठता,
दुत्कारा ही जाता है।।

लेकिन कोयल मधुर वाणी से,
सबका हृदय लुभाती है।
काली होने पर भी कोयल,
सबके मन को भाती है।।

इसीलिए जो कुछ भी बोलो,
मिश्री से मीठे हों बोल।
तन-मन को आनंदित कर दें,
जीवन में मधुरस दें घोल।।

मीठी वाणी बोल-बोलकर,
सबके मन में बस जाओ।
यही सफलता का रहस्य है,
उसे अवश्य तुम अपनाओ।।

पहेलियाँ

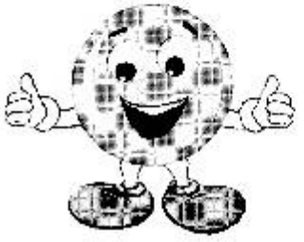

प्रियंका मेहरा
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1152

1. जान बेयर्ड ने मुझे बनाया, दुनिया ने मुझे अपनाया।
गीत, खेल व फिल्म दिखाऊँ, सबका मैं मन बहलाऊँ।।

2. एक नारी की चाल है झूठी, वे सर काटे रहे वह रूठी,
जब करे मुँह उसका काला, काम करे सबसे आला।।

3. खाते हैं इसको सब, लेकिन स्वाद न कोई बता सका।
लोग खिलाते भी हैं, लेकिन उसे न कोई चखा सका।।

4. बिन धोए सब खाते हैं, खाकर ही पछताते हैं।
बोलो ऐसी चीज है क्या, कहते समय शरमाते हैं।।

5. तीन रंग के सुन्दर पक्षी, नील गगन में भरे उड़ान।
यह हैं सबकी आँखों का तारा, हम सब करते इसका सम्मान।।

6. पत्थर पर पत्थर, पत्थर पर पैसा।
बिन पानी के घर बनावे, वह कारीगर कैसा।।

7. न कभी आता है, न कभी यह जाता है।
इसके भरोसे जो रहे, हमेशा पछताता है।

8. मुझे सुनाती सबकी नानी प्रथम कटे तो होती हानि।
बच्चे भूलते खाना, पानी, एक था राजा एक थी रानी।।

- उत्तरमाला -

1. टेलीविज़न, 2. कलम, 3. कसम, 4. धोखा, 5. तिरंगा झण्डा, 6. मकड़ी, 7. कल, 8. कहानी

जीवन मंत्र

निशा लाठर
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1120

'नल बंद करने से नल बंद होता है, पानी नहीं'
'घड़ी बंद करने से घड़ी बंद होती है, समय नहीं'
'दीपक बुझाने से दीपक बुझता है, रोशनी नहीं'
'झूठ छुपाने से झूठ छुपता है, सच नहीं'
'प्रेम करने से प्रेम मिलता है, नफरत नहीं'
'दान करने से रुपया जाता है, लक्ष्मी नहीं'
जन्म अपने हाथ में नहीं;
मरना अपने हाथ में नहीं;
पर जीवन को अपने तरीके से जीना अपने हाथ में होता है;
मस्ती करो मुस्कुराते रहो,
सबके दिलों में जगह बनाते रहो।
जिन्दगी में दो बातें हमेशा याद रखना-
जब गुस्सा आए, तब कोई "फैसला मत करना..."
और जब बहुत खुश हो, तब कोई वादा मत करना।

ज्ञान गंगा

रेनू दूहन
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 2212

☆ केवल वही व्यक्ति जीवित है, जिसके गुण जीवित हैं।
☆ महान व्यक्ति न किसी का अपमान करता है, न अपमान सहन करता है।
☆ जीवन की कला मुस्कुराना है।
☆ वही उन्नति कर सकता है जो स्वयं को उपदेश देता है।
☆ दुनिया में प्रसन्न रहने का एक ही तरीका है कि अपनी जरूरतों को कम कर दो।
☆ प्रसन्न रहना निरोगी रहने का प्राकृतिक तरीका है।
☆ दूसरों की कमजोरियाँ देखने से मनुष्य स्वयं कमजोर हो जाता है।
☆ जिंदगी का हर कदम सिखलाता है कि कितनी सावधानी की जरुरत है।

कॉलेज की यादें

अन्नू
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2702

सर्दियों की रात थी, रजाई भी साथ थी,
पढ़ने का दिल नहीं था, चाय मेरे हाथ थी।
कर दी किताब बन्द, पीने लगी चाय,
और अचानक लाइट ने भी कर दी बाय।
चलो, अच्छा हुआ कि लाइट चली गई
कुछ और सोचने की फुर्सत मिल गई।
लेट गई बिस्तर में रजाई ली डाल,
लेटे ही लेटे मेरे मन में आया एक ख्याल।
नौकरी मिलना मुश्किल है फिर क्यों हम पढ़ते हैं?
फिर आँखों पर मोटे-मोटे चश्मे चढ़ते हैं।
कॉलेज में जाते ही बैठ जाएँगे धूप में,
सातवें पीरियड तक बैठ-बैठकर मर जाते हैं भूख में।
चल दिए सहेलियों के साथ, खाने लगे भटूरे
तभी हो गई रिसैस बैल, भटूरे रह गए अधूरे
ले लेते हैं चिप्स, खाएँगे क्लास में
तभी हो जाती है छुट्टी, मन में बजती है खुशी की घंटी
सहेली के साथ चल दी घर, नाम था बन्टी
घर पहुंच गई थोड़ी देर में, हो गई उदास
क्योंकि बैठे-बैठे आने लगी, कॉलेज की याद।
ख्यालों में खोई हुई थी कि आ गई लाइट,
ट्यूब लाइट चस गई कमरा हो गया ब्राइट।
उठ कर लाइट बंद की और लगी सोने
फिर सोकर, किसी नए ख्याल में खोने।

आज के विद्यार्थी

सुमित यादव
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1319

आज के विद्यार्थी न पढ़ते हैं।
न पढ़ाए जाते हैं।
लक्ष्य का पता नहीं,
फिर भी कदम बढ़ाए जाते हैं।
लगाते हैं समय,
बालों और पोशाकों को सजाने में,
कहते हैं इसके सिवाय,
क्या है जमाने में,
सिर पर टोपी, आँखों पर चश्मा,
रूमाल हाथ में रखते हैं,
लूजर पैंट और लूजर शर्ट,
जोकर जैसे लगते हैं,
मत चल फैशन पर,
इसमें तुमने क्या पाया है?
बस तुमने अपना
कीमती समय गँवाया है,
बीता हुआ समय वापिस नहीं आएगा,
अब पढ़ ले, वरना बाद में पछताएगा,
इसमें तुमने क्या पाया है
बस तुमने अपना समय गँवाया है,

जीवन

सुमित यादव
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1319

जीवन एक गणित है,
जिसमें मित्रों को जोड़ो (+)
दुश्मनों को घटाओ (-)
सुखों को गुणा करो (×)
दुःखों का विभाजन करो (÷)
रिश्तों के कोष्ठक खोलो ( )
कठिनाइयों को शून्य करो (0)

माँ

सुमित यादव
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1319

किसी ने पूछा - माँ क्या है और कौन है?
समन्दर ने कहा - माँ एक ऐसी हस्ती है, जो औलाद के लाखों राज सीने में छुपा लेती है।
शायर ने कहा - माँ एक ऐसी गज़ल है, जो हर सुनने वाले के दिल में उतरती चली जाती है।
बादल ने कहा - माँ एक घनक है, जिसमें हर रंग नुभाया है।
साज ने कहा - माँ एक ऐसा गीत है जो हर एक को मुत्तास्सिर करता है।
माली ने कहा - माँ गुलशन का वो दिलकश फूल है जिसमें खूबसूरती और बढ़ती है।
औलाद ने कहा - माँ ममता की अनमोल दास्तान है, जो हर दिल पर लिखी रहती है।
खुदा ने कहा - माँ मेरी तरफ से कीमती और नायाब तोहफा है।

किसी शायर ने खूब कहा है

''माँ याद अगर आए, भरना न कभी आहें,
तुम माँ की निशानी को सीने में छुपा लेना,
दर्द मिलते रहें जहां में कितने भी तुम्हें
उस माँ को कभी तुम दर्द न देना।''

सुखी जीवन जीने के टिप्स

सुमित यादव
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1319

1. मनुष्य को क्रोध नहीं करना चाहिए, क्योंकि- 'क्रोध एक अग्नि है, जो दूसरों से पहले स्वयं को जला देती है।'
2. मनुष्य में त्याग की भावना होनी चाहिए, क्योंकि- ''जो मनुष्य त्याग करना जानता है, वह सभी बंधनों से मुक्त होता है, अन्यथा वह मोह-जाल में फंसा होता है।
3. मनुष्य को ईश्वर में विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि- ''विश्वास में विश्वास, अपने आप में विश्वास, ईश्वर में विश्वास, यही महानता का रहस्य है।''
4. मनुष्य को सदा दूसरों की सहायता करनी चाहिए, क्योंकि- ''जो मनुष्य संसार का जितना-जितना परोपकार करता है, वह उतना-उतना ईश्वर की व्यवस्था से सुखी होता है।
5. मनुष्य को इस संसार में सदा भले आदमी की भूमिका निभानी चाहिए और भले आदमी की यही पहचान है कि वह यह न जाने कि दूसरों को हानि कैसे पहुँचाई जाती है?
6. मनुष्य को किसी से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए, क्योंकि- ''आज का मनुष्य इतना अपने दु:ख से दु:खी नहीं है, जितना कि वह दूसरे मनुष्य को सुखी देखकर होता है।

इंसान बनाने का काढ़ा

रेनू दूहन
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2212

- यदि आप अच्छे इंसान बनना चाहते हैं तो निम्नलिखित काढ़े का निर्माण करके स्वयं प्रयोग करें।

'घटक तत्व'

• सच्चाई के पत्ते	1 ग्राम
• ईमानदारी की जड़	3 ग्राम
• परोपकार के बीज	5 ग्राम
• रहम दिल का छिलका	4 ग्राम
• दानशीलता का छिलका	4 ग्राम
• स्वदेश प्रेम का रस	3 ग्राम
• उदारता का रस	4 ग्राम

निर्माण विधि- उपरोक्त बताई गई सब चीज़ों को एक साथ मिलाकर परमात्मा के बर्तन में डालकर स्नेहभाव के चूल्हे पर रखकर प्रेम की अग्नि में पकाएँ। अच्छी तरह पक जाने पर नीचे उतारकर ठण्डा करें। फिर शुद्ध मन के कपड़े से छानकर मस्तिष्क की शीशी में भर लें।

सेवन विधि- इसको प्रतिदिन संतोष के गुलकंद के साथ इंसाफ के चम्मच में सुबह शाम दिन में तीन बार सेवन करें।

परहेज:- क्रोध की मिर्च, अहंकार का तेल, लोभ की मिठाई, स्वार्थ का घी, धोखे का पापड़- इन सबसे सावधान रहना है व दुराचरण की भावना से बचना है।

नोट- इसका निर्माण प्रत्येक मनुष्य के द्वारा संभव है।

18 भाषाओं में नया साल मुबारक

रेनू दूहन
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2212

1.	हिन्दी	-	नव वर्ष मंगलमय हो
2.	अंग्रेज़ी	-	हैप्पी न्यू ईयर
3.	उर्दू	-	नया साल मुबारक
4.	मराठी	-	नववर्ष सुखाचे जाओ
5.	तमिल	-	पुचुवर्ष वाझेम
6.	अरबी	-	मिलन आई दिन
7.	उड़िया	-	नूतन वर्ष सुखरे जोऊ
8.	गुजराती	-	नववर्ष सफल थाओ
9.	फ्रेंच	-	न्यू हेरो वाओ
10.	सिंधि	-	नया साल जी मुबारक
11.	संस्कृत	-	नूतन वर्ष सुखदो भव
12.	बंगला	-	सुखी नूतन वत्सर
13.	लेटिन	-	आउस अनुस तिवुस
14.	जर्मनी	-	ग्लूक सिंच न्यू जाहर
15.	रूसी	-	सलोविन गोदम
16.	नेपाली	-	न्हू ढावा भीतुना
17.	पंजाबी	-	नवें साल दी बधाइयाँ

जीवन के शाश्वत सत्य

अनिशा
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2746

1. कौन-सी तलवार सबसे तेज़ है? - क्रुद्ध वचनों की
2. कौन-सा विष सबसे घातक है? - लोभ रूपी विष
3. कौन-सी रात सबसे अंधियारी है? - अज्ञान की रात
4. सबसे श्रेष्ठ शास्त्र क्या है? - विवेक
5. सबसे मूल्यवान खजाना क्या है? - सद्गुणों का
6. सबसे सुन्दर क्या है? - परोपकार
7. सबसे बड़ा आनन्द किसमें है? मोक्ष में
8. सबसे भयानक रोग क्या है? - घृणा
9. मित्रता कौन तोड़ता है? - स्वार्थ व ईर्ष्या
10. रक्षा करने वाली ढाल कौन सी है? - धीरज रूपी ढाल

हँसगुल्ले

जयन्ती
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2142

1. लड़की बोली- मत कर मेरा पीछा एक दिन पछताएगा।
बाहर कॉलेज के तू छोले-भटूरे की दुकान लगाएगा।
लड़का- तू मत ठुकरा मेरे प्यार को, एक दिन पछताएगी।
उसी छोले-भटूरे की दुकान पर बर्तन मांजती नज़र आएगी।।
2. टीचर- तुम रोज विद्यालय आया करो,
यदि तुम्हारी उपस्थिति कम हुई,
तो तुम्हें परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा,
छात्र- कोई बात नहीं सर, मैं खड़े-खड़े ही परीक्षा दे लूँगा।।
3. शायर- हँसना उनकी आदत थी,
हम गलत अंदाज़ लगा बैठे,
वो हँसते-हँसते चले गए
हम दिल को रोग लगा बैठे।।

बेटी... बोझ नहीं है!!!

शिल्पा
बी०एससी० तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2828

बेटी...
बोझ नहीं है!
शाम हो गई,
अभी तो घूमने चलो ना पापा।
चलते-चलते थक गई,
सीने से लगा लो ना पापा।
अन्धेरे से... डर लगता है,
सीने से लगा लो ना पापा।
मम्मा तो सो गई,
आप ही थपकी देकर सुलाओ ना पापा।
स्कूल तो पूरा हो गया,
अब कॉलेज जाने दो ना पापा।
पाल-पोसकर बड़ा किया,
अब जुदा तो मत करो ना पापा।
अब डोली में बिठा ही दिया,
अब आँसू तो मत बहाओ ना पापा।
आपकी मुस्कुराहट अच्छी है,
एक बार मुस्कुराओ ना पापा।
आपने मेरी हर बात मानी,
एक बात और मान जाओ ना पापा।
इस धरती पर बोझ नहीं हैं बेटियाँ,
दुनिया को समझाओ ना पापा
दुनिया को समझाओ ना पापा...

नयी सदी

सोनिया
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1262

नयी सदी से मिल रही,
दर्द भरी सौगात,
बेटा कहता बाप से
तेरी क्या औकात।

पानी आँखों का मरा,
मरी शर्म और लाज
कहे बहू अब सास से,
घर में मेरा राज।

भाई भी करता नहीं,
भाई पर विश्वास।
बहन पराई हो गई,
साली खासमखास।

मंदिर में पूजा करे
घर में करे क्लेश
बापू तो बोझ लगे
पत्थर लगे गणेश

बचे कहाँ अब शेष हैं।
दया, धर्म, ईमान
पत्थर के भगवान हैं,
पत्थर दिल इंसान।

पत्थर के भगवान को,
लगते छप्पन भोग।
मर जाते फुटपाथ पर,
भूखे, प्यासे लोग।

फैला है पाखंड का,
अन्धकार सब ओर,
पापी करे जागरण
मचा-मचा कर शोर।

पहन मुखौटा धर्म का,
करते दिन भर पाप।
भंडारे करते फिरें,
घर में भूखा बाप।

अभिलाषा

सोनिया
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1262

माँ ऐसे भाव भरो हम में,
मानव की सेवा कर पाएँ।

भूखे-प्यासों को रोटी दें,
अंधों को आँखें दान करें।
विकलांगों की शुभ सेवा में,
तन-मन-धन अपना दे पाएं।
माँ, ऐसे भाव भरो हम में,
मानव की सेवा कर पाएँ।।

हम हिंदू मुस्लिम, सिक्ख नहीं,
बस तेरी ही गोदी के लाल।
हम एक डाल के फूल बनें,
खुशबू से आँगन भर जाएँ।
माँ, ऐसे भाव भरो हम में,
मानव की सेवा कर पाएँ।।

गुरुजनों के चरणों में,
यह मस्तक हृदय झुका रहे।
उनकी सिखलाई विद्या का,
हर दिल में दीप जला जाएँ।
माँ, ऐसे भाव भरो हम में,
मानव की सेवा कर पाएँ।

हम वीर देश के वीर बाल,
बस यही एक है अभिलाषा।
तेरी रक्षा हित "भारत माँ"
हम प्राण न्योछावर कर जाएँ।
माँ, ऐसे भाव भरो हम में,
मानव की सेवा कर पाएँ।।

अनमोल रत्न (माता-पिता)

जयन्ती जागलान
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2142
(ईंटल कलां)

माँ के दूध का कर्ज तुम
कभी चुका ना पाओगे,
तुझको नरक भोगना पड़ेगा,
माँ-बाप को अगर सताओगे।।

लकड़ी के इस गट्ठे को तुम,
उठा ना सकोगे,
फर्ज कितना भी निभाओगे,
ऋण माँ-बाप का चुका नहीं पाओगे।।

अनजान हैं वो लोग जो,
माँ-बाप को परेशान करते हैं,
माँ-बाप तो वो अनमोल रत्न हैं,
जिन्हें देवता भी प्रणाम करते हैं।।

काम करना अच्छा चाहे देर हो,
रास्ता चलना अच्छा चाहे फेर हो,
भोजन करना माँ-बाप का चाहे जहर हो,
सलाह लेना भाई से चाहे वैर हो।।

हर रिश्ता इतना अनोखा नहीं होता,
फना कर दो अपनी जिंदगी माँ-बाप के कदमों में,
क्योंकि यही वो प्यार है,
जिसमें धोखा नहीं होता।।

मम्मी-पापा हमारी गलतियों को भुलाते रहना,
उम्र भर ये रिश्ता निभाते रहना,
अगर हम चले गलत रास्ते पर,
तो आप ही सही रास्ते दिखाते रहना।।

माता-पिता को प्यार करे जो,
वो लोग निराले होते हैं,
जिन्हें इनका प्यार मिले,
वो लोग किस्मत वाले होते हैं।।

शायरी

जयन्ती जागलान
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2142

आँसू ना होते तो आँख इतनी खूबसूरत ना होती
दर्द ना होता तो खुशियों की कीमत ना होती
पूरी करता रब यूँ ही सब मुरादें,
तो इबादत की कभी जरूरत ना होती।

तेरे गम में तड़प कर मर जाएँगे
मर गए तो तेरा नाम ले जाएँगे
रिश्वत दे के तुझे भी बुलाएँगे
तुम ऊपर आओगे तो साथ बैठ कर कुरकुरे खाएँगे।

कभी खुशी की आशा, कभी गम की निराशा
कभी खुशियों की धूप, कभी हकीकत की छाया
कुछ खोकर कुछ पाने की आशा, शायद यही है
जिंदगी की सही परिभाषा...

खुशियाँ मिलती नहीं माँगने से
मंजिल मिलती नहीं राह पर रुक जाने से
भरोसा रखना खुद पर और उस रब पर
सब कुछ देता है वो सही वक्त आने पर।

माँ तो जन्नत का फूल है
प्यार करना उसका उसूल है
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है
माँ की हर दुआ कबूल है
माँ को नाराज़ करना इंसान तेरी भूल है
माँ के कदमों की मिट्टी जन्नत की धूल है।

स्मरणीय बातें

दिव्या दलाल
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2773

1. हम तो दरिया हैं,
   हमें अपना हुनर मालूम है।
   हम जहाँ से जाएँगे,
   वो रास्ता बन जाएगा।।
2. फूल कभी दुबारा नहीं खिलते,
   जन्म कभी दुबारा नहीं मिलते,
   मिलते हैं लोग हज़ारों,
   पर हज़ारों गल्तियाँ माफ करने वाले
   माँ-बाप दुबारा नहीं मिलते।
3. एक छोटी-सी चींटी
   आपके पैर को काट सकती है;
   लेकिन आप उसके पैर को नहीं काट सकते।
   इसलिए जीवन में किसी को छोटा मत समझो...
   क्योंकि- वह जो कर सकता है,
   शायद आप न कर पाएँ।
4. जो हो गया,
   उसे सोचा नहीं करते।
   जो मिल गया,
   उसे खोया नहीं करते।
   हासिल उन्हें होती है सफलता,
   जो वक्त और हालात पर,
   रोया नहीं करते।।
5. बेटी को चाँद जैसी मत बनाओ,
   कि हर कोई घूर-घूर के देखे।
   बल्कि बेटी को सूरज की तरह बनाओ, ताकि
   घूरने से पहले सबकी नज़र झुक जाए।
6. जो माँ-बाप को स्वर्ग ले जाए,
   वो बेटा होता है।
   जो स्वर्ग को घर ले आए,
   वो बेटी होती है।
   और जो घर को ही स्वर्ग बना दे
   वो बहू होती है।

बापू तेरे देश में

प्रीति
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1194

सत्य बहुत बौना हुआ, झूम रहा है झूठ।
बापू तेरे देश में, चोरी, हत्या, लूट।।
छिपा रही मुख अहिंसा, गायब सच्चा प्यार।
बदला-बदला सा लगे, मानव का व्यवहार।।
उग्रवाद ने ढ़ँक लिया, इस वसुधा का रूप।
सद्भावों की छाँव गुम, अलगावों की धूप।।
खुदगर्जी के गूँजते, दिशा-दिशा में गीत।
नहीं बाँसुरी छेड़ती, मधुर-मधुर संगीत।।
तीन बंदर शांत हैं, मन से बड़े उदास।
बुरा बोलना, देखना, सुनना जग को रास।।
आज़ादी के वास्ते, त्यागे तुमने प्राण।
आज़ादी के अर्थ को, मारे हमने बाण।
खण्ड-खण्ड अब हो चली, मानवता की डोर।
मिटी उजालों की किरण, छाया तम घनघोर।।
नेताओं ने बेच दी, राजनीति की नीति।
नेताओं को रह गई, बस कुर्सी से प्रीति।।
आज तुम्हारी याद में भर-भर आए नैन।
बापू जब से तुम गए, मिल न सका है चैन।।
स्वप्न सभी रंगीन हों, सुख से हो निर्वाह।
भूले-भटके देश को, तुम्हीं दिखाओ राह।।

शायरी

अंजलि सिहाग
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2704

1. एक लड़की रोज गली से गुजरा करती थी।
अपने चेहरे को नकाब में रखती थी।
एक लड़का उस पर मरता था।
वो उसे दिल से प्यार करता था।
एक दिन लड़की ने उस लड़के के पड़ोसी से पूछा,
कहाँ गया वो आशिक?
तो उसने बताया आपको आने में देर हो गयी।
उस दीवाने की कल रात मौत हो गयी।
पड़ोसी ने अपना फर्ज़ निभाया।
लड़की को कब्र तक ले आया।
लड़की कब्र पर रोने लगी।
आँसुओं से कब्र को धोने लगी।
कब्र से आवाज़ आई-
ए खुदा! कैसा इंकलाब आया है,
आज मैं परदे में हूँ,
और मेरा महबूब बेनकाब आया है।

2. दिन बीत जाते हैं कहानी बनकर,
यादें रहती हैं निशानी बनकर,
पर रिश्ते तो हमेशा रहते हैं
कभी होठों की मुस्कान, तो कभी आँखों का पानी बनकर।

3. वक्त और खुशी तेरे गुलाम होंगे,
हर पल और हर पहलू तेरे नाम होंगे,
जरा मुड़ कर देखना मेरे दोस्त!
तेरे हर कदम के नीचे मेरे हाथों के निशान होंगे।

4. कुछ लोग अपने प्यार को रूला देते हैं;
प्यार कितना भी अनमोल हो भुला देते हैं,
प्यार निभाना हो, तो गुलाबों से सीखो,
जो खुद टूटकर दो दिलों को मिला देते हैं।

5. भुला कर हमें क्या वो खुश रह पाएँगे,
सामने नहीं तो अकेले में आँसू बहाएँगे,
दुआ है खुदा से उन्हें दर्द ना देना,
हम तो सह गए, वो टूट जाएँगे।

6. अलविदा कहकर जब वो चल पड़े,
इन आँखों ने सारे हसीन ख्वाब खो दिए,
गम ये नहीं है वो मुझे छोड़ गए,
दर्द तो जब हुआ, तब अलविदा कहते-कहते
वो खुद रो पड़े।

गुदगुदी

निशा लाठर
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1120

1. एक बार एक मैडम ने एक छोरे क मार दिया,
आगले दिन डाकी अपनी माँ न लिया या
उसकी माँ उस मैडम तै बोली भाई रोई तनै
महारे छोरे क हाथ कुकर लाया
जितनी तेरी तनख्वाह है ना उतने के तो मैं
गोसे बेच दू सूँ।

2. जाटों की बहुओं को अंग्रेज़ी सिखाने मास्टरनी आई।
चूँकि
A फॉर Apple और
B फॉर Boy
समझाना आसान न था
तो मास्टरनी ने नया तरीका निकाला।
A फॉर अमरपाल की बहू
B फॉर बलवंत की बहू
O फॉर ओंकार चंद की बहू
Z फॉर जमींदार की बहू
अच्छी तरह रटवाया गया
और फिर हुआ टेस्ट,
प्रश्न था Q फॉर?
ताई कंफ्यूज़ हो गई,
बोली- दिखै तो ओंकार चंद की बहू है,
पर मुँह मैं बीड़ी क्यूं डाल रखी है?

अनमोल वचन

बाली
बी०ए० - द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक - 1167

इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए।
इस तरह न खर्च करो कि कर्जा हो जाए।
इस तरह न खाओ कि मर्ज हो जाए।
इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए।
इस तरह न चलो कि देर हो जाए।
इस तरह न सोचो कि चिंता हो जाए।

धन से

धन से पुस्तक मिलती है, किन्तु ज्ञान नहीं
धन से आभूषण मिलता है, किन्तु रूप नहीं
धन से सुख मिलता है, किन्तु आनन्द नहीं
धन से साथी मिलते हैं, किन्तु सच्चे मित्र नहीं।
धन से भोजन मिलता है, किन्तु भूख नहीं।
धन से दवा मिलती है, किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से एकान्त मिलता है, किन्तु शान्ति नहीं।
धन से बिस्तर मिलते हैं, किन्तु नींद नहीं।
''सत्य से कमाया धन'' हर प्रकार से सुख देता है।
छल-कपट से कमाया धन दुःख ही दुःख देता है।

महंगाई

कविता चहल
बी०ए० - द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक - 1270

जनता का लावा भरकर फूट रहा,
आज देश का हर नागरिक टूट रहा,
महंगाई की पड़ रही सब पर ऐसी मार,
कर दी है जिसने सबकी गृहस्थी बीमार,
सरकार ने कर दिया इतना महंगा राशन-पानी
याद आ गई सबको अपनी नानी
महंगाई घटती हो, चाहे हो बढ़ती,
सिर्फ मध्यवर्ग पर ही उसकी मार है पड़ती,
गरीब-अमीर को कोई फर्क न पड़ता,
उनकी गाड़ी का पहिया वैसे ही चलता,
रसोई गैस, पेट्रोल की कीमत इतनी है बढ़ गई,
जनता इनके इस्तेमाल को लेकर
आज सोच में है पड़ गई,
शिक्षा को देखो आज कर दिया महंगा,
कहीं देश का आने वाला भविष्य हो जाए ना बेढंगा,
नहीं सरकार का महंगाई की ओर कोई भी ध्यान,
चुनाव जीत कर गा रही देखो व्यर्थ का महागान,
महंगाई से बढ़ती कीमत ने कर दिया सबको लाचार,
आओ, हम सब मिलकर करें इस पर विचार।

चुटकुले

प्रमिला आर्य
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2705

1. लड़का लड़की से पूछता है ''तुम कितने बजे उठती हो''? लड़की बोली- ''अपना कोई टाइम नहीं, जब दिल करता है सो जाती हूँ।'' लड़का बोला- ''तू बिल्कुल मेरे कुत्ते पर गई है।
2. मालकिन अपनी नौकरानी से कहती है, ''मुझे लगता है कि तेरे मालिक का ऑफिस में किसी लड़की के साथ चक्कर है।'' नौकरानी- नहीं मालकिन! ऐसा मत कहो, मालिक मुझे धोखा नहीं दे सकते।

भविष्य

पिंकी
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1259

आप लोगों के बीच से
थोड़ा-सा कुछ खींच के
एक भविष्य की झाँकी निकाली है
यह एक नई परम्परा है जो कुछ सालों में आने वाली है
आओ ले चलूं भविष्य की एक शादी में
दिखाऊँ नर का बुरा हाल उस शादी में
घोड़े को लाओ
लड़की को बिठाओ
अरे कहाँ गयी लड़की
माँ बोली, सहेलियों के चक्कर में होगी अटकी
कहाँ गयी माँ के सम्मान की पगड़ी
माँ ही तो सबसे आगे चलेगी, क्योंकि वही तो है तगड़ी।
सारे नर घोड़ो के पीछे
सरककर हैं चल रहे दुपट्टे को खींचे
बैंड पर है नानी, चाची, ताई, बुआ सब नाच रही
लग रहा है लड़की की माँ को भी है चढ़ गई
लड़की का भाई अभी कुँवारा है
बेचारा अभी तक बेसहारा है
शर्म के कारण मुँह पर पल्ला ढँक रहा
कहीं कोई बदमाश लड़की ना आकर के छेड़ दे,
इसलिए है डर रहा।
इधर लड़के का बुरा फसाना है
उसे ब्यूटी पार्लर जाना है
माँ की आज्ञा से उसने पत्नी को परमेश्वर माना है।
सासू की सरताजगी ससुराल ही उसका ठिकाना है।
दरवाजे पर लड़की बारात लेकर आ चढ़ी
दूल्हे की धड़कन देखो है बढ़ चली
लड़के के बाप, चाचा,
ताऊ ने बारातियों का स्वागत किया
दोनों तरफ की माओं ने एक-दूसरे से अवगत किया
फिर चालू हो गयी शादी

लड़के की माँ ने भी पहन रखी थी खादी
मण्डप के चारों तरफ बैठी थी बारात आधी
पंडिताइन ने मंत्रों से इस तरह कराई संपन्न शादी।
लड़की बैठी है, लड़के को बुलाइए।
माँ तो बैठी है, बाप को छोटा-मोटा काम है उसे भी बुलाइए।
लड़के के लहंगे को बचाके
लड़की के माथे पर सेहरा सजा के
हाथ पीले कीजिए लड़के के
लड़के के पल्लू को बाँधिए लड़की के पटके से
अब फेरे लीजिए सात
लड़की पकड़ ले लड़के का हाथ
अब कसम खाइए कि साक्षी मानकर अग्नि को
परमेश्वर मानकर पत्नी को
पत्नी के घर को जाऊँगा
घर अपना वहीं बसाऊँगा
पत्नी की हामी में हामी मिलाऊँगा
अब हुई लड़के की विदाई
घर में बज रही थी शहनाई
लड़के का बाप रोते हुए अन्दर आया
घर को उसने सूना पाया
अब तो यही बात कहूँगा भाई
कि लड़का तो पराया धन है
लड़कियों मत करो इससे लड़ाई।
इसे तो दूजे घर जाना है
फिर नहीं आना
दुःख भरा भविष्य के लड़के का अफसाना।

माँ-बेटी

मोनिका

बी०एससी० प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक-2619

माँ को सिसकता छोड़कर, जब आया मेरा भाई,
मैं एक बेटी हूँ, अपनी माँ को साथ ले आई।
वो बूढ़ी हो गई, तो उसे बोझ लगती है,
जवानी जिसने अपने बच्चों के लिए झुलसाई।
बस अपनी ही बीवी और बच्चों से उसे मतलब,
भूल बैठा उसे जो दुनिया में उसे लाई।
बड़ी गाड़ी, बड़ा बंगला, सब कुछ है,
लेकिन जब माँ माँगे, तो नहीं जेब में एक पाई
वो कुत्ता पाल सकता है, माँ उसे बोझ लगती है
उसे कुत्ते ने क्या थोड़ी-सी भी वफादारी ना सिखलाई।
जो बीज जैसा बोता है, वैसा ही काटता है।
बुढ़ापा तुझ पर भी आएगा, क्यूं बूझ रहा है सच्चाई।
तेरा बेटा जो देखेगा, वही तो सीखेगा
तू खोद न अपने लिए खाई,
अगर जिन्दा रही, तो तुझसे पूछेगी तेरी माई।
अब बता ये दौलत किसके लिए कमाई,
खुदा के बैंक में जब खुलेगा तेरा खाता,
तुझ पर बहुत कर्जा चढ़ा होगा मेरे भाई।
जो मन्नत माँगते थे, ''बेटा हो-बेटा हो'',
उन्हें अब बेटी की कीमत समझ में आई।

माँ को समर्पित एक कविता

प्रियंका जैन

बी०ए०-द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक-1124

लेती नहीं दवाई मम्मी, जोड़े पाई-पाई मम्मी।
दुःख थे पर्वत, राई मम्मी; हारी नहीं लड़ाई मम्मी।
इस दुनिया में सब मैले हैं,
किस दुनिया से आई मम्मी।
दुनिया के सब रिश्ते ठंडे, गरमागर्म रजाई मम्मी।
जब भी कोई रिश्ता उधड़े, करती है तुरपाई मम्मी।
बाबू जी तनख्वाह लाए, लेकिन बरकत लाई मम्मी।
बाबू जी सख्त मगर, माखन और मलाई मम्मी।
बाबूजी के पाँव दबाकर, सब तीरथ हो आई मम्मी।
नाम सभी हैं गुड़ से मीठे, माँ जी, मैया, माई, मम्मी।
सभी साड़ियाँ छीज गई थीं,
मगर नहीं कह पाई मम्मी।
मम्मी से थोड़ी-थोड़ी सबने रोज चुराई मम्मी।
घर में चूल्हे मत बाँटो रे, देती रही दुहाई मम्मी।
रोती है लेकिन छुप-छुप कर,
बड़े सब्र की जाई मम्मी।
लड़ते-लड़ते, सहते-सहते,
रह गई एक तिहाई मम्मी।
बेटी की ससुराल रहे खुश, सब जेवर दे आई मम्मी।
मम्मी से घर, घर लगता है घर में घुली, समाई मम्मी।
बेटे की कुर्सी है ऊँची, पर उसकी ऊँचाई मम्मी।
दर्द बड़ा हो या छोटा हो, याद हमेशा आई मम्मी।
घर के शगुन सभी मम्मी से,
है घर की शहनाई मम्मी।

गजल – आँसुओं की दुकान

प्रमिला आर्य
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक–2705

दर्द का खानदान है दुनिया
आँसुओं की दुकान है दुनिया
आचरण सबका कैंचियों जैसा
और कपड़े का थान है दुनिया
आंधियों, तुम जरा अदब से चलो
छतरियों का मकान है दुनिया
जिंदगी के उजाड़ सहरां में
दर्द की दास्तान है दुनिया
आप जज़्बात ढूंढ़िए बेशक!
आँकड़ों की जबान है दुनिया
टूट जाने का डर सताता है,
कांच का मर्तबान है दुनिया
एक जोगी ने कल कहा यारो!
कागजी आनबान है दुनिया
मैं तो इसको मकान समझा था
हकीकत में मचान है दुनिया

प्राणवान पंक्तियाँ

अंजलि सिहाग
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक–2705

जहाजों से जो टकराए, उसे तूफान कहते हैं।
तूफानों से जो टकराये, उसे इंसान कहते हैं।। 1।।
हमें रोक सके, ये ज़माने में दम नहीं।
हमसे है ज़माना, ज़माने से हम नहीं।। 2।।
जिंदगी के बोझ को हँसकर उठाना चाहिए।
राह की दुश्वारियों पे, मुस्कुराना चाहिए।। 3।।
बाधाएँ कब रोक सकी हैं, आगे बढ़ने वालों को।
विपदाएँ कब रोक सकी हैं, पथ पे बढ़ने वालों को।। 4।।
मैं छुई मुई का पौधा नहीं, जो छूने से मुरझा जाऊँ।
मैं वो माई का लाल नहीं, जो हौवा से डर जाऊँ।। 5।।
जो बीत गई सो बीत गई, तकदीर का शिकवा कौन करे।
जो तीर कमान से निकल गया,
उस तीर का पीछा कौन करे।। 6।।
अपने दु:ख में रोने वाले, मुस्कुराना सीख ले।
दूसरों के दु:ख-दर्द में, आँसू बहाना सीख ले।। 7।।
जो खिलाने में मजा, वो आप खाने में नहीं।
जिंदगी में तू किसी के काम आना सीख ले।। 8।।
खून पसीना बहाता जा, तान के चादर सोता जा।
यह नाव तो हिलती जाएगी,
तू हँसता जा या रोता जा।। 9।।

इंसानियत का रूप

प्रमिला आर्य
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक 2705

धरती पर तो चलना नहीं आया, पर चांद की बाते करता है,
शैतानों जैसे काम है, पर इन्सानों की बातें करता है,
मंदिर मस्जिद में तो जाता है, पर मन-मंदिर में जहर भरा,
नस-नस में बेईमानी है, भगवान की बातें करता है,
भूखे के लिए तो गाली है, पर भरे हुए के लिए भंडारे।
बस्ती को तो उजाड़ रहा है, पर कल्याण की बातें करता है।
एक हाथ में दौलत लुटा रहा है, एक हाथ में धोखों के खंजर हैं,
चूसे हैं खून गरीबों का, ईमान की बातें करता है।
हैरत है तो इस बात की कुछ है कहता, कुछ है करता।

सुख

राजबाला शर्मा
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2।4।

ऐ सुख! तू कहाँ मिलता है?
क्या तेरा कोई स्थायी पता है?
क्यों बन बैठा है अनजाना?
आखिर क्या है तेरा ठिकाना?
कहाँ कहाँ ढूंढा तुझको
पर तू न कहीं मिला मुझको
ढूंढा ऊँचे मकानों में,
बड़ी-बड़ी दुकानों में,
स्वादिष्ट पकवानों में,
चोटी के धनवानों में।
वो भी तुझको ढूंढ रहे थे,
बल्कि मुझको ही पूछ रहे थे।
क्या आपको कुछ पता है
ये सुख आखिर कहाँ रहता है?
मेरे पास तो दुःख का पता था,
जो सुबह-शाम अक्सर मिलता था।
परेशान होकर रपट लिखवाई,
पर ये कोशिश भी काम न आई।
उम्र अब ढलान पे है।
हौंसले अब थकान पे हैं।
हाँ! उसकी तस्वीर है मेरे पास
अब भी बची हुई है आस
मैं भी हार नहीं मानूँगी
सुख के रहस्य को जानूंगी।
बचपन में मिला करता था।
मेरे साथ रहा करता था।
पर जब से मैं बड़ी हो गई,
मेरा सुख मुझसे जुदा हो गया।

मैं फिर भी नहीं हुई हताश
जारी रखी उसकी तलाश
एक दिन जब आवाज ये आई,
क्या मुझको ढूंढ रही है?
मैं तेरे अंदर छुपा हुआ हूँ।
तेरे ही घर में बसा हुआ हूँ।
मेरा कुछ भी नहीं है मोल,
सिक्कों में मुझको न तोल।
मैं बच्चों की मुस्कानों में हूँ।
हारमोनियम की तानों में हूँ।
पति के साथ चाय पीने में,
परिवार के संग जीने में
माँ-बाप के आशीर्वाद में,
रसोई-घर के महाप्रसाद में।
बच्चों की सफलता में हूँ
माँ की निश्छल ममता में हूँ।
हर पल तेरे संग रहता हूँ
और अक्सर तुझको कहता हूँ
मैं तो हूँ एक अहसास
बंद कर दे मेरी तलाश
जो मिला उसी में कर संतोष।
आज को जी ले कल की न कर सोच।
कल के लिए आज को न खोना।
मेरे लिए कभी दुखी न होना।
मेरे लिए कभी दुखी न होना।

शायरी

प्रमिला आर्य
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2705

हर सागर के दो किनारे होते हैं
कुछ लोग जान से भी प्यारे होते हैं
यह जरुरी नहीं हर कोई पास हो,
क्योंकि जिन्दगी में यादों के भी सहारे होते हैं।

गजल की जरुरत महफिल में होती है,
प्यार की जरुरत दिल में होती है,
दोस्तों के बिना अधूरी है जिन्दगी
क्योंकि दोस्तों की जरुरत हर पल में होती है।

आज हम हैं, कल हमारी यादें होंगी,
जब हम ना होंगे तब हमारी बातें होंगी
कभी पलटोगे जिन्दगी के ये पन्ने,
तब शायद आपकी आँखों से भी बरसातें होंगी।

किसी का दिल पे काबू हो,
यह मुमकिन हो नहीं सकता,
किसी से कब मुहब्बत हो,
कोई यह कह नहीं सकता।

तेरे न होने से जिंदगी में बस इतनी सी कमी रहती है,
मैं चाहे लाख मुस्कुराऊँ इन आंखों में नमी सी रहती है।

दोस्ती के बाद मोहब्बत हो सकती है,
मगर मोहब्बत के बाद दोस्ती नहीं हो सकती।
क्योंकि दोस्ती दवा मौत के पहले असर करती है
मौत के बाद नहीं।

तुम से दूरी का अहसास जब सताने लगा,
तेरे साथ गुजरा हर लम्हा याद आने लगा,
जब भी कोशिश की तुम्हें भुलाने की,
तुम और भी इस दिल के करीब आने लगे।

पल-पल से बनता है एहसास,
एहसास से बनता है, विश्वास,
विश्वास से बनते हैं, रिश्ते,
और रिश्तों से बनता है कोई खास।

कम नहीं होती...

ज्योति रेढू
बी०ए०-प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-230

करो सोने के सौ टुकड़े,
लेकिन कीमत कम नहीं होती।
बुजुर्गों की दुआ लेने से
इज्जत कभी कम नहीं होती।
जरुरतमंद को कभी
दहलीज़ से खाली ना लौटाओ।
राम के नाम देने से
दौलत कभी कम नहीं होती।
पकाई जाती है जो रोटी
मेहनत की कमाई से।
हो जाए गर बासी
तो लज्जत कम नहीं होती।
याद करते हैं जिन्हें हम
अपनी हर मुसीबत में।
गुरु के सामने झुकने से
इज्जत कम नहीं होती।।

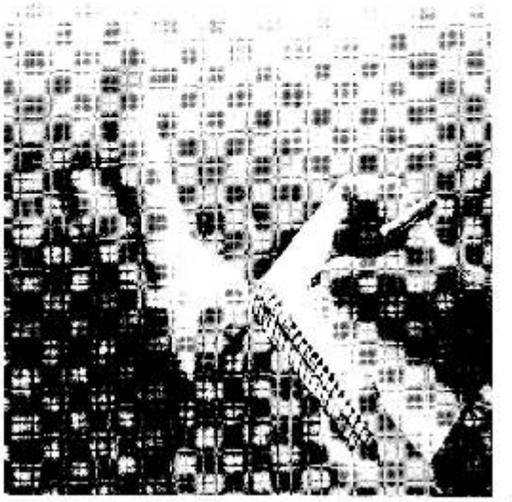

ईश्वर की माया

दिव्या दलाल
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2773

वाह खुदा! तेरी अजीब माया है,
कहीं धूप, तो कहीं छाया है।
धन-दौलत का ढेर देखकर,
लाशों से अब खेल-खेलकर,
लोगों में सरूर छाया है।
वाह खुदा! तेरी अजीब माया है,
कहीं धूप तो कहीं छाया है।

चारों तरफ फैली है मारामारी,
इस जहाँ से लुप्त हो गई ईमानदारी,
किसी के मन में नहीं है संतुष्टि,
हर कोई बना है भिखारी,
हर जगह भ्रष्टाचार फैलाएँगे,
लोगों ने बीड़ा उठाया है।
वाह खुदा! तेरी अजीब माया है,
कहीं धूप तो कहीं छाया है।
भाई ही आज भाई को मारे
माता-पिता की ना कोई आरती उतारे।
माता-पिता ने कष्ट उठाए,
हमको इस दुनिया में लाए,
उनको भी खून के आँसू रूलाया है।
वाह खुदा! तेरी अजीब माया है।
कहीं धूप तो कहीं छाया है।।

गुरू ने हमें रास्ता दिखाया
पढ़ा-लिखाकर काबिल बनाया
उस गुरू का भी करते हैं अपमान,
उसका सारा उपकार आज भुलाया है।
वाह खुदा! तेरी अजीब माया है।
कहीं धूप तो कहीं छाया है।।

बेटियाँ

गायत्री
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2146

वात्सल्य की मूरत हैं बेटियाँ,
जिंदगी की जरुरत हैं बेटियाँ।
खुशियों का खजाना हैं,
देवी की सूरत बेटियाँ।
ना हंसी ना मुस्कान होगी, रहेंगी ना जहाँ बेटियाँ।
घर के कोने-कोने से
आती सुगबुगाहट,
बजती हैं जैसे मंदिर में घंटियाँ।

सत्य, अहिंसा और त्याग,
हैं बलिदान का रूप बेटियाँ।
याद बहुत आती हैं जब बिछुड़ जाती हैं बेटियाँ।
तुलसी का बिरवा
आम, इमली, अमरूद-
चांदनी, परिजात-सी
होती हैं बेटियाँ।

दर्द छलका नहीं
कभी पलकों के किनारों से
कितनी सहनशील, खामोश-होती हैं बेटियाँ।
शरद की मखमली धूप,
खुशियों का खजाना,
होती हैं बेटियाँ।

छुप-छुप बैठे अकेले,
रोती हैं क्यों आज बेटियाँ।
तन्हाइयों में घिरी, दे रही क्यों आवाज बेटियाँ।
झूले उपवन की भाषा,
भूल गई हैं आज बेटियाँ।
अंधेरे के गहन छोर पर,
जलाती हैं चिराग बेटियाँ।

रिश्तों को आवाज दे रहीं,
होकर मजबूर आज बेटियाँ।
आशियाना हो स्वर्ग समान,
करें जिसका आगाज बेटियाँ।

शायरी

1. हर रिश्ता मिलता है विरासत में,
पर दोस्ती अलग से क्यों बनाई है?
क्योंकि बाकी रिश्ते बनाए थे खुदा ने
और दोस्ती खुद 'खुदा' की परछाई है।
2. लिखो तो पैगाम कुछ ऐसा लिखो कि
कलम भी रोने पर मजबूर हो जाए।
हर नज़्म में वो दर्द भर दो कि
पढ़ने वाला भी आँसू पीने पर मजबूर हो जाए।
3. दोस्ती वो नहीं जो जान देती है,
दोस्ती वो नहीं जो मुस्कान देती है,
असली दोस्ती वो दोस्ती है जो,
पानी में गिरा आंसू पहचान लेती है।
4. सवाल पानी का नहीं, प्यास का होता है।
सवाल मौत का नहीं, साँस का होता है
दोस्त तो दुनिया में बहुत मिलते हैं
सवाल दोस्ती का नहीं, विश्वास का होता है।
5. फूल बनकर मुस्कुराना जिंदगी है
मुस्कुराकर गम भुलाना जिंदगी है
जीत के हम खुश हुए, तो क्या खुश हुए
हार कर खुशी मनाना जिंदगी है।
6. जिंदगी में किसी से प्यार नहीं करना,
अगर हो जाए तो इन्कार नहीं करना,
हो सके तो कदम उठाना,
वरना किसी की जिंदगी बर्बाद मत करना।
7. वक्त हर नूर को बेनूर कर देता है,
छोटे-से जख्म को नासूर कर देता है,
कौन चाहता है तुम जैसे दोस्त से बिछुड़ना,
पर वक्त सबको मजबूर कर देता है।
8. हर बात कहकर किसी को समझाई नहीं जाती,
हर चीज जिंदगी में पाई नहीं जाती।
यूं तो हर वक्त याद करते हैं आपको,
पर अफसोस यादें किसी को दिखाई नहीं जाती।
9. बिना दर्द के आँसू बहाए नहीं जाते,
बिना प्यार के रिश्ते निभाए नहीं जाते।
जिन्दगी में एक बात याद रखना,
किसी को रूलाकर अपने सपने सजाए नहीं जाते।
10. दिल में तुम्हारे अपना ही नाम छोड़ जाएँगे।
आँखों में एक इंतजार छोड़ जाएंगे।
याद रखना ढूँढते रहोगे हमें,
प्यार की ऐसी हम कहानी छोड़ जाएंगे।

साथी

सुमन रेढ़ू
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2187

सबसे बड़ा साथी गुलाब है,
हाथ में थमाओ तो यार,
और बालों में लगाओ तो प्यार है।
शीश पर रखो तो ज्ञान
और चरणों पर रखो तो ध्यान है।
कद्र करो इसकी यह सन्त है,
जब गिरे शरीर पर,
तो समझो हमारा अन्त है।

कीमत

सुमन रेढ़ू
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 2187

कीमत पानी की नहीं,
प्यास की होती है।
कीमत मौत की नहीं,
साँस की होती है।
प्यार तो बहुत करते हैं दुनिया में,
कीमत प्यार की नहीं
विश्वास की होती है।

शायरी

किरण खटकड
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2776

❖ कुछ फर्क होता है खुदा और पीर में,
कुछ फर्क होता है आकाश और तस्वीर में,
अगर कुछ चाहो और न मिले,
तो समझ लेना कि कुछ और अच्छा लिखा है
आपकी तकदीर में।

❖ जो हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं
वो सफलता का आभास मात्र कर सकते हैं।
सफलता प्राप्त करने के लिए हाथ-पांव चलाना जरूरी है।

❖ रोने से तकदीर बदलती नहीं है,
वक्त से पहले रात कटती नहीं है।
दूसरों की कामयाबी लगती आसान
मगर, कामयाबी रास्ते में पड़ी मिलती नहीं है।

❖ दुनिया की तमाम मासूमियत अपने अन्दर समेट लेती हैं आँखें,
जब रोती हैं तो दिलों को हिला देती हैं आँखें,
और जब बन्द हो जाती हैं आँखें,
तो दुनिया को रूला देती हैं।

❖ ईमानदारी और बुद्धिमानी के साथ किया गया काम कभी व्यर्थ नहीं जाता।

❖ जीवन के सफर में, यदि चाहिए रस
तो असत्य को छोड़, सत्य अपनाओ।
खोना चाहते हो यदि कुछ तुम,
तो लोभ, क्रोध को खोओ।

❖ जब तक न हो सफल, नींद चैन को त्यागो तुम।
संघर्षों का मैदान छोड़कर, कभी मत भागो तुम।
कुछ किए बिना दोस्तो जय-जयकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

❖ आत्मविश्वास बढ़ाने का ढंग यह है कि तुम वही कार्य करो,
जिसको तुम करते हुए डरते हो।
इस प्रकार ज्यों-ज्यों सफलता प्राप्त होती जाएगी,
तुम्हारा आत्मविश्वास बढ़ता जाएगा।

❖ सीढ़ियाँ उनके लिए हैं, जिन्हें छत तक जाना है।
जिनको छूना है आसमान, उन्हें रास्ता खुद बनाना है।।

❖ सपने उन्हीं के पूरे होते हैं, जिनके सपनों में जान होती है।
पंखों से कुछ नहीं होता, हौंसलों से उड़ान होती है।।

❖ ये नहीं हो सकता कि बरसात हो और जमीन गीली न हो,
धूप हो और सरसों पीली न हो,
कॉलेज याद आए और आँखें गीली न हों।

❖ वक्त के साथ हर चीज़ बदल जाती है,
हर याद पर धूल पड़ जाती है।
लेकिन कॉलेज की याद दिल के उस कोने में रखी है,
जहाँ साँस भी पूछकर जाती है।

❖ जिन्दगी जब भी रूलाने लगे,
आप इतना मुस्कुराओ कि दर्द भी शर्माने लगे,
निकले ना आँसू हमारे कभी और
किस्मत भी मजबूर होकर हँसाने लगे।

❖ रोते हुए को मनाना जिन्दगी है।
दूसरों को हँसाना जिन्दगी है।
कोई जीत कर खुश हुआ तो क्या हुआ,
सब कुछ हार कर मुस्कुराना भी जिन्दगी है।

गाँव और शहर

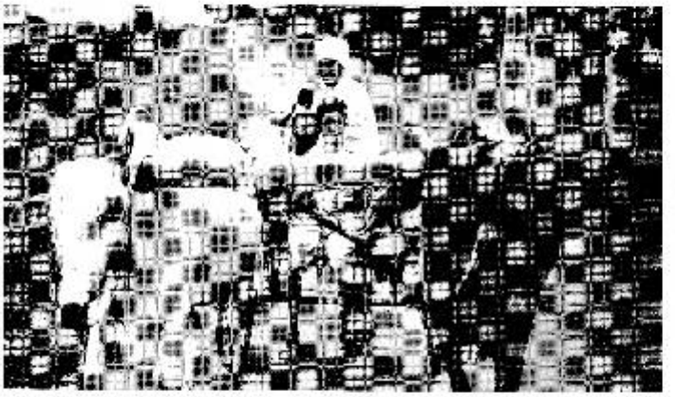

बड़ा भोला बड़ा सादा बड़ा सच्चा है,
तेरे शहर से तो मेरा गाँव अच्छा है।
वहाँ मैं मेरे पिता के नाम से जानी जाती हूँ,
और यहाँ मकान नंबर से पहचानी जाती हूँ।
वहाँ फटे कपड़ों में भी तन को ढँका जाता है,
यहाँ खुले बदन पर टैटू छापा जाता हैं।
यहाँ कोठी हैं, बंगले हैं और कार हैं,
वहाँ परिवार और संस्कार हैं।
यहाँ चीखों की आवाज़ें दीवार से टकराती हैं,
वहाँ दूसरों की सिसकियां भी सुन ली जाती हैं,
यहाँ शोर-शराबे में भी कहीं खो जाती हूँ,
वहाँ टूटी खटिया पर भी आराम से सो जाती हूँ।
मत समझो कम हमें कि हम गांव से आए हैं,
तेरे शहर के बाजार मेरे गांव ने ही सजाए हैं।
वहां इज्जत में सर सूरज की तरह ढलते हैं,
चल आज हम उसी गांव में चलते हैं।

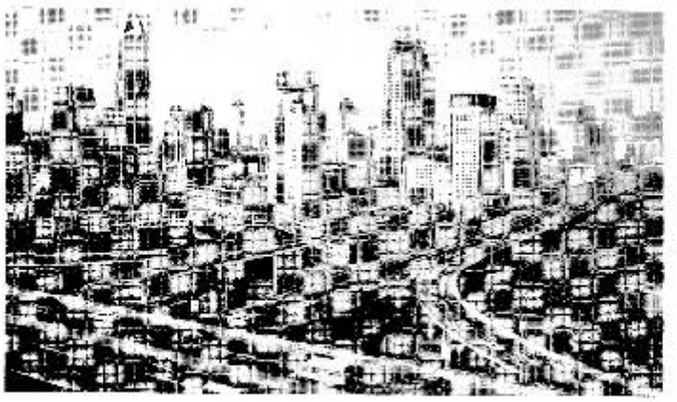

महंगाई

मोनिका महरोलिया
बी॰एससी॰ द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2774

एक दिन कॉलेज से घर जा रही थी,
देश की खुशहाली के गीत गा रही थी।
रास्ते में मुझे मिल गई महंगाई,
मैंने पूछा क्या हाल है ताई?
महंगाई ने अपना सारा हाल सुनाया।
भारत में अपना ही बोलबाला बताया।
मैंने कहा, बहुत दिन हो गए भारत में अब तो चली जाओ,
वह बोली, इस देश से तो जन्म-जन्म का नाता हैं,
भला इस तरह कौन अपने घर को छोड़कर जाता है।
फिर अगर मैं ना हुई तो नेतागण किससे हाथ मिलाएँगे।
बेचारे तो चुनाव लड़ना ही भूल जाएँगे।
बदनामी का टीका माथे पर ना लगाऊंगी,
डोली में बैठ कर आई थी,
कंधों पर सवार होकर जाऊँगी।
मैंने भी ना अपना सिर झुकाया
वहीं पर अपनी फ्रैंडस को बुलाया
सबको सारी बात बताई,
सबने हाँ में हाँ मिलाई।
महँगाई को यही बताया हमने,
तुमको भारत से भगाने का बीड़ा उठाया हमने।
जब तक तुमको भारत से ना भगाएँगे,
हम सब सुख से ना रह पाएँगे।
महँगाई ने भी अपना सिर झुकाया
फिर अपना ऐलान फरमाया
अगर तुम रखोगी ऐसे ही संगठन
फिर मेरा कैसे होगा अभिनंदन
इसलिए मैं तो अब जा रही हूँ
खुशहाल रखना अपने देश को, यही बता रही हूँ।

सच्ची बात

पिंकी
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1259

ये कपोल नहीं, सच्ची बात है
पूनम के होते हुए भी अंधियारी रात है।
इंसान नहीं किसी के साथ है, यही तो सच्ची बात है।

आइने के सामने
देखा आमने-सामने इक दूसरे को
पूछा उस बदसूरत से
''जैसे पहली बार मिले हों,
या अरसे बाद कोई अपने दिखे हों,
या मुश्किल होता है जैसे शतक
पहले जो शब्द अपने लिखे हों,
या याद उन किताबों को करना जो
बचपन में गुरु से सीखे हों,''

कि तुम कौन हो?
क्यूँ मौन हो?
ज़रा मुझको बताओ
इस भद्दे चेहरे को सामने से हटाओ।

फिर वो हटा,
मैं रहा खड़ा।
और वहाँ दिखने लगे पाँच।
जैसे मेरे शरीर में चुभता हो काँच।
बोला नंबर एक, मैं हूँ काम,
कर देता हूँ आदमी को बदनाम।

बोला नंबर दो, मैं हूँ क्रोध,
मैं भी तब जगता हूँ जब जगाते हो प्रतिशोध।

नंबर तीन पर था मोह
इसके चक्कर में आए, तो जाओगे खो।

चार वाला बोला, लोभ है मेरा नाम
दूसरों की धन-दौलत पर रखवाना नज़र है मेरा काम

पांच पर बैठा बोला, अहंकार नाम है मेरा,
हे मनुष्य! मैं ही हूं जो नाश कराए तेरा।

और उस दर्पण ने
आँसू अर्पण से
दिखायी मुझे मेरी सच्ची गात है
इंसान की यही पहचान है
इंसान नहीं किसी का
यही तो सच्ची बात है।

आखिर क्यों?

मोनिका यादव
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2200

क्यों याद आते हैं, लोग चले जाने के बाद?
क्यों रूलाते हैं, लोग हँसाने के बाद?
क्यों पोछे जाते हैं आँसू, बहाने के बाद?
क्यों नज़र झुकाते हैं, नज़र मिलाने के बाद?
क्यों काटे जाते हैं, सिर झुकाने के बाद?
क्यों चढ़ाते हैं फूल अस्थियाँ जलाने के बाद?
क्यों चमकता है सोना तपाने के बाद?
क्यों होता है प्यार, नज़र मिलाने के बाद?
क्यों दिल तोड़ देते हैं लोग, प्यार पा जाने के बाद?
क्यों ठुकरा देते हैं लोग अपनाने के बाद?
क्यों खुशियाँ बढ़ जाती हैं, दोस्तों को सुनाने के बाद?
क्यों गम कम हो जाता है, दोस्तों को बताने के बाद?
क्यों होती है रात, दिन ढल जाने के बाद?
क्यों याद आता है कॉलेज छोड़ने के बाद?
क्यों याद आते हैं दोस्त बिछुड़ने के बाद?
आखिर क्यों?

10 महत्त्वपूर्ण बिन्दू

रिंकू चहल
बी०ए०-प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-602

1.	अंग्रेज़ी के 10 अक्षरों का सबसे आवश्यक शब्द	-	'Confidence' इसे अर्जित करें।
2.	9 अक्षरों का सबसे शक्तिशाली शब्द	-	'Knowledge' प्राप्त करें।
3.	8 अक्षरों का सबसे खराब शब्द	-	'Jealousy' इससे दूरी बनाएँ।
4.	7 अक्षरों का सबसे कठोर परिश्रमी शब्द	-	'Success' इसे प्राप्त करें।
5.	6 अक्षरों का सबसे खतरनाक शब्द	-	'Rumour' इससे दूर रहें।
6.	5 अक्षरों का सबसे अधिक प्रसन्न करने वाला शब्द	-	'Smile' इसे पास रखें।
7.	4 अक्षरों का सबसे अधिक प्रयोग होने वाला शब्द	-	'Love' इसे महत्त्व दें।
8.	3 अक्षरों का सबसे विशांत शब्द	-	'Ego' इसे नष्ट करें।
9.	2 अक्षरों का सबसे अधिक संतुष्टि देने वाला शब्द	-	'We' इसे प्रयोग करें।
10.	1 अक्षर का सबसे अधिक स्वार्थी शब्द	-	'I' इसकी उपेक्षा करें।

बेटी की रक्षा

मौसम
बी०ए०-द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-1110

चिंता का ये विषय बना है, आज बेटियों का पढ़ना।
कठिन हो गया देखो तुम, इनका आगे बढ़ना।
जगह जगह पर छेड़खानी, सब यही खबर सुनाते हैं।
पूछो जरा ये उन लड़कों से, क्या घर वाले यही सिखाते हैं?
बेटी शिक्षा में है बाधक, उन लड़कों की शैतानी।
कुछ सीखो तुम उन वीरों से, याद करो वो उनकी कुर्बानी,
नारी की रक्षा करना, भीष्म पितामह के होते थे उसूल।
तुम भी उनको अपनाओ, क्या उनको सभी गए हो भूल।
बेटियों को बिना पढ़ाए, देश कैसे आगे बढ़ पाएगा।
अज्ञानता के कारण फिर से, देश गुलाम बन जाएगा।
हर लड़की की करोगे रक्षा, दिल में हो इज्जत का दर्जा।
संस्कार ना भूलो तुम, क्योंकि तुम्हें चुकाना माँ का कर्जा।।
हम सुधरेंगे, तुम सुधरोगे, हर लड़का शपथ उठाएगा।
बस बेटी शिक्षा होगी पूर्ण, तभी देश आगे बढ़ पाएगा।
बेटी शिक्षा अति आवश्यक, जो इस बात को समझ जाएगा।
फिर वो दिन दूर नहीं, जब भारत नं० 1 कहलाएगा।

जय हिन्द!

मैं भी कुछ बनना चाहती हूँ

अनिशा
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2746

कभी सोचती हूँ,
डॉक्टर बनूँगी, लोगों का इलाज करूँगी
फिर किसी वकील को देखकर सोचा,
मैं भी इन्साफ करूँगी,
जब देखा किसी अध्यापक को,
तो सोचा कि मैं भी बच्चों का उद्धार करूँगी,
जब एक बिजनेस वूमैन को देखा,
तो मैंने सोचा, मैं भी बिजनेस करूंगी,
जब कुछ समझ में नहीं आया
तब जाकर मम्मी से पूछा
माँ, मैं क्या बनूंगी?
माँ ने हँसकर कहा,
बेटी और कुछ बने या ना बने,
एक अच्छा इंसान जरूर बनेगी।

मैं गया सुसरैड

मोनिका महरोलिया
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2774

मैं गया सुसरैड, नया कुड़ता गाड़।
दाढ़ी बनवाई, बाल भी रंगवाए।
रेड़ी पै त संतरे भी तुलवाए।
हाथ म दो किलो फ्रूट,
मैं होरया था सूटम-सूट।
सामण का महीना था,
आ रया पसीना था।
पौंच गया गाम म,
मीठे-मीठे धाम म।
साले मिले घर कै बाहर,
बोल्ये आज्या रिश्तेदार।
बस जांदे मेरी खातिरदारी शुरु होगी,
पर तड़कै उठदै मेरी बारी शुरु होगी।
मेरी सारी साली आग्यी,
मेरे चुगरदेनअ छागी।
दो-दो, चार-चार कोरड़े सबने मारे,
फेर पूछै, के हाल है जीजू प्यारे।
फेर साली भी मुंह फेरगी,
गाढ़ा रंग घौल क सिर पर गेरगी।
मेरा सारा टौरा होग्या था ढ़ीला,
अर गात होगया था लाल-लीला।
रया-सया टौरा साल्या न मिटा दिया,
भर क कौली नाली म लुटा दिया।
सांझ तक मेरी देई दुखी,
आंख लाल होग्यी, अर बांदर बरगी चाल होग्यी।
गेरी सासू बोली, बेटा आड़ै तो नुए खोसड़े खावैगा
न्यू बता आड़ै फेर आवेगा।
मैं हाथ जोड़ क बोल्या या गलती फेर ना दोहराऊंगा।
होली न तो के, दीवाली न भी नहीं आऊंगा।

कुछ बातें

दिव्या दलाल
बी०एससी० द्वितीय वर्ष (एन०एम०)
अनुक्रमांक-2773

- दो मशहूर शायरों के अपने-अपने अंदाज मिर्जा गालिब:
  उड़ने दे इन परिंदों को
  "आज़ाद फिजां में" "गालिब"
  जो तेरे अपने होंगे,
  वो लौट आएँगे..."
  शायर इकबाल का उत्तर-
  "ना रख उम्मीद-ए-वफा
  किसी परिंदे से,
  जब पर निकल आते हैं,
  तो अपने भी आशियाना भूल जाते हैं।।"
- जरुरत पड़ने पर ही इंसान की कद्र होती है, क्योंकि-
  बिना जरुरत तो हीरे भी तिजौरी में रखे रहते हैं।
- कृष्ण ने राधा से पूछा- एक ऐसी जगह बताओ, जहाँ मैं नहीं हूँ?
  राधा ने मुस्कुराते हुए कहा- मेरे नसीब में।
  राधाने कृष्ण से पूक्ष "हमारा विवाह क्यों नहीं हुआ?"
  कृष्ण मुस्कुराए और बोले- "राधा! विवाह में तो दो लोग होते हैं, हम तो एक हैं।"
- किसी ने गुरु नानक देव से पूछा-
  "आप इतने बड़े हैं, फिर भी आप नीचे क्यों बैठते हैं?
  गुरु नानक देव जी ने बड़ा खूबसूरत जवाब दिया-
  "क्योंकि नीचे बैठने वाला इंसान कभी गिरता नहीं।"

शायरी

- भरोसा 'खुदा' पर है,
  तो जो लिखा है तकदीर में वो ही पाओगे।
  मगर, भरोसा अगर 'खुद' पर है,
  तो खुदा वही लिखेगा जो आप चाहोगे।
- अगर लोग केवल जरूरत पर आपको याद करते हैं,
  तो बुरा मत मानिए, बल्कि गर्व कीजिए,
  क्योंकि एक मोमबत्ती की याद तब आती है,
  जब अंधकार होता है।
- किस्मत से लड़ने में मजा आ रहा है दोस्तो,
  ये मुझे जीतने नहीं दे रही
  और हार मैं मान नहीं रही हूँ।
- छू ले आसमान, जमीन की तलाश न कर,
  जी ले जिंदगी खुशी की तलाश न कर,
  तकदीर बदल जाएगी खुद ही मेरे दोस्त!
  मुस्कुरान। सीख ले वजह की तलाश मत कर
- किसी ने भगवान से पूछा-
  ''गॉड, अल्लाह, ईश्वर और वाहे गुरु में क्या अंतर है?''
  भगवान् मुस्कुराकर बोले-
  ''वही जो मॉम, अम्मी, माँ और बेबे में है।''
- तुम कब सही थे, इसे कोई याद नहीं रखता।
  तुम कब गलत थे, इसे कोई नहीं भूलता।
- लोग रूप देखते हैं,
  हम दिल देखते हैं।
  लोग सपना देखते हैं,
  हम हकीकत देखते हैं;
  बस फर्क इतना है कि
  लोग दुनिया में दोस्त देखते हैं;
  हम दोस्तों में ही दुनिया देखते हैं।
- नफरत को हजार मौके दो
  कि वो प्रेम में बदल जाए,
  लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो
  कि वो नफरत में बदल जाए।
- जिंदगी में समय से बड़ा कोई अपना या पराया नहीं होता
  समय आपका हो, तो सभी अपने हैं और
  समय आपका नहीं, तो सभी पराये हैं।

ललिता नैहरा
बी०एससी० द्वितीय वर्ष
अनुक्रमांक-2786

- एक तलवार की कीमत होती है
  उसकी धार से
  और इंसान की कीमत होती है
  उसके व्यवहार से
- संघर्ष में आदमी अकेला होता है
  स्वतंत्रता में दुनिया उसके साथ होती है।

आज का संदेश

सोनिया
बी०ए०-तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक-2147

अमीर वह नहीं जिसके पास विपुल सम्पत्ति है बल्कि वह है जिसके पास अपने बूढ़े माँ-बाप के लिए समय है।

ज़िन्दगी

मुस्कुराने के मकसद न ढूँढ,
वरना जिंदगी यूँ ही कट जाएगी।
कभी बेवजह मुस्करा के तो देख,
तेरे साथ-साथ ज़िंदगी भी मुस्कुराएगी।।

सीखो

फलों से सीखो मुस्काना,
पेड़ों से सीखो झुक जाना,
पर्वतों से सीखो मजबूती,
नदी से सीखो बढ़ते जाना।
फल वाले पेड़ों से सीखो उपकार कमाना,
कोयल की वाणी से सीखो मीठे वचन सुनाना।
तोते से सीखो सुन-सुन कर अपना ज्ञान बढ़ाना,
सृष्टि की हर चीज़ से सीखो, जीवन सफल बनाना।

तथ्य

मीना
बी०ए०-प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक-598

1. प्याज़ के प्रत्येक खण्ड में 360 पौंड प्रति इंच पानी होता है। इतना पानी बॉयलर को चलाने के लिए पर्याप्त है।
2. यदि हमें उन संख्याओं का वर्ग करना हो, जिनमें इकाई का अंक 5 हो, तो हम शुरु से 5×5 = 25 लिखकर, फिर संख्या के बाईं ओर जितनी भी संख्या शेष बच गई उसमें '1' जोड़कर दोनों संख्याओं (शेष बची हुई संख्या × शेष संख्या में 1 जोड़ने से प्राप्त संख्या) को गुणा करके उत्तर के बाईं ओर लिख देंगे। जैसे-

(95) 2	=	5 को 5 से गुणा	= 25	=	25
		9 में 1 जोड़ें	= 10×9=90	=	90
					9025

3. '0' (शून्य) का आविष्कार हमारे भारत में आर्यभट्ट जी द्वारा किया गया।
4. दिल्ली का असली नाम पहले डिल्ली था, जो ईसा से 57 वर्ष पहले डिल्ली से दिल्ली बन गया। यह नाम अंग्रेज़ों ने रखा था।
5. प्रोटीन शब्द का प्रयोग सबसे पहले बरजेलियास के द्वारा किया गया।
6. क्रिकेट गेंद का वज़न साढ़े पाँच व पौने छः ओंस होता है।
7. सिक्किम राज्य ऐसा राज्य है जहाँ पर आजादी के बाद से कोई हत्या नहीं हुई।
8. हमारे शरीर में एक लाख जीन होते हैं।
9. घेंघा एक ऐसा जीव है जो अपना लिंग बदल लेता है।

चुटकुले

एकता मलिक
बी०ए० प्रथम वर्ष
अनुक्रमांक 134

1. टीचर- जिसे सुनाई न दे, उसे अंग्रेज़ी में क्या कहेंगे?
   छात्र- जो मर्ज़ी कह लो, उसे कौन-सा सुनाई देगा।
2. टीचर (छात्रों से)- 'उसने कपड़े धोए' और 'उसे कपड़े धोने पड़े' इन दोनों वाक्यों में अंतर बताओ।
   छात्र- सर। पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित होने और दूसरे से विवाहित होने का पता चलता है।
3. एक बार एक सास अपने 3 दामादों का प्यार देखने के लिए दरिया में कूद गई। उसे एक दामाद ने बचा लिया। इसके बदले सास ने उसे तोहफे में कार दी।
   अगले दिन वह फिर दरिया में कूद गई, तो दूसरे दामाद ने बचा लिया। इसके बदले सास ने उसे मोटरसाइकिल दी।
   तीसरे दिन सास फिर दरिया में कूद गई। तीसरे दामाद ने सोचा, 'अब सास को बचाया, तो साइकिल ही मिलेगी।' इसलिए उसने सास को नहीं बचाया। लेकिन फिर भी दामाद को महंगी कार मिली।
   कैसे...?
   ससुर ने दी।
4. टीचर छात्र से- नाड़े को अंग्रेज़ी में क्या कहते हैं?
   छात्र- पी-एच०डी०
   टीचर- कैसे।
   छात्र- पी से पजामा, एच से होल्ड और डी से डिवाइस

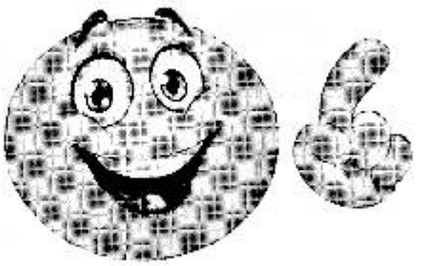

ज्ञानेन अलंक्रियते बुद्धिः

हिन्दू कन्या महाविद्यालय

जीन्द

ज्ञान स्तंभ

2015-16

संस्कृत विभाग

प्राध्यापिका सम्पादिका
श्रीमती सुषमा वर्मा

छात्रा सम्पादिका
नीतू रानी
बी.ए. तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक नं. : 2188

विषयानुक्रमणिका

क्र.स.	विषय	लेखक	पृ.स.
1.	सम्पादकीयम	श्रीमती सुषमा वर्मा	76
2.	वेद वाणी	विशोका	77
3.	सूक्तियाँ	प्रियंका	77
4.	संख्या शब्दा:	प्रीति	77
5.	पहेलियाँ	राज रानी	78
6.	गुरू	मनीषा	79
7.	कस्य किं आभूषणम्	पूजा	79
8.	मैत्री पुनस्तवीदृशी	सुशीला	79
9.	गायत्री मंत्र	मनीषा	80
10.	परिश्रमस्य महत्वम्	नीतू	80
11.	लोकोक्तय:	मौसम	81
12.	सूक्ति सुधा	अनिशा	81
13.	किं कर्तव्यम्	रेणु	81
14.	नीति सूक्तय:	अंजली	82
15.	हास्यवृत्तानि	अनिशा	83

सम्पादकीय...

श्रीमती सुषमा वर्मा
प्राध्यापिका, संस्कृत विभाग

सत्यं परमं धनं विद्यते। सर्वेषां गुणानां सारं सत्यमेव वर्तते। भारतीय-धर्मशास्त्रेषु सत्यस्य महिमा गीयते। देशस्य राष्ट्रस्य, समाजस्य, परिवारस्य मर्यादा सत्ये आधारिता वर्तते। ये जनाः असत्यं वदन्ति तेषां न कोऽपि विश्वासः न तं प्रति आस्था। सत्यवादी जनः लोके यशों जयं च लभते। मर्यादा पुरूषोत्तम राम सत्यवादी आसीत् यस्य कीर्तिः अद्यापि गीयते।

कथितम् चः

''सत्यमेव जयते नानृतम्''

वेद वाणी

विशोका

बी.ए. प्रथम, 112

1) संगच्छध्वं सं वदध्वम्।
अर्थ :- मिलकर चलो मिलकर बोलो।

2) न स सखा यो न ददाति सख्ये।
अर्थः वह मित्र ही क्या जो अपने मित्र की सहायता नहीं करता।

3) स्वस्ति पन्थामनु चरेम।
अर्थः- हे प्रभो! हम कल्याण मार्ग के पथिक बनें।

4) तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।
अर्थः- मेरा मन उत्तम संकल्पों वाला हो।

5) सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु।
अर्थः- हमारे लिए सभी दिशाएँ कल्याणकारी हों।

6) न धर्म-वृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।
अर्थः- धर्म में महान लोगो की आयु नहीं देखी जाती।

7) विद्या ददाति विनयं
अर्थः- विद्या मनुष्य को नम्रता प्रदान करती है।

8) न हि सत्यात्परो धर्मः।
अर्थः- सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है।

सूक्तियाँ

प्रियंका

बी.ए. द्वितीय, 1124

1. **नास्त्यहंकारसमः शत्रुः।**
अर्थ :- अहंकार से बड़ा मनुष्य का कोई शत्रु नहीं।

2. **सत्याद् देवो वर्षति।**
अर्थ :- सत्य पर ही देवताओं का आशीर्वाद बरसता है।

3. **न मीमांस्या गुरवः।**
अर्थ :- गुरूओं की आलोचना न करें।

4. **नानृतात्पातकं परम्।**
अर्थ :- झूठ से बड़ा कोई पाप नहीं।

5. **आयुः क्षयी दिवा निद्रा।**
अर्थ :- दिन में सोने से आयु कम होती है।

6. **भग्यवन्तमपरीक्ष्यकारिणं श्रीः परित्यजतिः।**
अर्थ :- बिना विचारे कार्य करने वालों को भाग्य लक्ष्मी त्याग देती है।

7. **न दैवप्रमाणानां कार्यसिद्धिः।**
अर्थ :- जिन्हें भाग्य पर विश्वास नहीं होता, उनकें कार्य पूरे नहीं होते।

8. **विद्याविहीनः पशुः।**
अर्थ :- विद्या के बिना मानव पशु के समान है।

संख्या-शब्दाः

प्रीति

बी.ए. तृतीय, 2111

1) एकः ईश्वरः अस्ति।
2) द्वौ पादौ भवतः दक्षिणः वामश्च।
3) त्रयः वर्णा सन्ति - अस्माकं राष्ट्र ध्वजे।
4) चत्वारः वेदाः सन्ति ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः, अथर्ववेद च।
5) पंच अमृतानि - दुग्धं दधिः मधुः शर्कराः धृतं च
6) षट् ऋतवः बसन्तः ग्रीष्म, वर्षाः, शरदः हेमन्त शिशिरश्च।
7) सप्त दिवसाः सप्ताहे सन्ति। रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरू शुक्र, शनिश्च।
8) अष्टः धातवः सन्ति।
9) नव ग्रहाः सन्ति।
10) दश दिशाः सन्ति।

पहेलियाँ

राज रानी
बी.ए. प्रथम, 265

1) कस्तूरी जायते कस्मात?
को इन्ति करिणां कुलम?
मृगात् सिंहः पलायते।।
कि कुर्यात कातरो युद्धे?
सरलार्थ :- कस्तूरी किससे उत्पन्न होती है? (हिरण से)
पशु पक्षियों के कुल का विनाशक कौन है? (शेर)
कायर युद्ध में क्या करता है? (मैदान से भाग जाता है)

2) सीमन्तिनीषु का शान्ता?
राजा कोऽभूत् गुणत्तमः?
विद्वद्भिः का सदा वन्धा?
सरलार्थः नारियों में कौन शान्त है? (सीता)
श्रेष्ठ गुणों से युक्त राजा कौन है? (श्री राम)
विद्वानों द्वारा सदा कौन पूजी जाती है? (विद्या)

3) कं बलवन्तं न बाधते शीतम्
का शीतलवाहिनी गङ्ग।।
के दारपोषण रताः
भोजनान्ते च किं पेयम्।।
सरलार्थ :-किस बलवान को सर्दी नहीं लगती? (कम्बल वाले को)
शीतल धारा वाली गङ्ग।। कहाँ बहती है? (काशी की भूमि पर)
खेत के पोषण में कौन संलग्न रहता है? (किसान)
भोजन के अंत में क्या पीना चाहिए? (छाछ)

4) वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराजः
त्रिनेत्र धारी न च शूलपाणी।
त्वगवस्त्रधारी न च सिद्धयोगी
जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघः।।
सरलार्थ :- पेड के ऊपर रहने वाला है, लेकिन पक्षियों का राजा नहीं है।
तीन नेत्रों वाला है लेकिन त्रिशूल को धारण करने वाला नही है।
छाल रूपी वस्त्र को धारण करता है, लेकिन सिद्ध योगीराज नहीं है,
जल को धारण करता हुआ भी न तो घड़ा है और न ही बादल है। (नारियल)

गुरु

मरीषा

बी.ए. प्रथम, 457

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्
किम् अस्ति तत् पदम
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तं ज्ञानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरू' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरूणाम् ममं शतं शत प्रणामः।

कस्य किं आभूषणम्

पूजा

बी.ए. द्वितीय, 1244

1)	**दिवस्य आभूषणम्**	:	रवि
2)	**निशायाः आभूषणम्**	:	शशिः
3)	**नारीणाम् आभूषणम्**	:	पतिः
4)	**मुखस्य आभूषणम्**	:	सुवाकः
5)	**हस्तस्य आभूषणम्**	:	दानं
6)	**सज्जनानाम् आभूषणम्**	:	परोपकारः
7)	**कण्ठस्य आभूषणम्**	:	सत्यम्
8)	**वीरस्य आभूषणम्**	:	शौर्यम्
9)	**छात्राणाम् आभूषणम्**	:	विद्याध्ययनम्
10)	**पत्रकारस्य आभूषणम्**	:	लेखनी

मैत्री पुनस्त्वीदृशी

सुशीला

बी.एस.सी. 2706

1) **केनाऽमृतमिदं सृष्ट मित्रमित्यक्षर द्वयम्।**
आपदां च परित्राणं शोक-सन्ताप भेषजम्॥

अर्थः किसने इस अमृतमयी, दो अक्षर वाले 'मित्र' शब्द को बनाया है? जो आपत्तियों से रक्षा करने वाला तथा शोक व व्याकुलता मे औषधि के समान है।

2) **स्वाभाविकं तु यन्मित्रं भाग्येनैवाभिजायते।**
तद कृत्रिमसौहार्द मापत्स्वपि न मुञ्चति॥

अर्थः- वह जो स्वभाव से मित्र हो जाता है भाग्य से ही मिल जाया करता है उसका बनावट रहित मैत्री भाव आपत्ति में भी साथ नहीं छोड़ता।

3) **दूरस्थोऽपि समीपस्थो यो यस्य हृदि वर्तते।**
यो यस्य हृदये नास्ति समीपस्थोऽपि दूरगः॥

अर्थः- मित्र जिसके हृदय में रहता है वह इस दूर रहते हुए पास मे ही रहता है जो मित्र जिसके हृदय में नही रहता है वह पास मे रहते हुए भी दूर रहता है।

4) **अप्रियाण्यपि पथ्यानि ये वदन्ति नृणामिह।**
त एव सुहृदः प्रोक्ता अन्ये स्युर्नामधारकाः॥

अर्थः- जो मित्र इस संसार में अप्रिय लगने वाले हितकारी वचन कहते हैं वे ही सच्चे मित्र हैं। दूसरे तो नाममात्र के ही मित्र होते हैं।

गायत्री मंत्र

मनीषा

बी.ए. द्वितीय, 1175

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं।

भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

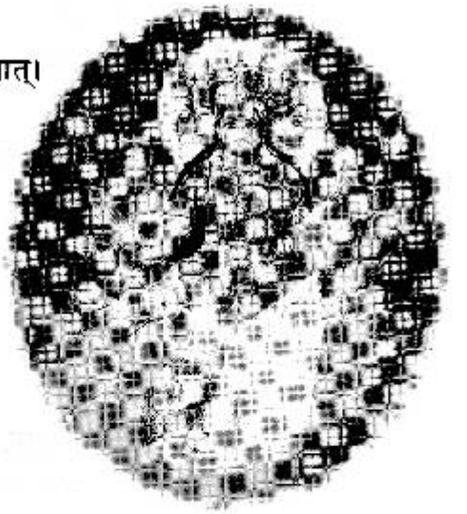

ॐ	:	ईश्वर सर्वव्यापक
भू	:	सत्यस्वरूप
भुव	:	ज्ञान स्वरूप
स्वः	:	सुख स्वरूप हैं।
तत्	:	उस
सवित	:	सबको उत्पन्न करने वाला
वरेण्यम्	:	ग्रहण करने योग्य
भर्गो	:	सब पापों के भंजन, परमात्मा का दिव्य स्वरूप
देवस्य	:	ज्ञान आनन्द और प्रकाश देने वाले, विजय कराने वाले दिव्य स्वरूप परमात्मा का
धीमहि	:	हम सब ध्यान करते हैं हम तुम्हारी शरण में है।
धियः	:	बुद्धियों को
यः	:	वह परमात्मा
नः	:	हमारी
प्रचोदयात्	:	धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष में प्रेरणा करे, शुभ कर्मो में प्रेरित करे।

परिश्रमस्य महत्वम्

नीतू

बी.ए. तृतीय, 2188

अस्मिन् संसारे सर्वे प्राणिनः सुखार्थं प्रयत्नं कुर्वन्ति। ते जानान्ति यत परिश्रम विना कार्यस्य सिद्धिर्न भवति। प्रकृतिरपि रात्रिर्दिव परिश्रमं करोति। सूर्यः प्रतिदिनं आकाशें प्रकटीभूत्वा प्रकाशं वितरति। पृथ्वी चक्रवत् भ्रमति, वायुः सततं प्रवहति, रात्रिः समयानुसारेण आगच्छति च प्रत्यावर्तति, ग्रीष्म, वर्षा -शरद-ऋतवः प्रतिवर्ष आगत्य वातावरणं तदानुसारेण कुर्वन्ति। अतः सर्वे एव परिश्रमशीला सन्ति कथं मानवः परिश्रमरहितः स्यात? यथा च कथितम्:।

''उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।''

आलस्य मानवानां परम-शत्रु वर्तते। इतिहास साक्षी वर्तते यत् ये परिश्रमशीलाः भवन्ति ते सुप्रसिद्धा भवन्ति। परिश्रमेण मानवाः भाग्यनिर्माण कर्वन्ति। यदि मानवः परिश्रमं न कुर्यात, तस्ये जीवने निराशा भवेत्। परिश्रम कृत्वा एव मानवः सफलता लभते।

लोकोक्तयः

मौसम

बी.ए. द्वितीय, 110

1) अद्धो घटो घोषमुपैति नूनम्।
अर्थः- अधजल गगरी छलकत जाय।

2) अपन्थानं सोदरोऽपि विमुञ्चति।
अर्थः- कुमार्गगामी को सगा भाई भी छोड़ देता है।

3) कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा।
अर्थः- दुःख बिना सुख कहा।

4) एका क्रिया द्वयर्थकरी प्रसिद्धा।
अर्थः- एक पंथ दो काज।

5) देहली – प्रापितो विप्रः करपादं प्रसारयेत्।
अर्थः- उंगली पकडते पहुँचा पकडना।

6) परार्थे योजितं पापं फलत्यात्मन्य संशयम्।
अर्थः- जैसी करनी वैसी भरनी।

7) बहिर्ध्यानं परेशस्य चित्ते कामस्य नर्तनम्।
अर्थः- मुहँ में राम, बगल में छुरी।

8) ये गर्जन्ति मुहुर्मुह जलधाराः वर्षन्ति नैतादृशाः।
अर्थः- जो गरजते है वे बरसते नहीं।

9) वाप्यामेव न चेद्वारी कुतः कुम्भो जलागमः
अर्थः- न होगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

सूक्ति सुधा

अनिशा

बी.एस.सी. द्वितीय 2746

1) **नास्ति मातृसमो गुरूः।**
माता के समान कोई दूसरा गुरू नहीं।

2) **मतिरेव बलाद् गरीयसी।**
बुद्धि ही बल से अधिक बलवान है।

3) **गुरूः प्राज्ञे जडे वा समं विद्या वितरति।**
गुरू मूर्ख और बुद्धिमान को समान विद्या देता है।

4) **परोपकाराय सतां विभूतयः।**
सज्जनों का धन परोपकार के लिए होता है।

5) **हि सत्यात्परो धर्मः।**
सत्य से बढ़ कर कोई धर्म नहीं है।

6) **पदं हि सर्वत्र गणै र्निधीयते।**
गुण सब जगह अपना स्थान बना लेते है।

7) **सहसा विदधीत न क्रियाम।**
अचानक बिना सोचे समझे कार्य नहीं करना चाहिए।

8) **विद्या ददाति विनयं।**
विद्या मनुष्य को नम्रता प्रदान करती है।

किं कर्त्तव्यम्

रेणु

बी.ए. तृतीय, 2212

1)	किं कर्त्तव्यम्?	:	परोपकार।
2)	किं हर्तव्यम्?	:	पर-जन-भार।
3)	किं परिधेयम्?	:	स्वच्छं वसनम्।
4)	किं विज्ञेयम्?	:	निज-कर्त्तव्यम्।
5)	किं अनुष्ठेयम्?	:	निज-मन्तव्यम्।
6)	किं वक्तवयम्?	:	हितकर वचनम्।
7)	किं श्रोतव्यम्?	:	मधुरं वचनम्।
8)	क्व स्नातव्यम्?	:	स्वच्छे नीरे।
9)	क्व भ्रमितव्यम्?	:	स्वच्छे समीरे।
10)	क्व पठितव्यम्?	:	स्वच्छे प्रकाशे।
11)	क्व स्थातव्यम्?	:	सुजन समीपे।

नीति सूक्तयः

अंजली

बी.एस.सी. द्वितीय 2704

1) **अधमा धनामिच्छन्ति धनं मानं च मध्यमाः।**
उत्तमा मानमिच्छन्ति मानो हि महतां धनम्॥

अर्थः- निम्न वर्ग के मनुष्य धन चाहते हैं, मध्यम वर्ग के मनुष्य धन और सम्मान दोनों चाहते हैं। उत्तम श्रेणी के मनुष्य सम्मान चाहते हैं क्योंकि निश्चय से ही, महान् पुरूषों का मान ही धन है।

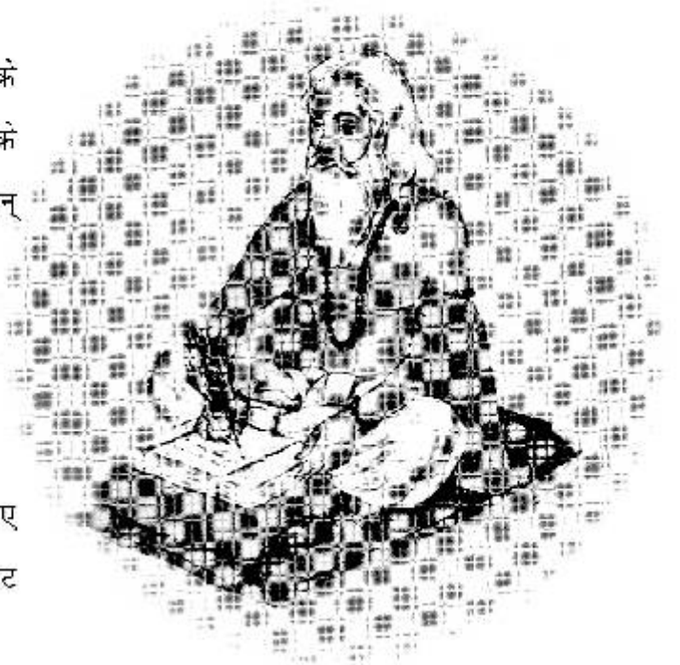

2) **नात्यन्तं सरलैभव्यिं गत्वा पश्यवनस्थलीम्।**
छिद्यन्ते सरलास्तत्र कुब्जास्तिष्ठन्ति पादपाः॥

अर्थः- बहुत अधिक सरल स्वभाव का नहीं होना चाहिए वन प्रदेश मे जाकर देख लीजिए। वहाँ पर सीधे वृक्ष काट दिए जाते हैं। टेढे मेढे वृक्ष खडे रहते है।

3) **दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः।**
सर्पः दशति काले तु दुर्जनस्तु पदे पदे॥

अर्थः- दुर्जन व साँप में से साँप ही अच्छा है दुर्जन नहीं क्योंकि साँप तो समय आने या परेशान करने पर काटता है परन्तु दुर्जन तो कदम-2 पर कष्ट देता है।

4) **एकेनापि सुपुत्रेण विद्यायुक्तेन साधुना।**
आह्लादितं कुलं सर्वं यथा चन्द्रेण शर्बरी॥

अर्थः- विद्या को प्राप्त करने वाले, अच्छे स्वभाव वाले, एक उत्तम पुत्र से समस्त कुल प्रसन्नचित्त हो जाता है। जैसे एक चन्द्रमा से ही रात्रि सुशोभित होती है।

हास्यवृत्तानि

अनिशा
बी.एस.सी. द्वितीय 2746

1) **केनचित् मूर्खपुरूषेण स्वरोगि मित्र समीपे गत्वा ''श्रीमन्मित्र। अधुना ज्वरः तु न भवति।'' इति। रोगिणा उक्तम्: – ''तापस्तु त्रुटितः परं कटयां पीडाऽस्ति।'' मूर्खः अवदत्:-**

''ईश्वरस्य कृपया यथा ज्वरः त्रुटिकः तथा कटिरपि त्रुटिष्यति।

अर्थः- किसी मूर्ख मनुष्य ने अपने रोगी मित्र के पास जाकर पूछा – ''मित्र जी! अब ताप तो नहीं होता।'' रोगी ने कहा ''ताप तो टूट गया है परन्तु कमर में पीडा है,'' मूर्ख बोला – ''ईश्वर की कृपा से जैसे ताप टूट गया है, वैसे ही कमर भी टूट जाएगी।''

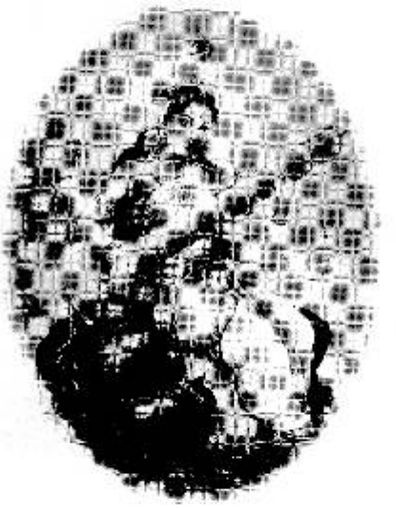

2) **समाप्ते हि युद्धे सेनापतिः अपृच्छत् कथय संग्रामे कानि कानि वीरतायाः कार्याणि कृतवन्तः इति। तेषु एकेन कथितम् मया खड्गेन् शत्रो जंघाच्छेदिता इति। सेनापतिना उक्तम् शिरः कुतः न छेदितम् इति। सैनिक कथितवान् शिरः तु तस्य पूर्वमेव छिन्न आसीत्। मया विचारितम् धावित्वा पुनर्न आगच्छेत् अतः तस्य जंघऽपि कीर्तिता इति।**

अर्थः- युद्ध समाप्त होते ही सेनापति ने सिपाहियों से पूछा कहो लड़ाई में क्या-2 बहादुरी के काम किए? उनमें से एक ने कहा, मैंने तलवार से शत्रु की टाँग काट दी। सेनापति ने कहा सिर क्यों नहीं काटा? सिपाही बोला, सिर तो उसका पहले ही कटा पड़ा था, मैंने सोचा कि दौड़ कर फिर न आ जाए, इसलिए उसकी टाँग भी काट दी।

Hindu Kanya Mahavidyalya
Jind

GYAN - STAMBH

2015-16

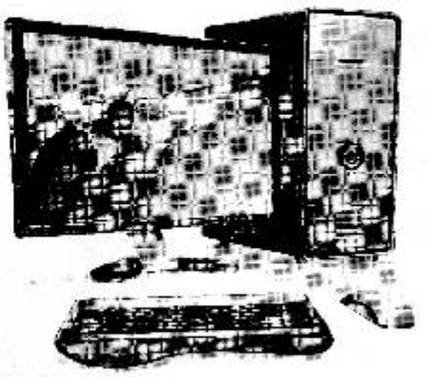

MATHEMATICS
AND
COMPUTER SCIENCE SECTION

Staff Editor :
Mrs. Anju

Student Editor :
Teena

CONTENTS

Sr. No.	Title	Writer	Page No.
1.	The Causes And Prevention of Maths Anxiety	Mrs. Anju	86
2.	Maths Connections	Mrs. Anju	87
3.	Do U Know About Computer?	Ms. Vimmi	88
4.	Negative Effects of Internet on Students	Poonam Gill	89
5.	Some Interesting Tricks on Mathematics	Mrs. Anju	91
6.	Magic Number	Mrs. Anju	92
7.	Great Mathematicians of India	Mrs. Anju	92

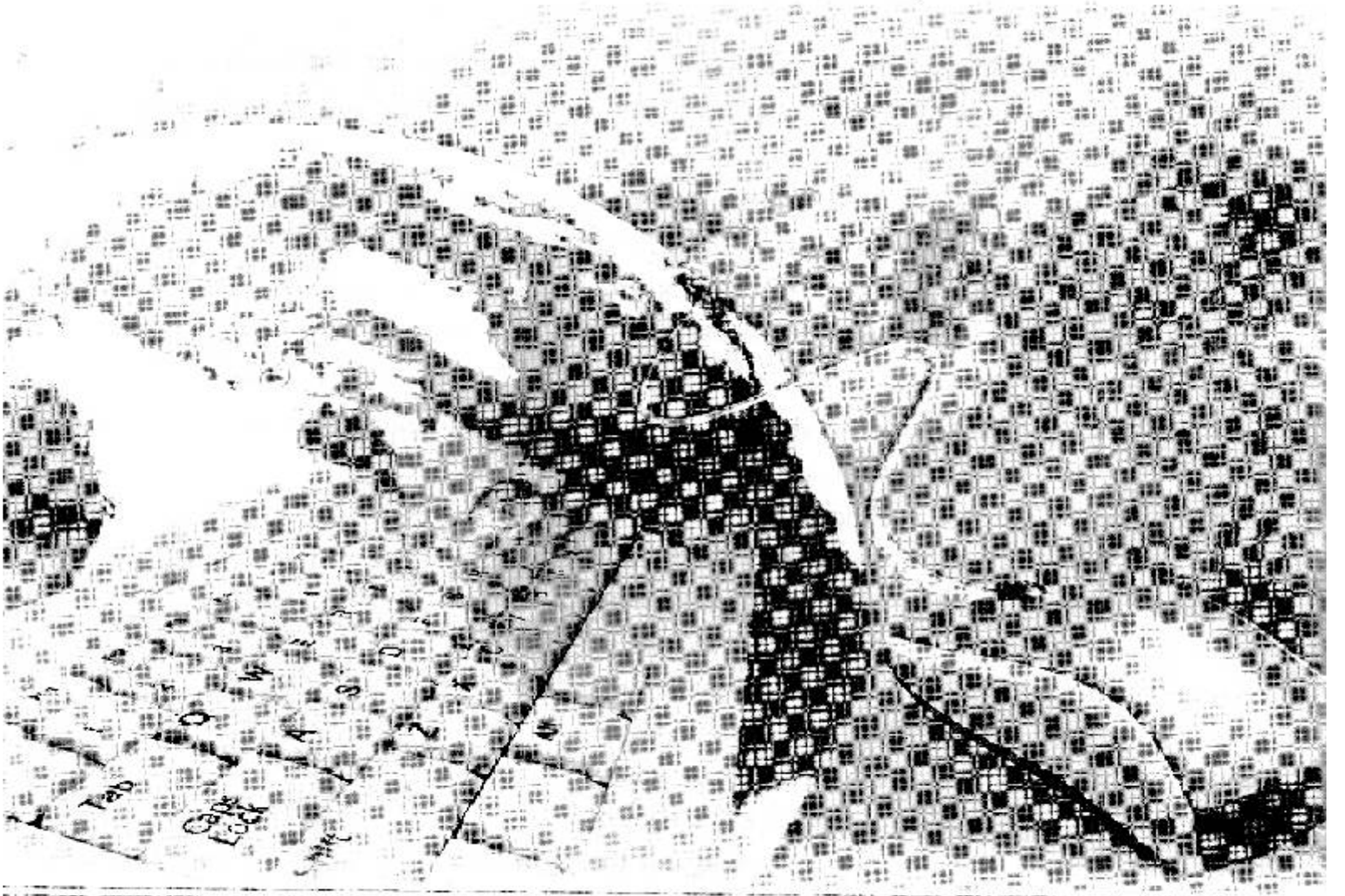

The Causes And Prevention of Math Anxiety

Mrs. Anju

Asst. Prof. of Maths

Mathematics anxiety has been defined as feelings of tension and anxiety that interfere with the manipulation of numbers and the solving of mathematical problems in a wide variety of ordinary life and academic situations. Math anxiety can cause one to forget and lose one's self confidence.

Pressure of timed tests and risk of public embarrassment have long been recognized as sources of unproductive tension among many students. Therefore, teaching methods must be re-examined. Consequently, there should be more emphasis on teaching methods which include less lecture, more student directed classes and more discussion. Teachers should design classrooms that will make children feel more successful. Students must have a high level of success or a level of failure that they can tolerate. Therefore incorrect responses must be handled in a positive way to encourage student participation and enhance student confidence.

Studies have shown students learn best when they are active rather than passive learners. To learn Mathematics, students must be engaged in exploring, conjecturing and thinking rather than, engaged only in rote learning of rules and procedures.

Math must be looked upon in positive light to reduce anxiety. Young children enjoy cartoons and jokes. Cartoons may be used to introduce a concept or for class discussion. We can also use manipulatives, pictures and symbols to represent abstract ideas. Cooperative groups provide students a chance to exchange ideas to ask questions freely, to explain to one another to clarify ideas in meaningful way and to express feelings about their learning.

In conclusion, Math anxiety is very real and occurs among thousands of people. Much of this anxiety happens in the classroom due to the lack of consideration of different learning styles of students. Therefore, teachers must re-examine traditional teaching methods which often do not match students learning styles. Lessons must be presented in a variety of ways. For instance, a new concept can be taught through play acting, co-operative groups, visual aids, hands on activities and technology. As a result once young children see math as fun, they' ll enjoy it, and the joy of Mathematics could remain with them throughout the rest of their lives.

Math Connections

Mrs. Anju

Asst. Prof. of Maths

I have always been fascinated by connections between Mathematics and other disciplines. From my experience, students are more motivated to learn Mathematics when these connections are made in the classroom. This article is devoted to connecting Math with other disciplines (science, social studies etc.) and with the real world.

Mathematics and History of Computers - Students can examine the binary number system. They can look at the relationship between base 2 numbers and how computer circuitry was developed. The history of computers can be studied from the invention of the ENIAC through today's wireless devices.

Mathematics and Science - A math teacher can teach students about exponential notation. Once students become proficient in reading and writing numbers in exponential form, and in converting numbers between exponential, factor and standard form, they can apply this knowledge to topics in science. For example, they can write the distance between the sun and each planet using scientific notation. For advanced students, we can teach them about negative exponents. Then they can explore the half life of certain radioactive elements or the size of bacteria and viruses.

Mathematics and Social Studies - After teaching a unit on graphing, you can have your students apply these skills to topics in social studies. For example they can draw bar graphs to compare the population, per capita income and population density of various countries.

Mathematics and Sports - Students can compute the percent win-loss of games played by their favourite sports teams. They can find data on teams in their college or for professional teams online and in the newspapers. You can bring this activity into the computer lab by placing all the data in a spreadsheet. A formula can be used to compute the percent win-loss.

Mathematics and Writing - One of the things stressed by standardized tests is the ability to answer open-ended questions. Typically, students are asked to provide written explanations for solutions to Maths problems. This assesses their ability to express their mathematical ideas in written form. We should do a Mathematics project that involves writing to help the students prepare for these types of questions.We should ask students to answer several open-ended questions using full sentences. The math teacher can grade students based on the mathematical correctness of their responses.

Do U Know About Computer?

Ms. Vimmi
Asst. Prof of Computer Science

1. 80% of all pictures on the internet are of **naked women**
2. Another name for a Microsoft Windows tutorial is 'Crash Course'! .
3. **Bill Gates** house was designed using a **Macintosh computer.**
4. By the year 2012 there will be approximately 17 billion devices connected to the internet.
5. Domain names are being registered at a rate of more than one million names every month.
6. E-mail has been around longer than the World Wide Web.
7. For every '**normal' webpage,** there are **five porn pages.**
8. In the 1980s, an IBM computer wasn't considered 100% compatible unless it could run **Microsoft Flight Simulator*.**
9. My Space reports over 110 million registered users. Was it a country, it would be the tenth largest, just behind Mexico .
10. One of every 8 married couples in the US last year met online.
11. The average 21 year old has spent 5,000 hours playing video games, has exchanged 250,000 e-mails, instant and text messages and has spent 10,000 hours on the mobile phone.
12. The average computer user blinks 7 times a minute, less than half the normal rate of 20.
13. The first banner advertising was used in 1994.
14. The first computer mouse was invented by Doug Engelbart in around 1964 and was made of wood.
15. The first domain name ever registered was Symbolics.com.
16. The world's first computer, called the Z1, was invented by Konrad Zuse in 1936.
    His next invention, the Z2 was finished in 1939 and was the first fully functioning electroanical computer.
17. There are approximately 1,319,872,109 people on the Internet.
18. There are approximately 1.06 billion instant messaging accounts worldwide .
19. While it took the radio 38 years and the television a short 13 years, it took the World Wide Web only 4 years to reach 50 million users.
20. 70% of virus writers work under contract for organized crime syndicates.
21. A program named "Rother J" was the first computer virus to come into sight "in the wild" - that is, outside the single computer or lab where it was created.
22. The worst MS-DOS virus ever, Michelangelo (1991) attacked the boot sector of your hard drive and any floppy drive inserted into the computer, which caused the virus to spread rapidly.
23. A virus can not appear on your computer all by itself. You have to get it by sharing infected files or diskettes, or by downloading infected files from the Internet.
24. Country with the highest percentage of net users is Sweden (75%).
25. The first popular web browser was called Mosaic and was released in 1993

Negative Effects Of Internet On Students

Poonam Gill

Asst. Prof. of Computer Science

Internet is the most powerful invention and if used in the positive direction, internet can prove to be very productive. But, these days, due to the social networking sites such as Facebook taking over, internet is producing adverse effects on the students, especially those students studying in college. As it is rightly said, something that has some positive effects also has some of the negative effects on the other hand. In this article, we are discussing the top 10 negative effects that internet produces on the students.

1. **No Face to Face Communication -** When students are very much indulged in the usage of internet, they might not be able to achieve face to face communication with the friends and the family. There are many instances where students talk to each other on Facebook the entire day and they are in front of each other in reality, they react like they do not even know each other. This is a great disadvantage of internet as this reduces face to face communication among the students. Even the family is ignored by such students and they tend to sit in front of their laptops or desktops the entire day.
2. **Thinking Capacity Reduced -** These days, whenever teacher gives assignments to students, they tend to search it on the internet and copy down the facts. But, this is not the right thing to down. This would reduce their thinking capacity and they just cram the facts listed on the internet. This also makes students lazier. If this thing continues in the future as well, chances are there that students would not do anything on their own and just cram what is given on internet, they would not even try to think whether the matter given there is actually correct or not.
3. **Sexual Exploitation -** According to a study conducted by University of Florida, the students who use internet two to three hours on a daily basis are likely to fall a prey to sexual exploitation. With the advent of internet, exploiting small children sexually has become very easy. There are a large number of sexual predators lying there on the internet and once a student comes in contact with such people, his mind and thoughts are affected by that. In the long run, this can produce adverse effects on the mental health of the student and he is sexually exploited online. In the extreme cases, student might not be able to tell this thing to anyone
4. **Privacy is disturbed -** The more you use internet, more are the chances that your privacy is disturbed. Hacking the internet has become very easy these days, hackers are very intelligent and you cannot even imagine how they are going to use this talent of their to spoil your life. Not only your basic information, but some of your most confidential details might get into their hands if you do not use the internet safely. Students must operate the internet under supervision of their parents and even if they think they are old enough, parents should not allow them to be that much self-dependant.

5. **Addiction -** After alcohol and drugs, internet is the third most addictive thing. Once you fall a prey to this drug of internet, it is very difficult to come back from there. The internet addiction can be of any kind, a student might be addicted to the social networking sites or the gaming sites and in the third case, student may even lose all his family's wealth.
6. **Insomnia -** Due to the presence of internet, some students shorten their sleeping hours. They sit on their laptops late at night, chatting with their friends or playing games on the online gaming sites. If this thing continues for a long time, insomnia may occur. This is a state where a person is unable to sleep. This condition is very harmful as we all know that proper sleep is a must for good health. Not only it would affect your mental growth, but your physical growth would also be very much affected by it. These days, students check their updates on Facebook and Gmail even in the middle of nights on their mobiles. This also causes problems in the eyes of the students.
7 **Moral corruption -** There are many things available on the internet that should not be in the reach of students. But internet does not have any hard and fast rule for that. A five years kid can approach the content which only an eighteen plus is allowed to see. This leads to some kind of moral corruption among the students. The innocence and purity of the school students as well as the college students is extremely affected by such things.
8. **Cyber bullying -** When students use the internet to bully other students of the same age group, this is known as cyber bullying and this is a very negative effect of the internet on the students. Students feel insulted or embarrassed when someone bullies them and this may lead to depression sometimes. Mental harassment also comes under this category. There have been many cases reported where some of the students have committed suicides as a result of cyber bullying. As the usage of internet is increasing day by day, cases of cyber bullying are also increasing simultaneously.
9 **Wastage of Time -** Obviously, the more you sit in front of your computer, lesser the time you would give to jour studies. Students do not realise this fact soon and when their exams approach, they feel like a lot of course is yet to be studied and they have wasted all their time on the internet. In some of the cases, students start failing in their exams which lead to further depression. Internet is a very valuable resource no doubt, but if students use it excessively, even this resource can produce very negative effects.
10. **Inactivity -** These days, students hardly do any of the physical exercises. They prefer bikes instead or cycles or walking. This may cause obesity. And, to add to this problem, internet is there. Students spend most of their leisure time sitting at one place in front of their computers and very less movement is done by their body. Lack of any kind of activity is one of the root causes of all the problems occurring to the body. Even at night, instead of sleeping, they prefer to waste their time on the internet. Many of other health related problems may also rise due to obesity and inertia.

Some Interesting Tricks on Mathematics

Mrs. Anju
Asstt. Prof. of Maths

(TRICK - 1)

Step 1. Think of a number below 10.
Step 2. Double the number you have thought.
Step 3. Add 6 with the getting result.
Step 4. Half the answer, that is divide it by 2.
Step 5. Subtract the number you have thought from the answer.
Answer 3

(TRICK - 2)

Step 1. Think of any number.
Step 2. Subtract 1 from the number you have thought.
Step 3. Multiply the result with 3.
Step 4. Add 12 with the result.
Step 5. Divide the answer by 3.
Step 6. Add 5 with the answer.
Step 7. Subtract the number you have thought from the answer.
Answer 8

(TRICK - 3)

Step 1. Think of any number.
Step 2. Multiply the number by 3.
Step 3. Add 45 with the result.
Step 4. Double the result.
Step 5. DIvide the answer by 6.
Step 6. Subtract the number you have thought from the answer.
Answer 15

(TRICK - 4)

Step 1. Think of any 3 digit number, but each of the digits must be the same for example 333, 444, 555.
Step 2. Add up the digits.
Step 3. Divide the 3 digit number with the digits added up.
Answer 37

(TRICK - 5)

Step 1. Think of a 3 digit number.
Step 2. Arrange the number in descending order.
Step 3. Reverse the number and subtract it with the result.
Step 4. Remember it and reverse the answer mentally.
Step 5. Add it with the result, you have got.
Answer : 1089

Magic Number

Mrs. Anju
Asstt. Prof. of Maths

Here is a number which will give you a lot of surprises, This magic number is 142857, Look at these

142857 × 2 = 285714
142857 × 3 = 428571
142857 × 4 = 571428
142857 × 5 = 714285
142857 × 6 = 857142

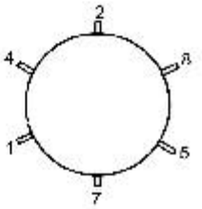

It will be very clear to you by now that if you multiply 142857 by 2, 3, 4, 5, 6 you will get same figures in the same order, starting in a different place each time, as if they were written round the edge of a circle.

Great Mathematicians of India

Mrs. Anju
Asstt. Prof. of Maths

1. Srinivasa Ramanujan was a famous Indian mathematicians who lived from 1887 to 1920. The theory of numbers brought world wide fame to Ramanujan. He worked with great mathematician, G. H. Hardy at cambridge University.
2. Aryabhata was a famous Indian mathematician who was born in Pataliputra, Bihar in 476 AD- Aryabhata completed his study at the university of Nalanda. Aryabhatiya and Aryabhatasidhanta are the famous book of Aryabhata. He gave the value of p . He gave astronomical data for preparing panchangs. India's first satellite was named in his honour as Aryabhata.
3. Brahmagupta was a famous mathematician if India, who was born in 598 AD in Gujarat. He Gave many operations of zero. Her is consider as the founder of numerical analysis. He also framed laws to solve simple and quadratics equations "Brahmasphutasidhanta" is the most famous book of Brahmagupta.
4. Bhaskara was a famous mathematician and astronomer of India, who was born at Bijapur in 1114 A.D. He is known as the founder of calculus. He gave cyclic method to solve algebraic equations. He gave many formulae and theorems of trigonometry. "Siddhantasiromani" is a famous book of Bhaskara which he wrote at the age of 30. The other book Karanakutuhala, which deals with the astronomical calculations.
5. D. R. Kaprekar was a famous mathematician of India, born on Jun. 17, 1905 at Dahanu near Bombay. In 1946, he discovered "kaprekar constant". He also gave 'self numbers' and Demlo number.

ज्ञानेन अलंक्रियते बुद्धिः

हिन्दू कन्या महाविद्यालय

जीन्द

ज्ञान स्तंभ

2015-16

ANNUAL REPORT

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

डॉ० क्यूटी

संचालिका : सांस्कृतिक कार्यक्रम

महाविद्यालय कीर्ति को बढ़ाने में सहायक सांस्कृतिक गतिविधियाँ महाविद्यालय प्रांगण में निरंतर गतिमान रहती हैं। वर्ष 2015 जुलाई से सत्र प्रारंभ होने पर हर वर्ष की भाँति इन गतिविधियों में उत्साह दिखाने वाली नवीन छात्राएँ महाविद्यालय में प्रवेश पाती है। इन गतिविधियों से प्रत्यक्ष संबंध रखने वाले संगीत विषय को अपने अध्ययन विषयों में शामिल कर इस बार छात्राओं ने संगीत विषय में छात्राओं की कम होती संख्या तथा घटती रूचि वाले विचार को परिवर्तित कर दिया। जोकि कला क्षेत्र के लिए प्रशंसनीय है।

15 अगस्त तथा 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर छात्राएँ देशभक्ति के जज्बे को अपने भीतर लिए अपनी प्रस्तुतियों से समस्त महाविद्यालय परिवार को प्रभावित करती है।

अगस्त माह में छात्राओं की रूचि एवं उनमें कला के विकास को मध्यनजर रखते हुए एक 5 दिवसीय नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिमें छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और कार्यशाला में सीखे हुनर का बेहतरीन प्रदर्शन समय-समय पर होने वाली प्रतिस्पर्धाओं में कर सम्मान प्राप्त किया।

सितंबर मास में महाविद्यालय सभागार में टेलेंट शो का आयोजन किया गया। इस प्रतिस्पर्धा का मुख्य उद्देश्य कॉलिज में आई नवीन छात्राओं के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच तक लाना है और उन्हें आगे बढने की प्रेरणा देना है। छात्राओं ने गायन, नृत्य, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, कविता, वाद्य-वादन, एकल अभिनय जैसे क्षेत्रों में अपना प्रदर्शन दिया व पुरस्कार भी प्राप्त किए। यह पुरस्कार युवा एवं सांस्कृतिक विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के द्वारा हर वर्ष दिए जाते हैं। पुरस्कार में प्रथम व द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमश 600, 500 एव 400 रू का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

अक्टूबर मास मे कु.वि.कु. के हिसार जोन द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, भिवानी रोहिल्ला क्षेत्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस उत्सव में महाविद्यालय छात्राओं ने 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं सराहनीय प्रस्तुतियाँ दीं। प्रथम स्थान हरियाणवी नृत्य में प्राप्त कर महाविद्यालय ने अन्तक्षेत्रीय युवा उत्सव मे भी पुन: प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्तकर हिंदू कन्या महाविद्यालय ने नृत्य क्षेत्र में अपना स्थान बरकरार रखा।

हरियाणा दिवस पर कु.वि.कु. द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय उत्सव 'रत्नावली' में भी छात्राओं ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियाँ दी। तत्पश्चात जींद जिले द्वारा आयोजित गीता जयंती महोत्सव मे छात्राओं ने शिरकत की। जींद के महाविद्यालयों की प्रस्तुतियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हमारे महाविद्यालय का ही रहा। जिसके लिए उपायुक्त, जींद द्वारा छात्राओं को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

महाविद्यालय मे समय समय पर होने वाले सभी कार्यक्रमों में छात्राए अपना मनमोहक प्रदर्शन करती रहती है। मोती लाल नेहरु पब्लिक स्कूल, जींद मे आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव में हमारी टीम ने शास्त्रीय गायन, रागिणी, समूह नृत्य, लघु नाटिका तथा हरियाणवी अनुष्ठान में भाग लिया। जिसमें तीन प्रथम पुरस्कार व एक द्वितीय पुरस्कार प्राप्त कर एक बार फिर कला का उत्कृष्ट नमूना प्रस्तुत किया।

फरवरी माह 2016 में बसंत पंचमी महोत्सव जो कि छोटूराम किसान महाविद्यालय जींद में मनाया गया वहाँ पर हुई प्रतियोगिता में लघु नाटिका एवं भजन गायन की प्रस्तुति देकर छात्राओं ने पुरस्कार प्राप्त किया साथ ही चलविजयोपहार विजेता भी हमारा कॉलिज ही रहा। विगत वर्ष भी यह ट्रॉफी महाविद्यालय ने ही प्राप्त की थी।

दिनांक 16-03-2015 को महाविद्यालय मे शहीद उद्यम सिंह नाटक मंच की ओर से एक नुक्कड़ नाटक 'एक नई शुरुआत का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य कन्याओं तथा महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं अपने अस्तित्व के प्रति सजग रहने का रहा।

उपरोक्त वर्णित सभी प्रस्तुतियों एवं उपलब्धियों के लिए केवल छात्राओं का पक्ष ही सराहनीय नहीं अपितु समस्त महाविद्यालय स्टाफ कार्यकारिणी समिति एवं प्राचार्य महोदया भी प्रशंसनीय है जिनका साथ एवं हाथ हमारे साथ समय-समय पर पूर्ण रूप से रहता है। जिसके लिए समस्त स्टाफ बधाई एवं आभार के योग्य है।

SPORTS ACHIEVEMENTS

श्रीमती मीना

डी.पी.ई.

1. फरीदाबद मे हुई 22 अगस्त से 24 अगस्त को बास्केट बॉल में कुमारी प्रवीण ने सीनियर स्टेट मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
2. भम्भेवा मे हुई जूनियर हैंडबाल में कुमारी प्रीति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
3. जीन्द में अर्जुन स्टेडियम में हुई योगा Destic में कुमारी प्रिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
4. फरीदाबाद मे हुई जूनियर व सीनियर बास्केट बॉल प्रतियोगिता में कुमारी पिंकी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
5. मंजु, अंजली और नितिशा ने खरक भूरा में 17 से 20 अक्टूबर को हुई बास्केट बॉल Destic मे प्रथम स्थान प्राप्त किया।
6. कुमारी नितिशा, कुमारी अंजली, कुमारी मंजु का खरक भूरा में हुई Women Festival में बास्केट बॉल मे तीन लड़कियों का Selection हुआ।
7. अनमोल, प्रीति, अंजली, नितिशा का भिवानी में हुई सीनियर बास्केटबाल State Level में 4 लड़कियों का स्टेट में चयन हुआ।
8. भिवानी में हुई बास्केटबाल स्टेट में कुमारी, अनमोल, अंजली, नितिशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
9. कुमारी अंजली का सीनियर में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। और 6th Position प्राप्त हुई।
10. कुमारी आशु, कुमारी अंजली, कुमारी मोहिनी, कुमारी प्रिति, कुमारी भतेरी, कुमारी काजल का 8 से 10 April जीन्द मे हुई बास्केट बॉल जूनियर प्रतियोगिता मे 6 लड़कियों का State की टीम मे चयन हुआ।
11. फरीदाबाद मे हुई जूनियर प्रतियोगिता बास्केटबॉल मे कुमारी आशु, कुमारी अंजली, कुमारी काजल, कुमारी प्रति, मंजु, तृतीय स्थान प्राप्त किया।
12. फरीदाबाद में जूनियर मे राष्ट्रीय स्तर पर बास्केट बॉल मे कुमारी मंजु का Camp मे Selection हुआ।

N.S.S.

Mrs. Neelam

Incharge N.S.S.

The N.S.S. unit of College set the precedent of devotion and selfless service during this session also. Above 100 students got their roll numbers enrolled in the unit. To achieve personal growth through community service, the volunteers were made to perform and involve in these activities:-

1. **12th August, 2015**- A meeting of the NSS volunteers was held to motivate them towards the fulfillment of their objective of self development through social service and to make them aware about various rules and regulations of the unit.

2. **Tree Plantation-** On rs" August 'Tree Plantation Programme' was organized. The principal Dr. Alka Gupta, senior staff members Mrs. Shashi Behl, Mrs. Anita Singroha, Mrs. Madhu Khatri, Mrs. Sushma Hooda, Mrs. Rekha Saini, Dr. Geeta Gupta and about 100 volunteers participated in it. N.S.S. volunteers were motivated to grow more and more trees in the society and efforts were suggested to be made for environment enrichment and conservation.

3. **Independence Day-** an is" August, 2015 the N.S.S. volunteers celebrated Independence Day with the rest of the students. They made arrangements for seats for the staff members and the students also participated in other cultural activities on the occasion.

4. **World Literacy Day-** an 9th September, 2015 to celebrate world literacy day a slogan writing competition was held. The following students were awarded prizes.

1st Prize :-	**Roll No.**	**Class**	**Name**
	2825	B.Sc. III	Monika
2nd Prize :-	**Roll No.**	**Class**	**Name**
	2827	B.Sc. III	Sakshi Bhardwaj
	1146	B.A. II	Meeta
3rd Prize :-	**Roll No.**	**Class**	**Name**
	2830	B.Sc. III	Jyoti
	1224	B.A. II	Monika Malik

5. **One day Camp** - On 23rd September 2015 a one day camp was organized by the volunteers. The main thrust of the camp was on the cleanliness of notice boards, hedges, Cycle shed, Class rooms and every corner of the college campus. This project was completed successfully by the volunteers with usual devotion and sincerity towards the work.

6. **N.S. S. Day (24th September) -** On 24th September 2015, N.S.S. Day was celebrated N.S.S. officer Mrs. Neelam told the students about objectives and aim of joining N.S.S. Oath taking ceremony was conducted and volunteers were made aware of social evils like dowry system, AIDS etc. prevailing in the society.

7. **Blood Donation Day -** 1st October, 2015 was celebrated as Blood Donation Day. On that day the N.S.S. Incharge herself addressed the volunteers and told them about the importance and need of blood donation to the needy persons.

8. **World Sanitation Day (Second One day Camp** - A one day camp was organized on 2nd October, 2015 to celebrate fruitfully the world sanitation Day. In the camp the volunteers wiped and cleaned all the rooms and lawns of the college premises devotedly. An essay writing competition was held on the occasion of Gandhi Jayanti Following students won prizes.

	Name	Class	Roll no.
1st Position	Priyanka	B.A. III	2287
2nd Position	Sakshi Bhardwaj	B.Sc. III	2827
3rd Position	Divya	B.Sc. II	2773

9. **Traffic Education Week -** It has been a tradition with N.S.S. unit of the college to celebrate Traffic Education Week every year from 24th October to 31th October. Maintaining the same tradition, this year also Traffic Education Week was celebrated. The incharge told the volunteers about various traffic rules and pamphlets were distributed about regulations that are necessary to be followed so that the life on roads may be made free of danger. This is also note worthy that all the students showed their keen interest in the activities and guidance given to them.

10. **World AIDS DAY -** On 1st December world AIDS Day was celebrated. Volunteers were informed about the reasons and remedies of the fatal disease by the speeches of volunteer are themselves.

11. **Organization of Seven days N.S.S. Camp -** (6th January, 2016 to iz" January, 2016) Seven days special Camp was organized in the college Campus from s" Jan., 2016 to iz" Jan., 2016. The Opening Ceremony of the Camp took place on s"January 2016. On this occasion, Shri Baldev Raj Ahuja, the Vice President, Managing Committee honoured the occasion as Chief Guest. He appreciated the volunteers for taking this task and encouraged them for various activities that they will be doing during the next six days. Various Cultural activities were also performed on the occasion. During the next six days the Volunteers participated with zeal and vigour in the task of personality development by learning how to co-operate with each other in all kinds of community service. Various programmes were organized for the volunteers on the following topic:

    (A) Yoga classes to N.S.S. volunteers by Mrs. Meena Bansal.

    (B) Judo Training by Mr. Parmod Malik.

    (C) Training for Self Employment by Mrs. Himanshu Garg.

    (D) How to Channelize Youth power by Mr. Naresh Jaglan

    (E) Personality development (Lecture) by Sh. Shyan Lal Kaushik.

    (F) Lecture on self defence by Dr. Harish Kumar Ranga

    (G) Lecture on the Value of making and following definite goals in life by Sh. Dalbir Sharma, Zonal Trainer, JAYCEES.

    (H) Lecture on Skin care by Dr. Pankaj Soni

    (I) Lecture on beauty tips by Mrs. Raj Yadav

    (J) Lecture on Nutrition by Shri Vijay Pal Virodhiya

    Various experts and specialists were invited for the above said task. Simultaneously a cleanliness move was also carried on by the volunteers with the usual devotion and enthusiasms, as 'Krishna Colony' was adopted for literacy campaign and volunteers visited the same and taught the women

about alphabet, spellings, signatures and some other creative things like art of mehndi etc.

Volunteers also took upon themselves the task of cleaning the college campus. They laboured hard and unhesitantly cleaned choked drains, and other kind of wiping and cleaning. iz" January was the closing ceremony of the Camp. Principal Dr. Alka Gupta appreciated the work done by the volunteers during the camp. Miss Sakshi, B.Se. III was declared the Best NSS Camper.

Various cultural activities were performed on the occasion of successful completion of the Seven days Camp.

12. **Republic Day (26 January) -** On Republic Day Volunteers made seating arrangements for college staff and students. They maintained discipline during the programme and N.S.S. volunteers also participated in patriotic songs and dance. They were educated about the importance of Republic day for our nation.

Consequently, we can say the session was utilized to the maximum to make the task of personal development through community service really fruitful. The administration of the college as well as the other members of our college family also extended great help and co-operation to make it a success.

RED CROSS

डॉ पूनम

(रेड क्रॉस इंचार्ज)

हमारे महाविद्यालय की रेड क्रास शाखा इण्डियन रेड क्रास सोसायटी, चंडीगढ़ से सम्बन्धित है। कॉलेज की रेड क्रास यूनिट गरीब व शारीरिक रूप से अक्षम छात्राओं को किताबें व गर्म कपड़े जैसी सुविधाएँ देती है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर अनेक छात्राओं को फीस मे छूट भी दी जाती है।

सत्र के प्रारम्भ मे अगस्त माह में ही मीटिंग ले कर छात्राओं को रेड क्रास के उद्देश्य व कार्यों की जानकारी दी गई। बाद में भी समय-समय पर मीटिंग ले कर सत्र के दौरान होने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई।

सत्र के प्रारम्भ में दाखिले के समय जुलाई माह में तथा नवम्बर माह में गरीब छात्राओं को रेड क्रास यूनिट द्वारा फीस में छूट दी गई।

दिनांक 14 अगस्त, 2015 को 'स्वतन्त्रता दिवस' के उपलक्ष्य मे Slogan Writing Competition का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'सत्य और अहिंसा' था। इस प्रतियोगिता मे बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा निंतिशा काजल प्रथम तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की ही छात्रा मोनिका मलिक द्वितीय स्थान पर रही।

दिनांक 15 सितम्बर को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं विषय पर 'Plster Making' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमे बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की ही छात्रा मोनिका प्रथम, बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की ही छात्रा शिल्पा द्वितीय व बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा मीता तृतीय स्थान पर रही।

दिनांक 9 अक्टूबर 2015 को महाविद्यालय की रेड क्रास यूनिट द्वारा H.B. Test कैम्प लगाया गया, जिस कैंप के दौरान 350 के लगभग छात्राओं का खून टेस्ट किया गया। यह कैंप कॉलेज छात्राओं का खून टेस्ट किया गया। यह कैंप कॉलेज की रेड क्रास यूनिट और इनरव्हील क्लब के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया। इस अवसर पर इनरव्हील क्लब को प्रधान डॉ रजनीश जैन ने एक वक्तव्य भी प्रस्तुत किया। जिसमें खून की कमी से होने वाली बीमारियों की जानकारी दी गई 19 अक्टूबर को 'Art of Living' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'विश्व संरक्षण दिवस' के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व को देखते हुए महाविद्यालय की रेड क्रास यूनिट द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्राध्यापिका श्रीमती रंजना ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

जनवरी माह में एक कार्यक्रम आयोजित करके महाविद्यालय में पढ़ने वालों गरीब छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई। फरवरी माह के अन्त में रेड क्रास यूनिट के तहत करवाई गई प्रतियोगिताओं मे विजेता रहने वाली छात्राओं को प्राचार्या डॉ श्रीमती अलका गुप्ता द्वारा पुरस्कार भी दिलवाए गए।

REPORT OF LEGAL LITERACY CELL

Mrs. ANITA

Incharge

Legal Literacy Cell

1. ***Slogan Writing Competition*** was organized on the topic of Female Foeticide in the month of August, 2015. Result is as under:

1st Position	Shefali	B.Com 1st	1946
2nd Position	Sakshi	B.Com 1st	1684

2. ***Painting Competition*** was organized on EnvironmentPollution in September, 2015.

1st Position	Nitisha	B.A. 2nd	1229
2nd Position	Priyanka	B.A. 1st	248
3rd Position	Somvati	B.A. 1st	164

3. ***Mediation Awareness Comp*** was organized on 17.10.2015Trained Advocate Mediators Sh. Jai Bhagwan Goel and KR. Rampal Singh were deputed by DLSA to enlighten the students about importance and functioning of Mediation centres. These centres are very helpful in resolving family problems in peaceful way and save people from long legal fights which affect physical, mental and economic life of all family members. Mediation centre of Jind District has secured number one position in Haryana state by solving 407 disputes.
4. National Legal Services Day was observed on 9.11.2015. Legal Literacy class was organized on this day for rededicating to the cause of bringing out equal opportunities and equal justice through legal services. Advocates Ms. Sarika Ganhi informed the students about laws related to female

foeticide and Sh. Jagmesh Sindhu discussed the problem of child marriage.

5. College Level Competitions were organized on 06.01.2016 and result are as under:

Essay Writing :-

1st Position	Diksha	B.A. I	170
2nd Position	Kavita	B.A. I	417
3rd Position	Sumita	B.A.	235

Painting :-

1st Position	Nitisha	B.A. II	1229
2nd Position	Priyanka	B.A. I	248

Slogan Writing Competition :-

1st Position	Shilpa	SSC III	2828
2nd Position	Manju	SSC III	2831

Poetic Recitation :-

1st Position	Aarti Bansal	PGDCA	5501
2nd Position	Renu Duhan	B.A. III	2212
3rd Position	Manju	B.Sc. III	2831

Declamation :-

1st Position	Aarti Bansal	PGDCA	5501
2nd Position	Sanjana	B.Sc. I	2556

Power Point Presentation :-

1st Position	Sukhraj	B.Sc. II (Comp. Sci.)	2901
2nd Position	Annu	B.Sc. II (Comp. Sci.)	2912

Skit :- Renu Duhan and her Group

6. ***District Level Competitions***_were organized at Govt. P.G. College, Jind on 4.2.2016. Prize winners of college Level Competition participated and following students won the prize

Declamation :-

1st Position	Aarti Bansal	PGDCA	5501

Poem Recitation :-

3rd Position	Renu Duhan	B.A. III	2212

Essay Writing :-

3rd Position	Diksha	B.A. I	170

Skit :-

2nd Renu Duhan & Group

Power Point Presentation :-

3rd Position	Sukhraj	B.Sc. II (Comp. Sci.) 2901
3rd Position	Annu	B.Sc. II (Comp. Sci.) 2912

7. ***Essay Writing Competition*** was organized on 11th Feb., 2016 on the topic of ragging Sakshi(1684) of B.Com. I won 1st Prize.
8. ***Discussion*** Session was arranged amongst students about the problems of old age. Experiences were shored and they were told to respect their grandparents and other senior citizens. It is the moral duty of every person to care about senior citizens around them. Rights of Senior citizens were also explained to them through lecture.
9. ***Special Legal Literacy Camp*** Was organized on '8.3.2016 to celebrate the International Women's Day. Women were apprised about their legal rights. Mass awareness was created through this camp. Advocates Sh. K.K. Kaushik and Ms. Anjali Kaushik were deputed by District Legal Services Authority for this purpose.
10. ***Discussion*** on the topic of child marriage was organized amongst students on 6th April 2016. Students were awakened about this social evil and its ill effects on the bride, bride groom and family. They were motivated to prevent child marriage in their family and neighborhood and report such cases to child protection officer. Legal aspect of this problem was also discussed.
11. ***Division Level Competition*** was help at Govt. College, Hisar on 24.4.2016. Prize winners of District Level competition participated in declamation, Essay writing and Poem recitation Aarti Bansal, Diksha and Renu Duhan participated in this competition. Aarti Bansal won 3rd prize in Declamation and received Rs. 3000/- as cash prize.
12. ***State Level Competition*** was arranged on 1.5.2016. Prize winners of Division Level participated in it. Aarti Bansal participated in Declamation.

WOMEN CELL

Mrs. Anjali
Incharge, Women Cell

The women cell of the college has always been positively active in making the students aware and awakened towards the needs of the present time and society and inculcate in themselves the required knowledge and qualities keeping in view the this purpose a lecture was organized to tell the students about their legal rights, cyper crime, RTI, free legal aids etc. Sh. Vijay Kumar Sharma, advocate and ex. senior librarian, distt. library, Jind along with Ms. Pooja Verma were the chief speakers on the occasion.

A slogan writing competition was held on the topic ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' Nitisha B.A.II (1229), Preeti B.A. III (2288) and Sunita B.A. III (2175) got 1st, 2nd and 3rd position respectively.

InIn another programme Sh. Ramphal Sharma, BJP प्रदेश अध्यक्ष Sh. Sandeep Gosain from LIC awakened the girls towards the need of adopting ''प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना'' specially programmed

for girls. They distributed forms also for this plan.

Mr. Pawan Kapoor, PRO to S.P. adressed the students about some safety measures for their personal security and told them about the various problems where they can get police help without delay.

Mrs. Karminder Kaur, Distt. Women Protection Officer - Cum - Child Marriage Prohibition Officer Jind sensitized the students about various legal acts made to protect the girsl from violance and prevent child marriage.

Women and child development department, Jind organized a distt. level seminar on ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ''. In this seminar Mrs. Anita Garg, Distt. Child Protection - Cum - Women & Child Development Planning Officer Dr. Prabhu Dayal, Deputy CMO Jind, Ms. Parveen CDPO and Ms. Meenakshi Hooda, Protection Officer were present on this occasion. They sensitized the students about malnutrition in women and children, gender discrimination and otheo such issues.

Members of Sadbharama Prachar Manch held a lecture in which Mr. Deepak Goyal, the chief speaker awakened the girls towards drug addiction and stress-management. He talked about positive attitude, moral strength, female foeticide and other women related issues.

International women's day was celebrated by organizing a seminar by women and child protection department. Various members adressed the students. Protectin officer Ms. Karminder Kaur, Child Protection Officer Ms. Babita Verma and counseller Ms. Mamta Sharma told the students about various schemes launched by Govt. to protect women and children, chief among them were 'Aapki Beti Hamari Beti', JS Board ICDS etc. They inspired the girls to fight against cruelty and discrimination.

Apart from all there activeities, a team of our students won first prize in the Inter Distt. Quiz Competition on Road safety and brought lawels for the college.

In this way, the women cell of the college contributed a lot towards training the students to walk hand in hand with the time.

CAREER GUIDANCE AND PLACEMENT CELL

Mrs. Upasana Garg
Associate Prof. in Commerce
Incharge (Career Guidance and Placement Cell)

Cell plays on important role in shaping the future of students by preparing them for the competitive world in their lives. Information regarding various opportunities for higher studies, training and jobs etc is dispensed among the students and also to arient and train them so that they become more employable.

To fulfill these duties, information is displayed on the notice boards time to time regarding various entrance exams for MBA, Banking sector and CA. Cell also tries to ensure the better use of the books available in the library for competitive exams and the computer system available in labs.

on 19th Sept 2015, one day seminar was conducted under the guidance of successful computer professional Ms. Sonu Punia 'Senior Analyst' in 'A on Hewitt Co.' gurgaon to guide the students regarding various categories of jobs.

1. Opportunities in software field.
2. UPSC IAS, IPS, IFS
3. SSC Central Excise Inspector, Income Tax Inspector
4. HSSC Taxation Inspector, Excise Inspector, Sub Inspector, Auditor, Accountant
5. HUDA Section Officer, Accounts Officer, Chief Accounts Officer

Organisation Of Training Workshop (27 Feb 2016) :-

To enhance the written and spoken communication skills of the students on 27th Feb 2016, One day hands on training workshop was conducted by two famous national trainers of this region. The purpose of this training programme was to improve the speaking capabilities of students, so that they can easily face the interviews and can effectively perform in GD and interview etc of various competitive exams.

Students Achievements :-

Students appeared for these jobs :

Banking, computer, railway etc. Our college girls cleared MBA under MAT and some girls also cleared banking papers.

Books :-

Under this cell selected books are referred and are made available in the library for the benefits of the students and students are motivated to study them.

Information Displayed Regarding Jobs And Careers :-

Law	:	Three years after graduation
Law Integrated	:	5 years after 10 + 2
NDA	:	Admission through entrance

Mass communication
Computer Courses
Air Hustess
Pilots
MA (Annual Subjects)
M.Sc Environmental Studies
KUK, Pbuni. GND

Online Education And Filling of Forms

Students are guided to fill online forms for various entrance and higher education.

COMMERCE SOCIETY

Mrs. Upasana Garg
Head, Deptt of Commerce

In the electronic era, where everything is changing very fastly, everything is updating, upgrading and modernising itself, in such a dynamic environment, it becomes ourr moral and social duty to prepare our students accourding to the challenging world. To fulfill this goal, we have 'Commerce Society' which tries to impart the knowledge of trade and commerce to our students and tries to polish their

personalities through actively engaging them in seminars, presentations, career guidance and others.

Academically, commerce students of this college are showing excellent academic results as compared to university average in terms of pass percentage and first divisions since long time. During session 2013-14, near about 20 students got 80% and more then 80% marks in B.Com IV Semester & last year in 2014-15, some of our students Miss Aarushi got 6th position in university in B.Com III semester and Miss Kanika got 13th position in university. Undoubtedly, this is a great achievement for commerce students. Time and again, commerce students have been awarded various rewards for their academic achievements by the trustee of this college.

The students of commerce society are actively engaged in various 'Extra Curricular Activities last year 'Miss Sakshi' student of B.Com III was selected as 'Best NSS Camper.' Besides this, many students of commerce (Harigandha B.Com III (2014-15) Aarushi, Surbhi B.Com III (2015-16) won many prizes in inter college easy writing, slogan writing, chart making , singing and dance competition. Miss Surbhi (B.Com III) got 1st position in 'Haryanvi Solo Dance Competition' in 'Youth Festival' and IInd position in 'Inter Zonal Youth Festival in dance at Yamunanagar.

These very fact speaks about the endeavour of 'commerce society' as well as of 'Commerce Department' in providing every possible opportunity to the students for an overall development of their personalities. As the Head of Commerce Deptt. on behalf of all the staff members I take this opportunity to wish best of luck to our outgoing students and hope that they will continue to perform with the same devotionand enthusiasm in every field in future also.

MATHEMATICS & COMPUTER

ANJU

Incharge

(Asst. Prof. in Maths)

Department Of Mathematics was established in 1982.Eleven students took admission in prep, out of which three students got 1 st ,2nd and 7th position in the university merit list. Since then we the department of Mathematics have been maintaining the performance.

We have started B.A. / B.Sc. computer science, B.A.(Hons.) Maths on U.G.C. pattern and Information Technology as Add-on-course. Our students always achieved positions in the university merit list. Our students are pursuing higher education in different universities and institutions and are well settled, in their professional life.

We ensure effective learning through two way communication. We not only teach our students prescribed syllabus but also guide them for entrance test and train them for competitive exams for various government and private jobs. We discourage cramming. We frequently organize Mathematics quiz competition so as to create interesting and interactive learning experience. We give our best to make them understand the subject. We are always ready to help our students.

WOMEN CELL

Ms. Karminder Kaur, Distt Women Protection Officer-cum Child Marriage Prohibition Officer, Jind addressing the students.

Students celebrating International Women's Day with the members of Child and Women Protection Department.

Road Safety Quiz Competition
में भाग लेती छात्राएँ

Deputy CMO Dr. Prabhu Dayal addressing the students

Sh. Vijay Kumar Sharma, Advocate and Ex Senior Librarian, Distt. Library sensitizing the students about this legal rights

Our College team being awarded by Hon'ble Deputy Commissioner and Hon'ble S.P. Jind for Winning First Prize in Rood Safety Quiz Competition

Women & Child Protection Officer Ms. Meenakshi Hooda Speaking about "Beti Bacho-Beti Padhoo"

Ms. Karminder Kaur addressing the students on International Women's Day

Mr. Deepak Goyal from Sadbhavna Prachar Manch addressing the students

MATHEMATICS SOCIETY & COMPUTER SCIENCE

Mathematics Society के द्वारा आयोजित Maths Quiz में उपस्थित प्रिंसीपल डॉ॰ अलका गुप्ता एवं प्राध्यापिकाएँ

Maths Quiz में भाग लेती Teams

Maths Quiz में प्रश्न का उत्तर देती छात्रा

Maths Quiz में पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

Maths Quiz में पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

Maths Quiz में पुरस्कार प्राप्त करती छात्रा

Computer Science विषय पर Seminar देती छात्राएँ

Computer Science विषय पर Seminar देती छात्राएँ

CARRER GUIDANCE AND PLACEMENT CELL

Let us learn together

Special session to enhance the employability of studnets

One Day Training workshop for 'Effective Public Speaking'

An Activity for students to improve their personality

Hands on Workshop for creating leadership qualities

Expressing Gratitude for resource person

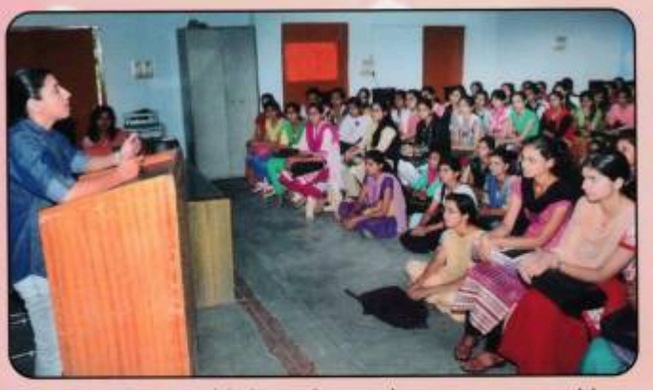

Students being told about the employment opportunities
(19th September 2015)

Trainers from Outside agencies in energetic mood

उभरते सितारे

ARUSHI
IIIrd Sem. 499
(Ist) 83%
6th in University
IV Sem-479 (Ist)

KANIKA
B.Com.-III (IV Sem.)
496/600 (82.6%)

JYOTI
Ist Position in College
81.15%
(I+II+III+IV+V Sem)

EKTA SHARMA
B.Com. Final Year
483/600 (80.5%)

MANISHA
B.Com. Final Year
483/600 (80.5%)

SAKSHI
B.Com. II Sem.
474/600 (79%)

BHARTI
B.Com. I Sem.
(79%)

HARIGANDHA
B.Com (Final)
Roll No. 1829

- **15 September 2015**
  Legal Literacy Cell, H.K.M.V. Jind, First in Slogan & Essay Writing
- **25 January 2015**
  National Voter's Day, Govt. College Jind, First in Essay Writing
- **31 January 2015**
  Legal Literacy Cell, Govt Collge Jind, Participated in Essay Writing
- **10 February 2015**
  Rotary Club, Jind, Participated in Inter College Quiz
- **20 February 2015**
  I.B. (PG) College, Participated in College Slogan Making

SPORTS ACTIVITIES

जिला स्तर पर Yoga में पुरस्कृत छात्राएँ

जिला स्तर पर Yoga में पुरस्कृत छात्राएँ

आशु (599) College Game में 1st

Basket Ball में राज्यस्तर पर चयनित छात्राएँ

बास्केट बॉल में Class B.A. Ist - प्रीति (253), काजल (600), आश (599), मोहिनी (601), मंजु (305), अंजली (325) में Junior State फरीदाबाद में IIIrd Position प्राप्त की, बास्केट बॉल में प्रीति का National में Selection हुआ।

SHINING STARS

ANJALI
National Basket Ball
State Level IInd

MOHINI
Junior State Faridabad
Basket Ball IIIrd

PRITI
Selected in National Junior
State Level-III Position Basket Ball

KAJAL
Junior State Faridabad
Basket Ball IIIrd

ANMOL
State Basket Ball
IIIrd

Ashu
College Champion

Nitisha Kajal
B.A. II
Basket Ball

MANJU
State Basket Ball
IIIrd

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस | जिले के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित सांसद-विधायकों के साथ 21 सौ लोगों ने सुबह 6 बजे वि

भारत की प्राचीन संस्कृति योग को विश्व ने अपना

हिन्दू कन्या कॉलेज में एन.एस.एस. शिविर आयोजित

जींद, 23 सितम्बर (का.प्र.): हिंदू कन्या महाविद्यालय में बुधवार को एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेविका छात्राओं ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की। शिविर में 100 छात्राओं ने भाग लिया। प्राचार्या अल्का गुप्ता ने कहा कि एन.एस.एस. शिविर लगाने का उद्देश्य एकता की भावना पैदा करना है। छात्राएं जब शिविर में मिलजुल कर कार्य करती हैं और एक छात्रा से नहीं होने वाला कार्य जब 2 छात्राएं मिलकर करती हैं तो उनमें एकता की भावना का विकास होता है। एन.एस.एस. इंचार्ज नीलम ने बताया कि समाज सेवा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। इसके बिना मानव जीवन का उद्देश्य सार्थक नहीं हो सकता है। बच्चे समाज का सबसे छोटा लेकिन सबसे अहम हिस्सा होते हैं। आज के परिवेश में समाज में फैल रही बुराइयों का असर जहां बच्चों पर पड़ रहा है। वहीं, बुराइयों से छुटकारा पाने के लिए बच्चों का शिक्षित होना अति आवश्यक है। शिक्षा ही एक ऐसा साधन है जिससे अच्छे और बुरे की पहचान हो पाती है। इसके साथ-साथ शिक्षित बच्चा ही बड़ा होकर समाज में फैली बुराइयों को दूर करने में सक्षम होता है।

हिन्दू कॉलेज भी सफाई में आगे

हिंदू कन्या कॉलेज में महात्मा गांधी जयंती स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई। एनएसएस इंचार्ज नीलम के निर्देशानुसार 100 छात्राओं ने शिविर में हिस्सा लिया। उन्होंने कॉलेज कैंपस, ऑफिस, स्टॉफ रूम, कक्षाओं और सभी ग्राउंड की साफ-सफाई की। प्राचार्या डॉ. अल्का गुप्ता ने छात्राओं को महात्मा गांधी के बताए गए आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

जींद। जागरूकता रैली को हरी झंडी

स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से करें योग : अल्का गुप्ता

हिंदू कन्या महाविद्यालय में योग दिवस मनाया गया। एनएसएस इंचार्ज नीलम ने बताया कि छात्राओं में योग दिवस को लेकर काफी उत्साह रहा। योग शिविर का शुभारंभ तीन बार ओम का उच्चारण कर किया गया। प्राचार्या डॉ. अल्का गुप्ता ने छात्राओं को स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग करने की सलाह दी।

हिंदू कन्या महाविद्यालय

हिंदू कन्या महाविद्यालय में योग दिवस पर योगा कैंप लगाया गया। इसका शुभारंभ ओम का उच्चारण कर किया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. अल्का गुप्ता ने की। प्राचार्या ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग करना चाहिए। यदि युवा पीढ़ी स्वस्थ है तो हमारा देश हर सुदृढ़ व सफल होगा। कैंप में ने कपालभाति, अनुलोम-भ्रामरी, मकरासन, भुजंगासन सन किए। एनएसएस इंचार्ज

सड़क सुरक्षा सप्ताह में छात्राओं को दी ट्रैफिक नियमों की जानकारी

जींद. हिंदू कन्या कॉलेज में यातायात नियम बताती नीलम।

जींद | हिंदू कन्या कॉलेज में एनएसएस यूनिट ने सोमवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया। इंचार्ज नीलम ने छात्राओं को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने कहा कि जिंदगी अनमोल है जो बार-बार नहीं मिलती। सड़क पर चलते समय जरा-सी लापरवाही भी जीवन को समाप्त कर सकती है। हमेशा सावधानी पूर्वक वाहन चलाना चाहि ने छात्राओं को बताया कि वाहन चलाते यातायात के नियमों का पालन करना की लापरवाही के कारण नियमों की ना ओं व्यक्ति हिए।

दहेज प्रथा, कन्या भ्रूणहत्या के खिलाफ छात्राओं ने ली शपथ

जींद | हिंदू कन्या कॉलेज में गुरुवार को एनएसएस यूनिट की ओर से एनएसएस डे मनाया गया। यूनिट इंचार्ज नीलम ने छात्राओं को शपथ दिलवाई कि वे समाज में फैली कुप्रथा दहेज प्रथा, भ्रूणहत्या को जड़ से समाप्त करने का प्रयास करेंगी। समाज में एड्स व नशा जैसी जानलेवा बीमारियों के खिलाफ समाज को जागरूक करेंगी। लोगों सफाई, शुद्ध एवं प्रदूषण र रखने का आह्वान किया जा

हिंदू का एनएसएस का शु

जींद। हिंदू कन्या बुधवार को सात दि शिविर का शुभारंभ उपाध्यक्ष बलदेवराज उन्होंने स्वयं सेवक एनएसएस शिविर से पैदा करना है। प्राच गुप्ता ने एनएसएस

बेटी प

हिंदू काले

जींद, 12 जनवरी

विषय पर कविता प्रस्तुत की। देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने छात्रा करते हुए कहा कि वे शिक्षा के साथ-साथ अन्य लेकर अपना सर्वांगीण विकास करें। प्राचार्या ने स

महाविद्यालय की खबरें

समाज कल्याण के लिए मनुष्य का कर्तव्य

अमर उजाला ब्यूरो

जींद। हिंदू कन्या कॉलेज में चल रहे एनएसएस शिविर के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में मीना देवी ने स्वयंसेवकों को प्राणायाम के बारे में सिखाया गया। इस मौके पर जिला जेल अधीक्षक डॉ. हरीश कुमार रंगा ने शिविर में शिरकत कर छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. रंगा ने छात्राओं को कहा कि हमें हमेशा खुद से प्यार करना चाहिए और आगे बढ़ते रहना चाहिए। युवाओं को धूम्रपान और शराब से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि लड़कियां किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं, बस जरूरत है, तो खुद पर विश्वास करके कड़ी मेहनत करने की। प्रशिक्षण मीना देवी ने छात्राओं को भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम सिखाए।

हिंदू कॉलेज में एनएसएस शिविर में छात्राओं को संबोधित करते जेल अधीक्षक डॉ. हरीश कुमार रंगा।

एनएसएस इंचार्ज नीलम ने बताया कि शिविर के दूसरे सत्र में सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर श्याम लाल कौशिक ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास के गुर बताए। श्याम लाल कौशिक ने छात्राओं को कहा कि सुखमय जीवन के लिए सकारात्मकता जरूरी है। सोनी अस्पताल से आए त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज सोनी ने त्वचा की देखभाल के बारे में बताया।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गु

छात्राओं को आत्मरक्षा बारे जानकारी देते प्रमोद कुमार।

जींद, 11 जनवरी (का.प्र.): हिंदू कन्या महाविद्यालय में एन.एस.एस. शिविर के छठे दिन छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। कराटे प्रशिक्षक प्रमोद कुमार ने छात्राओं को कराटे द्वारा आत्मरक्षा के बारे में जानकारी दी और बताया कि विपत्ति आने पर या अचानक हमले का जवाब कैसे छात्राएं दे सकती हैं। प्रथम सत्र में योग प्रशिक्षिका मीना बंसल ने छात्राओं को प्राणायाम के साथ-साथ चक्रासन, नरेश जागलान ने आर्ट आफ लिवि अंतर्गत छात्राओं को समझाया कि ध्या लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मेहनत से बनता है, इसलिए हमें मेहनत चाहिए। सायंकालीन सत्र में नाजाहबीन पार्लर से आई राज ब्यूटीशियन ने की सौंदर्य संबंधी समस्याओं का स किया और बताया कि कृत्रिम साध अपेक्षा हमें हर्बल या घर में बनी

सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने की दिलवाई शपथ

जींद, 24 सितम्बर (का.प्र.): हिंदू कन्या कालेज में एन.एस.एस. दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कालेज की छात्राओं को एन.एस.एस. प्रभारी नीलम ने कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने की शपथ दिलवाई। कालेज प्राचार्या डा. अल्का गुप्ता ने इस मौके पर समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह सामाजिक बुराइयों को दूर करने में योगदान दें और नशे से युवा पीढ़ी को बचाने के लिए आगे आएं।

23-10-15

हिंदू कॉलेज की छात्राओं ने भी जारूकता रैली निकाली

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने लोगों को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता रैली निकाली। इसे प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने री झंडी दिखाकर रवाना किया। डा. गुप्ता ने हा कि छात्राओं ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। उन्होंने प्रजातंत्र के मताधिकार के लव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर दाता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल रूर करना चाहिए। रैली में शामिल छात्राओं अपने हाथों में मतदान करने को लेकर रूक करने वाले स्लोगन लिखी, तख्तियां ई हुई थी। इस मौके पर कॉलेज की नोडल

एनएसएस शिविर में दी योग की जानकारी, जेल अधीक्षक डॉ. रंगा बोले

धूम्रपान व शराब से रहें सभी दूर

भास्कर न्यूज | जींद

09/01/16 जींद भास्कर

हिंदू कन्या कॉलेज में एनएसएस शिविर के प्रथम सत्र में शुक्रवार को स्वयंसेवकों को भस्त्रिका, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रमरी प्राणायाम सिखाए गए।

शिष्टाचार के बारे में बताया

दूसरे सत्र में रिटायर्ड बैंक मैनेजर श्याम लाल कौशिक ने छात्राओं के गुर बताए। सकारात्मक इसके साथ-त्य-विश्वास, तहजीब का

त्वचा रोग ोनी ने त्वचा बताया। जेल कुमार रंगा ने खुद से प्यार धूम्रपान व सलाह दी। क्षेत्र में कम ी खुद पर हनत की।

छात्राओं ने फ्लॉवर व गुलदस्ता बनाना सीखा

कैंप में फ्लॉवर व गुलदस्ता बनाना सिखाते हुए।

जींद | हिंदू कन्या कॉलेज में चल रहे एनएसएस कैंप के दूसरे दिन गुरुवार को छात्राओं को योग का महत्व बताया गया। योग एक अचूक दवा है जो सभी रोगों का निदान करती है। स्वयंसेवकों को अलग-अलग तरह की सूक्ष्म क्रियाओं की जानकारी दी गई। हिमांशु गर्ग ने छात्राओं को व्यर्थ वस्तुओं को उपयोगी कैसे बनाने के बारे में

एनएसएस कैंप में विद्यार्थियों ने की सफाई

जींद | हिंदू कन्या कॉलेज में बुधवार को एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 100 छात्राओं के 10-10 ग्रुप ने अपनी रचनात्मक और सृजनात्मक प्रतिभा द्वारा कॉलेज को कलात्मक सौंदर्य प्रदान किया। छात्राओं ने पेड़-पौधों के आसपास पानी के होद की सफाई की और नोटिस -चोर्ड को सजाया। उन्होंने झाड़ू लेकर साइकिल शेड

भाषण प्रतियोगिता में हिंदू कॉलेज की छात्रा आरती ने पाया प्रथम स्थान

जींद | मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओर से प्रदेश स्तरीय कॉलेज वर्ग की भाषण प्रतियोगिता में हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान हासिल किया है। प्राध्यापिका अंजू ने बताया कि गत 18 जनवरी को मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा प्रदेश स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन दयानंद कॉलेज कुरुक्षेत्र में किया गया था। इस प्रतियोगिता में 21 जिलों से 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसमें हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान हासिल किया है। ने प्रजातंत्र की जान, मत-मतदान अ पर भाषण देकर सबको लूटी। उपलब्धि गुप्ता व

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए छात्र-छात्राओं ने लगाई मैराथन, सभा का किया

विद्यार्थी बोले-वोट है ताकत, मतदान जरूरी

मतदाता जागरूक रैली के दौरान मैराथन में हिस्सा लेती हिंदू कन्या कॉलेज की छात्रा

छात्राओं ने स्लोगनों के माध्यम से लोगों को जा[illegible] किया

जींद | हिंदू कन्या [illegible] ाधिकार का प्रयोग जरू छात्राओं ने [illegible] धिकार के [illegible] हिए। छात्राओं ने रैली के [illegible] करते [illegible] गरूक [illegible] न लिखी तख्तियां उठाई [illegible] साथ-साथ [illegible] थी। इस रैली, विश्वकर्मा चौक

[illegible] व्यर्थ वस्तुओं को उपयोगी बनाना सिखाया

अमर उजाला ब्यूरो

जींद। हिंदू कन्या कॉलेज में बुधवार को एनएसएस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दूसरे दिन प्रथम सत्र में मीना देवी ने योग का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि योग एक अचूक दवा है, जो सभी रोगों का निदान करती है। उन्होंने स्वयं सेवकों को अलग-अलग तरह की सूक्ष्म क्रियाओं की जानकारी दी। एनएसएस इंचार्ज नीलम ने बताया कि शिविर के दूसरे सत्र में हिमांशु गर्ग ने छात्राओं को व्यर्थ वस्तुओं को उपयो बनाने के बारे में सिखाते हुए पेपर बे पेपर पर्स, फ्लावर पॉट, गिफ्ट पे पैकिंग का तरीका व गुलदस्ता बना सिखाए। शिविर के सांय कालीन सत्र छात्राओं ने कॉलेज ग्राउंड की सफा की। कॉलेज की बिल्डिंग के शीशे सा किए। एनएसएस इंचार्ज नीलम प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने बताया छात्राएं शिविर में पूरे उत्साह के सा भाग ले रही हैं और पूरे मन से काम क रही हैं।

[illegible] को लेकर संकल्प दिलाया

[illegible] समापन

[illegible] सम्मानित किया। एन.एस.एस. इंचार्ज नीलम ने इस [illegible] शिविर में छात्राओं के कार्य एवं सहयोग की प्रशंसा की। बी.एससी. फाइनल की छात्रा साक्षी को सर्वोत्तम एन.एस.एस. कैम्पर चुना गया। प्रबंधक समिति के प्रधान पूर्व मंत्री बृजमोहन सिंगला, उपप्रधान बलदेव राज आहुजा, महासचिव जय भगवान गोयल और कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर जिंदल तथा प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने छात्राओं और इंचार्ज नीलम की मेहनत की प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्राध्यापिका मधु खत्री, अनीता सिंगरोहा, डा. गीता गुप्ता, उपासना, अंजलि, पूनम मोर, डा. क्यूटी और अंजू मौजूद थीं।

[illegible] ध्यम [illegible] से का संदेश [illegible] ने वक्त की [illegible] समूह नृत्य [illegible] सम्बोधित [illegible] में भी भाग [illegible] त्राओं को

भ्रूणहत्या व घरेलू हिंसा के खिलाफ किया जागरूक

जींद | हिंदू कन्या कॉलेज में बुधवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन हुआ। इसका शुभारंभ प्रबंधक समिति उपाध्यक्ष बलदेव राज आहूजा ने किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस शिविर का उद्देश्य एकता की भावना पैदा करना है। उन्होंने छात्राओं को जीवन में अहिंसा रहने का आह्वान किया। प्रिंसिपल डॉ. अलका गुप्ता ने स्वयंसेविकाओं को जीवन में अनुशासन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण की स्वच्छता और मानव सेवा जैसे विषयों पर भी जोर दिया। इंचार्ज नीलम ने बताया कि एनएसएस से देश और समाज की सेवा की प्रेरणा मिलती है। शिविर में किए जाने वाले कार्यों का भी ब्योरा दिया। इस दौरान छात्राओं ने गीत, कविता, भाषण के जरिए भ्रूणहत्या और घरेलू हिंसा के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अनीता सिंगरोहा, उपासना, रेखा सैनी, अंजली गुप्ता, पूनम मोर, डॉ. सुधा मल्होत्रा, डॉ. गीता गुप्ता व अंजू मौजूद रही।

हिंदू कन्या कॉलेज में एनएसएस शिविर का शुभारंभ करते बलदेव राज गुप्ता।

जींद केसरी 8/01/2016

एन.एस.एस. शिविर में दूसरे दिन योग बारे दी जानकारी

जींद, 7 जनवरी (का.प्र.): हिंदू कन्या कालेज में चल रहे एन.एस.एस. शिविर के दूसरे दिन छात्राओं को स्वस्थ रहने के लिए योग के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर मीना देवी ने छात्राओं को योग के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि योग ऐसी विधि है, जो सभी रोगों का निदान करती है। उन्होंने छात्राओं को योग की अलग-अलग क्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया और इसका डैमो भी दिया।

उन्होंने कहा कि योग को दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाकर रोगों से आसानी से बचा जा सकता है। शिविर के दूसरे सत्र में हिमांशु गर्ग ने छात्राओं फ्लावर पॉट, गिफ्ट पेपर पैकिंग तथा गुलदस्ते बनाने के बारे में जानकारी दी। तीसरे सत्र में छात्राओं ने कालेज परिसर में साफ-सफाई का काम किया। इस मौके पर कालेज की एन.एस.एस. प्रभारी नीलम और प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने कहा कि छात्राएं एन.एस.एस. शिविर में पूरे उत्साह के साथ भाग ले रही हैं।

एन.एस.एस. से समाज सेवा की भावना विकसित होती है और समाज

एन.एस.एस. शिविर के दौरान छात्राओं को बेकार बीजों से काम की चीजें बनाने की जानकारी देती हिमांशु गर्ग। (तस्वीर)

छात्राओं ने हिंदू कालेज में लगाए छायादार पौधे

जींद(का.प्र.) : हिंदू कन्या महाविद्यालय की एन.एस.एस. यूनिट ने वीरवार को महाविद्यालय में पौधारोपण किया। इस मौके पर यूनिट की छात्राओं ने अमरूद, अनार, जामुन, नीम आदि सहित अनेक छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम की शुरूआत कालेज प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने पौधा लगाकर की। प्राचार्या डा. अलका गुप्ता ने छात्राओं को पौधारोपण की उपयोगिता और उनके समुचित संरक्षण का महत्व भी बताया। उन्होंने कहा कि भारत में वैदिक काल से ही वृक्षों की पूजा की जा रही है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण जहां पर्यावरण बिगड़ रहा है, वहीं पर मौसम में बदलाव के साथ ही दिनोंदिन वर्षा भी कम होती जा रही है जो भविष्य के लिए नुकसानदेह है। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी नीलम ने कहा कि हमें जीवन में वृक्षों से कुछ सीख लेनी चाहिए। जिस प्रकार वृक्ष बिना किसी स्वार्थ के फल तथा छाया प्रदान करते हैं, उसी प्रकार हमें भी निःस्वार्थ होकर अपने जीवन को दूसरों के प्रति समर्पित कर देना चाहिए।

इस मौके पर प्राध्यापिका शशि बहल, अनीता सिंगरोहा, मधु खत्री, सुषमा हुड्डा, रेखा सैनी, डा. गीता गुप्ता आदि मौजूद थीं।

हिंदू कन्या महाविद्यालय में पौधारोपण करती छात्राएं। (तस्वीर)

भाषण में आरती, निबंध में सलोनी अव्वल

27-10-15

हिंदू कन्या महाविद्यालय में मतदाताओं को किया जागरूक

अमर उजाला ब्यूरो

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला स्तर पर निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आयोजित जिला अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन हिंदू कन्या महाविद्यालय में किया गया। भाषण प्रतियोगिता में तीन और निबंध प्रतियोगिता में आठ विद्यार्थी शामिल हुए। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं द्वारा संघी कन्या महाविद्यालय, जींद, हिंदू कन्या महाविद्यालय, और छोटूराम किसान कॉलेज के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका गुप्ता ने की। भाषण प्रतियोगिता में हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान, सलोनी ने द्वितीय स्थान व छोटू राम किसान कालेज के छात्र सुभाष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में विजेताओं द्वारा संघी कन्या महाविद्यालय की छात्रा मनीषा ने द्वितीय स्थान व छोटू राम किसान कालेज के छात्र सुभाष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में विजेताओं द्वारा संघी कन्या महाविद्यालय की छात्रा आरती ने प्रथम स्थान, हिंदू कन्या महाविद्यालय की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व विजेताओं द्वारा संघी कन्या महाविद्यालय की छात्रा प्रीति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा।

VOTERS DAY

मतदान पर 'मैराथन दौड़' में भाग लेती छात्राएँ

जिला स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में भाग लेती छात्रा आरती

जिला स्तर पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र एवं छात्राएँ

मतदान पर जागरूकता रैली निकालती छात्राएँ

नुक्कड़ नाटक

बेटी बचाओं के तहत नुक्कड़ नाटक

शहीद ऊधम सिंह मंच के माध्यम से जागृति अभियान प्रस्तुत करते विद्यार्थी

'नारी सशक्तिकरण' के लिए युवा छात्राओं की भागीदारी हेतु आह्वान

नुक्कड़ नाटक में रसविभोर दर्शकगण

RETIREMENT

सितंबर 2015 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर
श्रीमती शशि बहल (अर्थशास्त्र प्राध्यापिका) Ex-officiating Principal
वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर को भेंट प्रदान करते हुए
प्राचार्या डॉ॰ अलका गुप्ता साथ में श्रीमती मधु खत्री

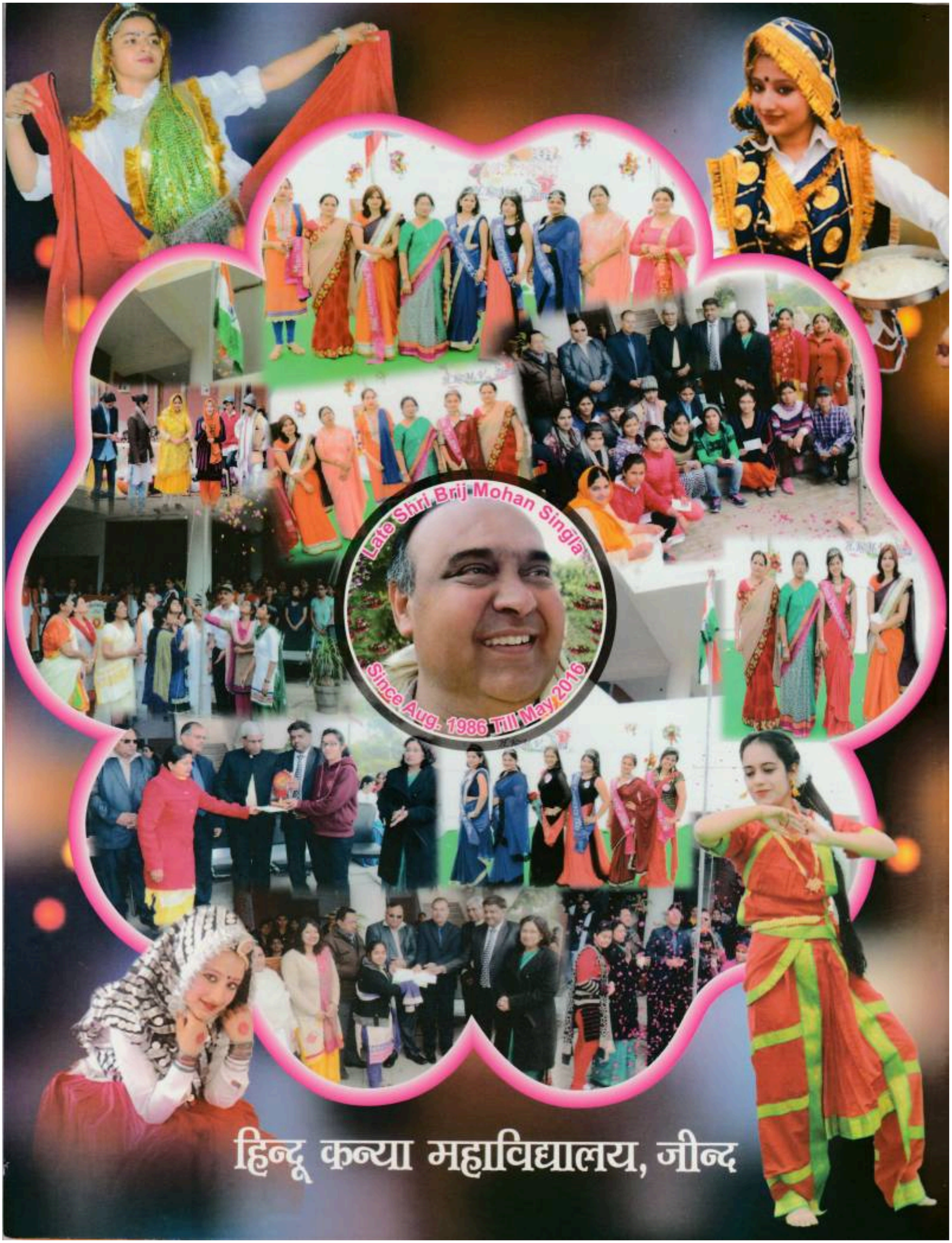

हिन्दू कन्या महाविद्यालय, जीन्द